मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

विश्वसनीय साप्ताहिक हिन्दी अखबार

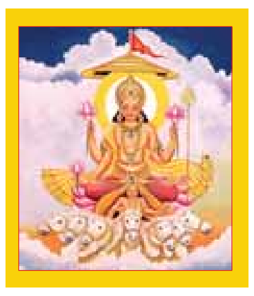

जागरूक जनता

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

मार्गशीर्ष, पक्ष - कृष्ण, तिथि - द्वादशी, संवत 2078 | पृष्ठ : 8 | जयपुर, बुधवार | वर्ष-7, अंक-40, 1 दिसम्बर - 7 दिसम्बर, 2021 | मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

शुरू से अंत तक चुप रहो!

सटीक

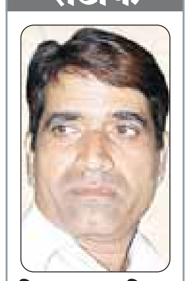

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

यूं तो दुनिया में बहुतेरे बड़बोले हैं जिनकी आदत ही बहुत ज्यादा बोलने की होती है। बातें चाहे मतलब की हो या बेमतलब की। मगर वे तो बोलोंगे ही। मगर कुछ ऐसा भी है जिन्हें जन्म से लेकर मृत्युपर्यन्त चुप रहने की ही हिदायत मिलती रहती है। बच्ची जब छोटी रहती है तो उसे मां-बाप हमेशा कहते सुने जा सकते हैं। चुप रहो, बच्चे ज्यादा नहीं बोलते। जब बच्ची थोड़ी बड़ी हो जाती है और बातें करती है, उनकी बातों को सुनकर मां तुरन्त झिड़कती है तुम बड़ी हो रही है जरा कम बोला करो। वही बच्ची जब जवान हो जाती है तो फिर उसे समझाईश। तुम्हे दूसरे के घर जाना है। थोड़ा कम बोलने की आदत डालो। बच्चियों को कदम-कदम पर कम बोलने की हिदायत मिलती रहती है। विवाह होने के बाद ससुराल पहुंची तो बच्ची के मन में आने लगता है कि चलो अब हमें कुछ छूट मिलेगी, मगर वहां तो और भी ज्यादा बंदिशें। सास का हुकम आता है चुप रहो, ये तुम्हारा पीहर नहीं है जो बकबक करती रहती हो। गृहस्थी संभालने के दिनों में कुछ बोलना पड़ा तो पति कहता है चुप रहो, तुम क्या जानो। महिला अगर नौकरी पर गई, वहां कुछ बोला तो कहा जाता है कि नौकरी करने आई हो या बकबक करने। नौकरी करनी है डिसिपलेन में रहते हुए चुप रहो। उम्र ढलने पर बच्चों की ओर से भी कहा जाने लगा चुप रहो ना, तुम्हें इन बातों से क्या लेना-देना। ये तुम्हारे काम की नहीं है। उमर ढलकर बुढ़ापे ने दस्तक दी और कुछ बोला तो फिर वही चुप रहने की हिदायत, ज्यादा मत बोलो तुम्हें आराम की जरूरत है। चुप रहो, चुप रहो का सामना करते हुए एक दिन यमराज सामने आ जाता है और कहता है कि चुप रहो, अब तुम्हारा अंत आ गया है। ....और वह हमेशा के लिए चुप हो जाती है। (फिर कभी पुरुषों के लिए भी चलेगी लेखनी)

shivdayalmishra@gmail.com

गंभीर रोगियों के लिए बूस्टर डोज मुमकिन

नेशनल एडवाइजरी ग्रुप 2 हफ्ते में पॉलिसी तैयार करेगा

44 करोड़ बच्चों के वैक्सीनेशन पर हो सकता है फैसला

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट के भारत पहुंचने की भी आशंका जताई जा रही है। इस बीच, देश की कोविड टास्क फोर्स के चेयरमैन डॉ. एनके अरोड़ा ने कहा है कि सरकार गंभीर रोगियों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों के लिए वैक्सीन की एडिशनल डोज पर नई पॉलिसी लाने जा रही है। नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप इस पॉलिसी को 2 हफ्ते में तैयार करेगा। NTAG देश के 44 करोड़ बच्चों के वैक्सीनेशन के लिए भी नई पॉलिसी लाने जा रहा है। अरोड़ा ने कहा- देश की कई लैब्स फिलहाल नए वैरिएंट पर भारत में मौजूद वैक्सीन की एफिकेसी की जांच कर रही है। इसमें 2 हफ्ते लग सकते हैं। इसके बाद ही हमें पता चलेगा कि कोवैक्सिन, कोवीशील्ड और दूसरी वैक्सीन नए वायरस से किस हद तक लड़ने में सक्षम हैं।

कई देशों में बुजुर्गों को बूस्टर डोज

एक टीवी चैनल के मुताबिक बुजुर्गों के लिए बूस्टर डोज के बारे में पूछे जाने पर डॉ. अरोड़ा ने कहा- कोरोना के नए वैरिएंट के सामने आने के बाद कई देशों में बुजुर्गों को बूस्टर डोज दिया जा रहा है। इनमें अमेरिका, ब्रिटेन और इजराइल शामिल हैं। बूस्टर का मतलब है कि हमें 94 करोड़ और डोज की जरूरत पड़ेगी। इन्हें एक रात में तैयार नहीं किया जा सकता। हालांकि देश में वैक्सीन की कोई कमी नहीं है। अरोड़ा ने कहा कि देश में 12 से 15 करोड़ लोगों को वैक्सीन का एक भी डोज नहीं लगा है। 30 करोड़ लोगों को दूसरा डोज नहीं लगा है। साफ है कि हमें वैक्सीनेशन तेज करना होगा। इसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाना चाहिए।

देश में ओमिक्रॉन का केस नहीं

भारत में अभी तक ओमिक्रॉन का एक भी केस सामने नहीं आया है। इस महीने की शुरुआत में बेंगलुरु पहुंचे 2 दक्षिण अफ्रीकी नागरिक कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इनमें से एक डेल्टा स्ट्रेन से संक्रमित पाया गया है। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. के सुधाकर ने कहा- टेस्ट के सैंपल्स जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए लैब्स में भेजे गए हैं। ओमिक्रॉन स्ट्रेन पर हम काफी सतर्क हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च में एपिडेमियोलॉजी के चीफ डॉ. समीरन पांडा ने ओमिक्रॉन के पहले से ही भारत में मौजूद होने की संभावना जताई है। पांडा ने कहा कि इस वैरिएंट की जानकारी केवल टेस्ट से ही सामने आएगी।

केंद्र का दावा- RT-PCR, रैपिड एंटीजन टेस्ट से नहीं बच सकता ओमिक्रॉन

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। ओमिक्रॅन को लेकर भारत सरकार ने राहत देने वाला दावा किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक ओमिक्रॅन RT-PCR और रैपिड एंटीजन टेस्ट से नहीं बच सकता है। यह जानकारी केंद्र ने एक मीटिंग में दी। सरकार ने राज्यों को निर्देश दिए हैं कि वे टेस्टिंग की सुविधा बढ़ाएं, ताकि पॉजिटिव केस समय रहते पता चल सकें।

जापान में ओमिक्रॉन का पहला केस मिला, नामीबिया से आया पैसेंजर संक्रमित

केपटाउन @ जागरूक जनता। जापान में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के पहले केस की पुष्टि हुई है। मंगलवार को नामीबिया से आए 30 साल के एक शख्स में संक्रमण का पता चला। सूत्रों के मुताबिक, इस शख्स का टोक्यो के नारिता एयरपोर्ट पर कोरोना टेस्ट किया गया था, जिसमें संक्रमण का पता चला। इसके बाद जांच में यह वैरिएंट ओमिक्रॉन निकला।

गहलोत ने दिया संकेत

6-8 माह में फिर हो सकता है मंत्रिमंडल फेरबदल!

बोले- 19 एमएलए जाने से सरकार संकट में थी, बचाने वाले साथियों को शिकायत नहीं होगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। महंगाई के खिलाफ होने वाली कांग्रेस की रैली की तैयारियों को लेकर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बुलाई गई बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पायलट कैंप के विधायकों पर तंज कसा। गहलोत ने पिछले साल पायलट कैंप की बगावत को याद करते हुए मंत्री नहीं बन पाने वाले विधायकों को आगे किसी भी तरह की शिकायत नहीं आने देने का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि हाईकमान का इशारा हुआ तो छह से आठ महीने में फिर मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। विधायकों और पदाधिकारियों की बैठक में गहलोत ने बिना नाम लिए कहा, 19 लोग छोड़कर चले गए थे तो उस वक्त सरकार संकट में आ गई थी। हमारे निर्दलीय साथियों, बसपा से कांग्रेस में आने वाले साथियों ने अगर साथ नहीं दिया होता तो सरकार नहीं बचती। इन साथियों का सरकार बचाने में दिए योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। सरकार बचाने वाले कई लोगों को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है, लेकिन उन्हें आगे शिकायत नहीं रहेगी। गहलोत ने अपने पक्ष के विधायकों को भी आगे मंत्रिमंडल और राजनीतिक नियुक्तियों में जगह देने का आश्वासन दिया। गहलोत ने सरकार बचाने वाले विधायकों से कहा- आगे जैसे ही हाईकमान का इशारा होगा, उन्हें एडजस्ट किया जाएगा। फिर मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है।

रिपोर्ट खराब हुई तो हाईकमान एक्शन ले सकता है

गहलोत ने मंत्रियों को भी चेताया। सीएम ने मंत्रियों से कहा कि जो मंत्री बन गए हैं, वे भी सही तरह से काम करें। अगर मंत्रियों की रिपोर्ट खराब हुई तो आलाकमान एक्शन ले सकता है।

गहलोत के बयान के सियासी मायने

मंत्रिमंडल फेरबदल में सचिन पायलट समर्थकों को भले ही जगह दे दी हो, लेकिन गहलोत के बयान से यह साफ हो गया है कि अभी खींचतान बरकरार है। गहलोत ने अपने समर्थक विधायकों को अब भी आगे एडजस्ट करने का भरोसा दिलाया है। बगावत के समय साथ खड़े होने वाले विधायकों को गहलोत ने साफ तौर से मैसेज दिया कि वे उन्हें भूले नहीं हैं। मौका आने पर उन्हें एडजस्ट किया जाएगा। आज के बयान से यह साफ हो गया कि कांग्रेस में पायलट और गहलोत खेमों के बीच अंदरूनी खींचतान कम भले हो सकती है, लेकिन खत्म नहीं हो सकती। इससे यह भी साफ हो गया कि मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद दिख रही शांति स्थायी नहीं है।

जागरूक खबरें

चारधाम देवस्थानम बोर्ड भंग

देहरादून @ जागरूक जनता। उत्तराखंड सरकार ने चारधाम देवस्थानम बोर्ड एक्ट को वापस लेने का फैसला किया है। राज्य के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पिछले दिनों देवस्थानम बोर्ड को लेकर विभिन्न प्रकार के सामाजिक संगठनों, तीर्थ पुरोहितों, पंडा समाज के लोगों और विभिन्न प्रकार के जनप्रतिनिधियों से बात की है और सभी के सुझाव आए हैं।

पराग अग्रवाल ट्विटर के नए सीईओ

नई दिल्ली। ट्विटर के को-फाउंडर जैक डोर्सी ने कंपनी के सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह पर पराग अग्रवाल कंपनी के नए सीईओ होंगे। वे अब तक कंपनी में चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर के पद पर थे। उन्होंने 10 साल पहले कंपनी जॉइन की थी। 37 साल के पराग ने इसे सम्मान की बात बताया है। ट्विटर ने उनकी डेट ऑफ बर्थ जाहिर नहीं की है, लेकिन यह बताया है कि उनका जन्म 1984 में हुआ था। उनका जन्मदिन फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग के जन्मदिन 14 मई के बाद ही आता है।

केन्द्र ने MSP कमेटी के लिए 5 नेताओं के नाम मांगे

चंडीगढ़ @ जागरूक जनता। केंद्र सरकार अब किसान आंदोलन को पूरी तरह खत्म कराने के लिए एक्शन में आ गई है। लोकसभा और राज्यसभा में तीन कृषि सुधार कानून वापस लेने के बावजूद धरनास्थलों पर बैठे किसान संगठनों की MSP कानून की मांग पर भी कार्रवाई शुरू हो गई है। इसके लिए केंद्र सरकार ने MSP कमेटी बनाने का फैसला किया है। साथ ही इस कमेटी में शामिल होने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा से 5 किसान नेताओं के नाम मांगे हैं। किसान नेता मनजीत सिंह राय ने कहा कि कल कमेटी में शामिल होने वालों के नामों की लिस्ट जारी की जा सकती है।

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

jagrukjanta.net
जागरूक सिटी
जागरूक जनता • जयपुर, बुधवार, 1 दिसम्बर - 7 दिसम्बर, 2021 • पेज 02

तापमान	अधि.	न्यू.
जयपुर	26°C	14°C
जोधपुर	29°C	17°C
अजमेर	26°C	14°C
उदयपुर	24°C	15°C

सूर्योदय प्रात : 07 :06 बजे सूर्यास्त सांय : 05 :17 बजे चन्द्रोदय 03 : 20 बजे चन्द्रास्त 03 : 11 बजे (दूसरे दिन)

जागरूक खबरें

फ्रेशर पार्टी में विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुति

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर स्थित बियानी नर्सिंग कॉलेज की फ्रेशर्स पार्टी "आरंभ" में सीनियर्स ने फ्रेशर्स का स्वागत मस्ती और जोश के साथ परम्परागत तरीके से किया। कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज के एकेडमिक निदेशक डॉ. संजय बियानी ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर की। कार्यक्रम के पहले सत्र में ओथ सेरेमनी आयोजित की गई। फ्रेशर पार्टी में निदेशक डॉ. संजय बियानी ने फ्रेशर्स को दिए अपने संदेश में कहा कि जिस प्रकार घर में नये सदस्य का स्वागत धूमधाम से किया जाता है ठीक उसी प्रकार हम आने वाले विद्यार्थियों का परम्परागत तरीके से स्वागत करते हुए उन्हें अपने परिवार में शामिल करते हैं और हर सुख-दुख में उनके भागीदार बने। नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसीपल तारावती चौधरी ने बताया कि फ्रेशर्स के स्वागत में सीनियर्स ने विभिन्न गीतों जैसे बावन गज का दामन....., तेनु सुट सुट करता....रॉक द पार्टी... आदि गीतो पर नृत्य कर माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान कई बार ऐसे मौके भी आए जब ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। फ्रेशर पार्टी में फेशर्स ने विभिन्न परिधान पहनकर फैशन परेड़ करते हुए अपना परिचय दिया। फैशन परेड़ की थीम ट्रेडीशनल ड्रेस रखी गई थी। कॉलेज वाइस प्रिंसिपल जीशु बाइजु ने बताया कि प्रियांशी और मनीषा मिस फ्रेशर चुनी गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर संपन्न

जयपुर @ जागरूक जनता। राजकीय आदर्श बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गणगौरी बाजार जयपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं का एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षता डॉ जयश्री भार्गव प्रधानाचार्य द्वारा की गई। छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने जीवन में अनुशासन एवं स्वच्छता पर विशेष जोर दिया। शिविर में उसके उद्देश्य, कार्यों स्वास्थ्य ,युवा शक्ति आदि विषयों पर वार्ता रखी गई। छात्राओं द्वारा गोद ली गई बस्ती सरस्वती कुंड में जाकर बस्ती के लोगों में डेंगू एवं कोरोना से बचाव के बारे में घर घर जाकर समझाया। इस अवसर पर रवि शंकर शर्मा, अग्रवाल रुचि व्याख्याता एवं कोमल शर्मा आदि उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन शशि यादव कार्यक्रम प्रभारी द्वारा किया गया । कार्यक्रम के अंत में सभी को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया।

राजधानी में आज घरों में नहीं आएगा पानी

जयपुर @ जागरूक जनता। बीसलपुर पेयजल परियोजना के तहत रामनिवास बाग और अमानीशाह पंपिंग स्टेशन पर बुधवार को संधारण का काम होने से शहर में पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। जलदाय विभाग ने इस दिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक शट डाउन लिया है। ऐसे में चारदीवारी सहित शहर में इस दिन पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। जलदाय विभाग के परियोजना वृत शहर के अधीक्षण अभियंता शुभांशु दीक्षित ने बताया कि एक दिसम्बर को रामनिवास बाग व अमानिशाह पंपिंग स्टेशन पर संधारण का काम होगा। ऐसे में सेंट्रल फीडर से जुडा हुए क्षेत्र चारदीवारी में चौकड़ी मोदीखाना, रामचन्द्र चौकड़ी, घाटगेट, आमेर, खोर, ईदगाह, बासबदनपुरा, ब्रह्मपुरी, वन विहार व दिल्ली बाईपास क्षेकत्र की कॉलोनियों में पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी, वहीं बाहरी भाग में विश्वकर्मा रोड नम्बर 9 से 14 तक, जीवन द्वीप कॉलोनी, निवारू रोड, मुरलीपुरा, विद्याधर नगर सेक्टर एक से 9, अम्बाबाड़ी, सीकर रोड, रामनगर लंकापुरी, शास्त्री नगर, नाहरी का नाका, भट्टाबस्ती ब्लॉक सी व डी, शिवाजी नगर, व्यास कॉलोनी, सुभाष नगर, बनीपार्क, गोपाल बाड़ी में पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दिन शाम को पेयजल आपूर्ति नहीं होगी। उन्होंने बताया कि इस दिन आवश्यकतानुसार टेंकरों से पेयजल वितरित किया जाएगा। साथ ही विभाग ने इन क्षेत्रों में लोगों से समुचित मात्रा में पेयजल संग्रहण करने की अपील भी की है।

तीन दिवसीय 16वीं प्रोफेशनल वैल्यूअर्स कॉन्फ्रेंस 2021 का समापन

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रोफेशनल वैल्यूअर्स की तीन दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस 26 नवम्बर को जयपुर के रेडिसन जयपुर सिटी सेंटर मे शुरु हुई ओर 28 नवम्बर को समापन हुआ। आईआईवी इंडिया रजिस्टर्ड वैल्यूअर्स तथा इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ वैल्यूअर की ओर से आयोजित इस कॉन्फ्रेंस मे देश भर से 200 से ज्यादा वैल्यूअर्स शामिल हुये। जिसमे बालकृष्ण शर्मा, पवन मोहन साधवानी, महेन्द्र जी एवं नरेन्द्र सिंह जी के अलावा अन्य कई वैल्यूअर्स उपस्थित रहे। कॉन्फ्रेंस के आयोजक डॉ.अमीन शेख ने कहा कि इन्कम टैक्स, ईडी ओर सीबीआई की सक्रियता बढ़ने से प्रोफेशनल वैल्यूअर्स की जिम्मेदारी बढ़ गई है. ऐसे मे वैल्यूअर्स को नये प्रावधानों की जानकारी जरुरी है, इसलिये कॉन्फ्रेंस की गई। उन्होंने कहा कि प्रोफेशनल वैल्यूअर्स के पेशे मे काफी संभावनाएं हैं। देश भर मे केवल 30 हजार प्रोफेशनल वैल्यूअर्स हैं, जबकि जरुरत 2 लाख से ज्यादा की है. वैल्यूअर की कमी दूर करने के लिये जल्द ही शॉर्ट ओर लॉन्ग टर्म कोर्स शुरु किये जायेंगे। कॉन्फ्रेंस मे बी.कनगा की ओर से वैल्यूएशन अंडर ईडी ओर सीबीआई पर प्रकाश डाला गया. गिरीश संघाई ओर सुन्दर पांडियान ने प्रोफेशनल केयर ओर कोड ऑफ़ कंडक्ट की जानकारी दी। आर्यन सिंह ने नई तकनीक के बारे मे बताया।

नए प्रावधानों में खेल स्काउट व एनसीसी के अभ्यर्थियों को एक जैसा लाभ देने की तैयारी

स्काउट गाइड को सरकारी लाभ की तैयारी!

कॉलेज में दाखिले से लेकर नौकरियों का मिलेगा लाभ

खेल व एनसीसी के अभ्यर्थियों को नौकरी से लेकर पढ़ाई में प्राथमिकता, स्काउट को नहीं, सीएम भी दे चुके संकेत, अब खेल व युवा विभाग ने शुरू की तैयारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के 11 लाख से अधिक स्काउट व गाइडों के लिए अच्छी खबर है। यदि युवा व खेल विभाग की ओर से अपने वादों को पूरा किया जाता है तो प्रदेश में स्काउट गाइडों को सरकारी कॉलेजों में दाखिले से लेकर सरकारी नौकरियों में भी आरक्षण मिलेगा। पिछले दिनों मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस संबंध में संकेत भी दिए थे। इसके लिए पिछले दिनों सरकार स्तर पर लंबी चर्चाओं के बाद कवायद भी शुरू हो गई है। अब सरकार ने खेल व युवा विभाग के साथ कार्मिक विभाग को इस तरह की गाइडलाइन बनाने के निर्देश दिए है। इसमें खिलाड़ी, एनसीसी, एनएसएस व स्काउट गाइडों को सीधे तौर पर फायदा मिल सके। प्रदेश में खिलाडियों को विभिन्न सरकारी नौकरियों में कोटा तय करने के बाद से स्काउट गाइड व एनएसएस स्वंयसेवकों की ओर से मांग उठाई जा रही थी। इस महीने सीएमआर में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने इसके संकेत दिए थे। अन्य राज्यों में स्काउट को मिलने वाले लाभ को लेकर भी अध्ययन भी कराया जा रहा है।

गाइडलाइन में इन बिन्दुओं पर मंथन

खिलाड़ियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में पदक जीतने पर सीधी नौकरी से लेकर आरक्षण का प्रदेश में प्रावधान तय है। ऐसे में इनको यह आरक्षण मिलता रहेगा। वहीं एनसीसी व स्काउट सहित अन्य के लिए कुछ चुनिंदा भर्तियों में लाभ देने के लिए अतिरिक्त कोटा तय किए जाने की योजना है।

जनवरी में सौगात देने की तैयारी

जनवरी में मनाए जाने वाले युवा सप्ताह तक खेल व युवा विभाग को पॉलसी बनाने का लक्ष्य दिया गया है। सूत्रों की माने तो इसको लेकर मुख्य सचिव स्तर पर एक बैठक हो चुकी है। स्काउट व एनएसएस से लंबे अर्से से जुड़े विशेषज्ञों से भी सुझाव पिछले दिनों लिए जा चुके हैं। ऐसे में दिसम्बर तक तक ड्रॉफ्ट मुख्यमंत्री स्तर पर भेजा जाएगा।

विशेष श्रेणी में होंगे प्रावधान

सरकारी नौकरियों में आवेदन के समय अब युवाओं को विशेष श्रेणी का कॉलम दिया जाएगा। इसमें फिर खिलाड़ी, स्काउट, एनसीसी व एनएसएस का अलग से निर्धारण होगा। सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया कि इनके पदों के निर्धारण में खिलाडियों के पदों में कोई कटौती नहीं होगी। यदि यह लागू होता है तो इस तरह का नवाचार करने वाला राजस्थान पहला राज्य होगा।

स्काउट गाइड को भी मिले प्राथमिकता

स्काउट से राजस्थान के युवाओं का काफी जुड़ाव है। सरकारी नौकरियों में भी स्काउट गाइड सदस्यों को कैसे लाभ मिले इस दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले दिनों सरकार स्तर पर भी बार्ता हुई है। मुख्यमंत्री का इस मामले में काफी सकारात्मक रूख है। ऐसे में इस मुद्दे पर जल्द समाधान होने की आस है।

- रविन्द्रन भनोत, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड

करेंगे मजबूत पैरवी

स्काउटिंग समाज सेवा का अच्छा माध्यम है। युवाओं को स्काउटिंग से जोडने के लिए कई नवाचार किए जा रहे हैं। खेल कोटे की तर्ज पर स्काउट प्रमाण पत्रों को प्राथमिकता दिलाने के लिए सरकार स्तर पर मजबूत पैरवी की जाएगी। निश्चित ही युवाओं का जुड़ाव और मजबूत होगा।

- गोविन्द सिंह डोटासरा, अध्यक्ष, राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड

एकरूपता के साथ बने नीति

पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने खिलाड़ी, एनसीसी-एनएसएस व स्काउट को विभिन्न लाभ देने के लिए नई नीति बनाने की बात कही थी। युवा मंत्रालय को एकरुपता के साथ नीति बनानी चाहिए जिसमें सभी को राहत मिल सके।

- टीके सिंह, अध्यक्ष, राजस्थान सेपकटकरा संघ

स्काउट के साथ खेलों को बढ़ावा मिलेगा

सरकार की ओर से खेल कोटे में लगातार भर्ती की जा रही है। सरकार यदि स्काउट गाइडों को भी किसी तरह का लाभ देती है तो निश्चित तौर पर खेलों को बढ़ावा ही मिलेगा। सरकार को एक ऐसा पोटर्ल बनाना चाहिए जिससे खिलाड़ियों के दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया और भी आसान बन सके।

- ओमप्रकाश महला, महासचिव, राजस्थान बेसबॉल संघ

स्काउटिंग से जुड़े स्वंयसेवकों का दर्द

खेल की तरह स्काउट गाइड के भी राष्ट्रीय स्तर पर आयोजन होते हैं। इनके पदक विजेताओं को फिलहाल कोई आरक्षण नहीं मिल रहा है। गाइड सदस्यों का कहना है कि जहां युवाओं को फायदा ज्यादा मिलेगा वहां जुड़ाव बढ़ेगा। इसलिए खेलों की तर्ज पर आरक्षण की मांग उठी है। इनका कहना है कि फिलहाल रेलवे की नौकरियों को छोड़कर किसी नौकरी में प्राथमिकता नहीं मिल रही है। स्काउट गाइड को सरकारी कॉलेजों में प्रवेश के लिए भी कुछ सीटें तय है। जबकि खिलाड़ियों का अलग से सभी जगह कोटा है।

पहले सर्किल फ्री, अब सिग्नल फ्री का टास्क, जाम वाले रामबाग-ओटीएस -जेडीए चौराहे फिर छूटे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर के ट्रैफिक को आसान करने के लिए सरकारें एक 'लॉन्ग टर्म प्लान' के बजाए 'अपना ही राग अलाप रही हैं। बीजेपी सरकार में सर्किल हटाए गए तो अब कांग्रेस सरकार 'सिग्नल फ्री' का प्रयोग कर रही है। इसके लिए 700 करोड़ की बजट घोषणा में जिन 7 सर्किल-चौराहों को चुना गया है, उनमें भी ट्रैफिक की परेशानी के लिहाज से काम की प्राथमिकता चुनने के बजाए जेडीए खुद की सहूलियत देख रहा है।

जवाहर सर्किल पर जहां हर सरकार के कार्यकाल में कुछ न कुछ काम होते रहते हैं, वहां फिर ट्रैफिक की मुसीबतों कम होने के बावजूद पहले टेंडर लगा दिए गए हैं। जबकि हर सरकार में ट्रैफिक मुसीबतों के बावजूद टलते आ रहे रामबाग-ओटीएस-जेडीए सर्किल को फिर हाशिये पर रखा गया है। आसान टास्क के पीछे जमीन अवाप्ति की मुसीबतें हैं। बाकी सभी सर्किल-चौराहे पर निजी और सरकारी उपक्रमों से जमीन अवाप्त करनी होगी। इससे जिम्मेदार बचना चाह रहे हैं और उन तीन सर्किल-चौराहों को चुना, जहां तत्काल बुकिंग में किसी तरह की परेशानी नहीं। और कहनेभर को काम शुरू करने की थपथपी भी।

2 करोड़ का ट्रैफिक सर्वे धराशायी

» 2016-2017 में बजट घोषणा के साथ जेडीए ने ट्रैफिक सर्वे कराया, आगामी प्लान किए जा सकें। इस पर 2 करोड़ रुपए खर्च किए गए।

» 2038 तक के प्लान में सभी मेजर 100 पाइंट (तिराहे, चौराहे, सर्किल) शामिल किए गए। सर्वे में भी जवाहर सर्किल और बीटू बाईपास पर ट्रैफिक की परेशानी दूसरे चौराहों से कम है।

आसान टास्क इसलिए, क्योंकि हमारी ट्रैफिक समस्या पर भारी सरकारी उलझनें

रामबाग चौराहा : 2001-02 में गोपालपुरा बाईपास पर फ्लाईओवर और सांगानेर फ्लाईओवर बना तब यहां फ्लाईओवर की प्लानिंग बनी थी। शिलान्यास के लिए पैडस्ट्रियन के पत्थर भी लग गए। पर सहमति नहीं बनी। 2008 में फिजिबलिटि कराई तब भी फ्लाईओवर की बात थी लेकिन मैट्रो की प्लानिंग के चलते फाइनल नहीं हो पाई।

ओटीएस : यहां भी 2008 में फ्लाईओवर के बारे में प्लान तैयार किया गया। लेकिन मामला सीएमओ तक पहुंचा तो कहा गया कि आखिर क्यों इस इकलौती बची सड़क की स्काई लाइन खराब की जाए? विकल्प के तौर पर कई बार विद्याश्रम स्कूल साइड ब्रिज को चौड़ा करने की बात हुई, लेकिन जमीन के कुछ पार्ट पर स्टे के कारण पीछे हटे और अब रोजाना जाम की मुसीबत। फिलहाल जल्द राहत के आसार नहीं दिख रहे।

अब हश्रः एक साथ काम शुरू नहीं कराए जा सकते हैं

जवाहर सर्किल पर जाम नहीं लगता। ओटीएस, जेडीए पर पीक आवर्स में 3-4 बार ग्रीन सिग्नल का इंतजार करना पड़ता है। टोंक रोड-जेएलएन के 3 चौराहों पर टेंडर हो गए हैं अब जाम वाले आसपास के चौराहों पर एक साथ काम नहीं होगा। एक बार फिर सरकार के साथ प्राथमिकताएं बदलेंगी।

तीन जगह काम शुरू करा रहे हैं। ओटीएस पर भी जल्द प्लानिंग फाइनल होगी। कुछ जगह जमीन अवाप्त करनी है, जिस पर भी काम करेंगे।

-गौरव गोयल, कमिश्नर, जेडीए

रंग-रंगीलो राजस्थान की दिखेगी झलक, एयरपोर्ट से JECC तक बरसेंगे 'कमल के फूल'

गुलाबीनगरी में 40 हजार लोग करेंगे अमित शाह का स्वागत

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह 5 दिसम्बर को जयपुर में करेंगे रोड शो

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति और जनप्रतिनिधि सम्मेलन को सम्बोधित करने 5 दिसम्बर को जयपुर आ रहे केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह का जयपुर में भव्य स्वागत होगा। जिसमें राजस्थान के अलग-अलग अंचल की संस्कृतियों की छटा बिखरेगी। शाह के जयपुर दौरे को यादगार बनाने के राजस्थान प्रदेश बीजेपी ने बड़े लेवल पर तैयारियां की हैं। एयरपोर्ट से सीतापुरा में JECC कन्वेंशन सेंटर तक शाह के रोड शो का स्वागत करीब 40 हजार लोग करेंगे। कालबेलिया, कच्ची घोड़ी, पुष्कर के नगाड़े, मांगणियार, मांड गायकी, अलगोजा और ढोल-मंझीरे से शाह का जयपुर की सड़कों पर स्वागत होगा। राजस्थान के अलग-अलग इलाकों की ट्रैडिशनल स्टाइल के रंग-बिरंगे साफे पहने लोग रंगीलो राजस्थान की थीम पर उनका स्वागत करेंगे। महिला मोर्चा की 5 हजार कार्यकर्ता लाल चूंदड़ी में शाह पर कमल, गुलाब और गेंदा पुष्प वर्षा करेंगी। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां प्रोग्राम को भव्य, यादगार बनाने के लिए पिछले कई दिन से लगातार मैराथन बैठकें कर रहे हैं।

भव्य स्वागत का बनाया रोड मैप

अमित शाह के 5 दिसम्बर को जयपुर में रोड शो और कार्यक्रम की तैयारियों के लिए स्वागत अभियान का प्रभारी श्रवण सिंह बगड़ी को नियुक्त किया गया है। जिन्होंने बताया 5 दिसम्बर को सुबह 10.30 बजे एयरपोर्ट कैम्पस में बीजेपी जयपुर देहात नॉर्थ के 5 हजार कार्यकर्ता अमित शाह का स्वागत करेंगे। एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही 51 पंडित शंख बजाकर और स्वास्तिक मंत्र पढ़कर शाह को तिलक लगाएंगे और स्वागत करेंगे। एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही 300 मोटरसाइकिल सवार युवा मोर्चा कार्यकर्ता उनके आगे अगवानी करते हुए चलेंगे। सभी युवा कार्यकर्ता रॉयल एनफील्ड और हार्ले डेविडसन जैसी बाइक पर साफे में सवार होकर उनके आगे एस्कॉर्ट करेंगे।

40 हजार कार्यकर्ता करेंगे स्वागत, केसरिया कपड़े की बॉर्डर लाइन

सांगानेर एयरपोर्ट से JECC कन्वेंशन सेंटर तक केसरिया कपड़े से पूरे रास्ते में बॉर्डर लाइन बनाई जाएगी। सड़क किनारे हर 100 मीटर पर 45 डिग्री में झुका हुआ बड़ा होर्डिंग केन्द्रीय योजनाओं और उपलब्धियों का मैसेज देते हुए लगाया जाएगा। बीजेपी के बड़े-बड़े झण्डे पूरे रास्ते में लगाए जाएंगे। बीजेपी के अलग अलग मोर्चों से जुड़े कार्यकर्ता, सीए, वकील, जयपुर के सभी मंडलों के कार्यकर्ता, जयपुर शहर और ग्रामीण के सभी विधानसभा क्षेत्रों से करीब 40 हजार कार्यकर्ता पूरे रास्ते में मानव श्रृंखला बनाकर फूल बरसाते हुए अमित शाह का स्वागत करेंगे।

राजस्थानी संस्कृति की छटां : रीको सर्किल पर राजस्थानी संस्कृति से अमित शाह का स्वागत किया जाएगा। जहां राजस्थान के सभी अंचलों से लोक कलाकार और स्थानीय लोग स्वागत

ANCHOR | 2 बरस बाद राहत

जयपुर-भोपाल की 7 ट्रेनों में बिना रिजर्वेशन यात्रा, अन्य सुविधा भी जल्द

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे धीरे धीरे अपनी ट्रेनों को पुराने चोला पहना रहा है। यानि अब एक तरफ जहां शुक्रवार देर रात 12 बजे से जयपुर, गांधीनगर, दुर्गापुरा, जगतपुरा सहित मंडल के सभी स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट 10 रुपए के मिलना शुरू हो गए है। वहीं ट्रेनों के जनरल कोच को भी पुरानी तरह ही अनारक्षित बनाया जा रहा है। फिलहाल ये सुविधा छोटे रूट की ही ट्रेनों में दी जाएगी। क्योंकि इन रूट पर डेली अपडाउनर्स (दैनिक यात्री) और छोटी दूरी का सफर तय करने वाले यात्रियों की संख्या भी अधिक है। अब इन ट्रेनों में सामान्य (जनरल) टिकट के साथ मंथली सीजन टिकट (एमएसटी) भी जारी की जाएंगी। रेलवे बोर्ड के निर्देश के बाद डीआरएम नरेंद्र ने ऐसी ट्रेनों की सूची मुख्यालय को भेजने के लिए सीनियर डीसीएम मुकेश सैनी को निर्देश जारी कर दिए। जिसके बाद ऐसी ट्रेनों की सूची मुख्यालय को भेजने की तैयारी कर ली गई है। जयपुर मंडल से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जयपुर मंडल ने रेलवे मुख्यालय को जयपुर से जुड़ी 7 ट्रेनों में जनरल कोच को अनरिजर्व बनाने का प्रस्ताव भेजा है। जिसमें जयपुर-भोपाल, जयपुर-इंदौर, जयपुर-जोधपुर, जयपुर-उदयपुर, जयपुर-लखनऊ, जयपुर-चण्डीगढ़ और जयपुर-बांद्रा ट्रेनों में जनरल कोच में बिना रिजर्वेशन के जनरल टिकट से यात्रा की जा सकती है। इसी तरह जोधपुर, अजमेर और बीकानेर मंडल ने भी अपने यहां की करीब 10 ट्रेनों की सूची मुख्यालय को भेज दी है। हालांकि फिलहाल जोनल रेलवे अपने क्षेत्राधिकार की ट्रेनों में इस सुविधा को शुरू करने को प्राथमिकता दे रहा है। यानि उत्तर मध्य रेलवे (आगरा), पश्चिम मध्य रेलवे (कोटा/भोपाल) और उत्तर रेलवे (दिल्ली) अपने क्षेत्राधिकार से जयपुर आने वाली ट्रेनों में भी इसे लागू करेगा। ऐसे में इन स्टेशनों से जयपुर आने वाली अन्य ट्रेनों में भी इसे लागू किया जाएगा।

जल्दी ही शुरू की जाएंगी रियायतें...

अभी रेलवे कैंसर, डीफ एंड डंब, मैंटल रिटायर्ड, ब्लाइंड और विकलांग यात्रियों को ही टिकट में छूट दे रहा है। जबकि कोरोना से पहले अकेले जयपुर, गांधीनगर, दुर्गापुरा, जगतपुरा, सांगानेर, ढेहर का बालाजी स्टेशनों पर रोजाना करीब 350 सीनियर सिटीजन रियायती टिकर लेने आते थे। लेकिन फिलहाल सभी को पूरा किराया देकर रिजर्वेशन टिकट लेना पड़ता है। ऐसे में जल्दी ही सीनियर सिटीजन, प्रेस कंसेशन जैसी करीब 50 रियायतें फिर से शुरू की जाएंगी। जबकि अभी कुल 303 रियायतों में से 115 तरह की रियायत दी जा रही हैं। गौरतलब है कि रेलवे द्वारा सीनियर सिटीजन यात्रियों को टिकट पर 50 फीसदी की छूट दी जाती है। तो वहीं मीडिया कर्मियों के रेलवे द्वारा कंसेशन कार्ड तो बनाए जा रहे लेकिन टिकट पर किसी भी तरह की छूट नहीं दी जा रही है।

गहलोत ने माना- पेपर लीक से क्रेडिबिलिटी प्रभावित

बोले-प्रदेश में हर प्रतियोगी परीक्षा पर सवालिया निशान, चाहे वह सही ही क्यों न हो

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने माना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक होने से सरकार और राजस्थान लोक सेवा आयोग की विश्वसनीयता पर असर पड़ा है। सीएम अशोक गहलोत ने आरपीएससी के नए भवन के ब्लॉक के वर्चुअल लोकार्पण समारोह में कहा- पेपर लीक होना बड़ी चुनौती बन गया है। कल यूपी में भी पेपर लीक हो गया। राजस्थान में हर परीक्षा पर सवालिया निशान लगने लगा है, चाहे वह सही ही क्यों न हो। परीक्षा में कोई कमी रह गई है तो एक अवसर मिल जाता है। मीडिया ट्रायल शुरू हो जाता है। हमें परीक्षा प्रणाली में परफेक्शन लाना होगा। परफेक्शन ऐसा हो कि किसी को सवाल उठाने की नौबत न आए। परीक्षा पर डाउट होना ही बहुत बड़ी बात है। बच्चों की जिंदगी का सवाल होता है। उन्हें लगता है कि उनके साथ अन्याय हो रहा है और पेपर लीक होने से मेरा अब क्या होगा।

गहलोत ने कहा- प्रतियोगी परीक्षा देने वाले बच्चों को भी लगता है कि उसका क्या होगा? ये सवाल उठते हैं इन पर सोचना होगा। परीक्षाओं का काम बहुत गोपनीय तरीके से करना होगा। आरपीएससी अध्यक्ष और मेंबर जितनी ज्यादा बारीकी से ध्यान रखेंगे उतने ही सही रिजल्ट आएंगे और उससे उतना ही जनता का विश्वास भी कायम होगा। आरपीएससी और सरकार की क्रेडिबिलिटी का सवाल है। लोगों में धारणा है कि सलेक्शन में यह हालत क्यों पैदा हो रही है? लोगों में धारणा है कि जहां सलेक्शन होते हैं वहां यह स्थति क्यों पैदा हो रही है? इस स्थिति को बदलने के लिए काम करना होगा।

गहलोत ने कहा- यूपीएससी की तर्ज पर आरपीएससी में भी नियमित रूप से भर्तियों का कैलेंडर तैयार हो। पहले इसके प्रयास हुए थे। कार्मिक विभाग को भी चाहिए कि वह समय पर नई भर्तियां निकालने की रिक्वेस्ट आरपीएससी को भेज दे। समय पर भर्ती की सूचना दें। परीक्षाओं में इंटरव्यू के बारे में भी सोचें कि किस हद तक इन्हें रखा जाए? जितना ज्यादा भर्तियों में इंटरएक्शन कम होगा उतना ही ज्यादा ठीक रहेगा।

हमने तीन साल में 97 हजार पदों पर नौकरियां दी-गहलोत

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि बीते तीन साल से भी कम समय में करीब 97 हजार पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं। इसके लिए जहां आवश्यक हुआ नियमों में संशोधन और उनका सरलीकरण किया गया। न्यायिक अड़चनों को दूर किया गया। हमारा पुरजोर प्रयास है कि भर्तियां समय पर पूर्ण हों, विधिक या अन्य किसी प्रकार की बाधाओं के कारण वे अटकें नहीं और सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति के लिए इंतजार नहीं करना पड़े।

गहलोत मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कांन्फ्रेंस के जरिए राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के नवीन भवन के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री गहलोत ने इस अवसर पर आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के लिए तैयार किए गए संशोधित मैनुअल के पहले एवं दूसरे खंड का विमोचन किया। उन्होंने अभ्यर्थियों की समस्याओं के प्रभावी निराकरण के लिए आरपीएससी वेबपोर्टल के मॉड्यूल को भी लॉन्च किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में भर्ती एजेंसियों के लिए परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है।

ओमिक्रॉन को डब्ल्यूएचओ ने वेरिएंट ऑफ कन्सर्न माना

टीकाकरण की गति बढ़ाएं-गहलोत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोरोना के पिछले 15 दिन से अचानक बढ़ने और विदेशों में आए नए वैरिएंट ओमिक्रॉन पर गहरी चिंता जाहिर की। उन्होंने अधिकारियों को साफ कहा कि वैक्सीनेशन की गति बढ़ाओ। सबको कम से कम दोनों डोज तो लग जाएं।

अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में 3 नवम्बर से 30 नवम्बर, 2021 तक चलने वाले 'हर घर दस्तक' अभियान के तहत 26 नवम्बर तक 21 लाख 6 हजार से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन किया गया है। गहलोत ने कहा कि विश्व के कई देशों में कोरोना संक्रमण फिर से खतरनाक स्थिति में है। रूस में अस्पतालों में बैड नहीं मिल रहे हैं और जर्मनी में हाल ही में काफी लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना सहित कुछ देशों में फैले कोविड के नए वैरिएंट 'ओमिक्रॉन' का जिक्र करते हुए कहा कि यह वैरिएंट काफी तेजी से फैल रहा है एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे वैरिएंट ऑफ कंसर्न माना है। इसे देखते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट पर रहते हुए आवश्यक तैयारियां रखे। उन्होंने वैक्सीनेशन की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। गहलोत ने कहा कि कोरोना के दौरान विधवा हुई महिलाओं, अनाथ बच्चों एवं जान गंवाने वाले सरकारी कर्मचारियों, संविदाकर्मियों के साथ ही पत्रकारों के लिए राज्य सरकार ने पैकेज घोषित किया था।

परसादी की तारीफ, पूछा- कौन लेता है डेंगू के आंकड़े

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा की तारीफ की और बोले कि पद मिलते ही मीणा ने गंभीरता से काम करना शुरू कर दिया है। सीएम ने डेंगू पर विशेष चिंता जाहिर करते हुए पूछा कि इसके आंकड़े कौन एकत्रित करता है। परसादी लाल मीणा ने पीएचसी व सीएचसी पर मरीजों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

डेल्टा से अधिक सक्रिय ओमिक्रॉन-विशेषज्ञ

देश-प्रदेश के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सीएम के सामने नए वैरिएंट 'ओमिक्रॉन' को काफी खतरनाक एवं घातक बताया और कहा कि इसका म्यूटेशन डेल्टा से अधिक है और यह जल्दी ट्रांसमिट हो रहा है। संक्रमण फैला तो खतरा काफी बढ़ जाएगा।

जागरूक खबरें

रबी सीजन में किसानों को दें पर्याप्त बिजली-गहलोत

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि रबी सीजन में फसलों की बुवाई को देखते हुए किसानों को बिजली की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बिजली कम्पनियां कर्ज का बोझ कम करने एवं ट्रांसमिशन-डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए दीर्घकालीन कार्य योजना बनाएं। गहलोत मुख्यमंत्री निवास पर ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर किसानों को बूंद-बूंद सिंचाई एवं फव्वारा सिंचाई पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने इस संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। बैठक में ऊर्जा राज्य मंत्री भंवर सिंह भाटी ने कहा कि 'मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना' का किसानों को काफी लाभ मिल रहा है। सब्सिडी मिलने के कारण कई किसानों के बिजली के बिल शून्य हो गए हैं।

छाबड़ा ने वित्त सचिव (आबकारी) से की मुलाकात

जयपुर @ जागरूक जनता। शराबबंदी आंदोलन व सशक्त लोकायुक्त आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा पूनम अंकुर छाबड़ा ने वित्त सचिव (आबकारी) टी. रविकांत से मुलाकात कर प्रदेश की आबकारी समस्याओं से अवगत करवाया। छाबड़ा ने उनसे मांग की कि हुतात्मा गुरूशरण जी छाबड़ा साहब पूर्व विधायक व पूनम अंकुर छाबड़ा के साथ हुए समझौतों को तुरंत लागू किया जाये। वित्त सचिव (आबकारी) टी. रविकांत ने समझौते को शीघ्र लागू करने का आश्वाशन दिलाया।

सूखा प्रभावित क्षेत्र के किसानों का राहत का इंतजार

केन्द्र जारी करें 2668 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अतिवृष्टि, बेमौसमी बारिश और सूखे ने इस साल प्रदेश का कृषि परिदृश्य बदलकर रख दिया है। इन मौसमी कारकों के चलते फसल उत्पादन में किसानों को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। वहीं, राज्य सरकार के लिए भी नुकसान की भरपाई चुनौति बना हुआ है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सूखा प्रभावित क्षेत्र को लेकर केंद्र सरकार से 2668 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता मांगी है। ताकि, प्रभावित किसानों को राहत दी जा सके। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केन्द्र सरकार को पत्र में कहा है कि खरीफ-2021 के दौरान प्रदेश में सूखे से फसल खराबे का ग्राउंड सर्वे किया गया है। इस रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश के 10 जिलों अजमेर, बाड़मेर, बीकानेर, हनुमानगढ़, जालौर, जैसलमेर, पाली, सिरोही, चूरू और जोधपुर की 64 तहसीलों को गंभीर श्रेणी की सूखाग्रस्त घोषित किया गया है।

64 तहसीलों में सूखा

राज्य सरकार ने बताया कि गंभीर श्रेणी के सूखे से प्रभावित इन 64 तहसीलों में 33 प्रतिशत अथवा इससे अधिक फसलों का खराबा होने के कारण किसान परेशान हैं। प्रभावित किसानों को कृषि आदान-अनुदान वितरित करने और राहत गतिविधियों के संचालन के लिए राज्य सरकार का आपदा प्रबंधन विभाग भारत सरकार से अतिरिक्त मदद चाहता है। गहलोत के इस निर्णय से सूखा प्रभावित क्षेत्रों में कृषि आदान और अनुदान वितरण तथा राहत गतिविधियों का संचालन शीघ्र हो सकेगा।

अतिवृष्टि और सूखा दोनों

बताया गया है कि करीब सात सौ गांवों में खरीफ की फसल में सूखे से 33 प्रतिशत अथवा इससे ज्यादा नुकसान (खराबे) का आंकलन किया गया है। इस साल औसत से कम बारिश दर्ज की गई है। प्रदेश में एक जून से 31 अगस्त तक सामान्य से 12.30 फीसदी कम बारिश हुई है। गौरतलब है कि इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि की वजह से खरीफ फसलों को हुए नुकसान से प्रभावित 7 जिलों के 3704 गांवों को अभावग्रस्त घोषित करने की स्वीकृति दी थी। उन्होने बताया कि नुकसान प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए 757 करोड़ की सहायता राशि की मांग की गई है। इससे 12.11 लाख किसान प्रभावित हुए थे। इसमें फसलों को हुए नुकसान के लिए सबसे ज्यादा 443 करोड़ की सहायता की मांग की थी। जबकि सड़कों, भवनों सहित अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए 197 करोड़ रुपये मांगे गए है।

प्रथम पुण्यतिथि

स्वर्गीय सुरेश चंद्र अग्रवाल

(मोरीजा वाले, चोमू)
स्वर्गवास। 1 दिसंबर 2020
आपका कठिन परिश्रम, संगठित सेवा भावना, ईश्वर भक्ति और प्रेरणादायक चरित्र सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा
-: श्रद्धावनत :-
सत्यनारायण, गजानंद, कमलेश, विमल, संतोष (भाई) अशोक, सुशील, सरवण सुभाष, पवन, सनी, आशीष, शानू रितिक (पुत्र) एवं समस्त परिवार मोरीजा वाले चोमू
फर्मः- श्री लक्ष्मी ऑयल मिल अनाज मंडी चोमू।

गंदगी की फोटो भेजिए, 24 घंटे में कचरा नहीं उठा तो 100 रुपये जुर्माना

वेस्टबिन मॉनिटर एप

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए निगम ने बीवीजी पर और सख्ती की है। रविवार को प्रति शिकायत 50 रुपए का जुर्माना का प्रावधान किया था। इधर, सोमवार को निगम ने एप लॉन्च कर दिया। एप पर लोगों को गंदगी की फोटो डालनी होगी। 24 घंटे में बीवीजी ने कचरा उठा कर फोटो एप पर नहीं डाली तो हर दिन 100 रुपए जुर्माना निगम करेगा।

निगम ने यह एप 'वेस्टबिन मॉनिटर' नाम से डवलप किया है। फिलहाल निगम स्तर पर ट्रायल किया जा रहा है। हालांकि आम नागरिक इस एप को प्ले स्टोर से डाउनलोड कर गंदगी की शिकायत करने के लिए फोटो शेयर कर सकते हैं। वहीं कचरा उठा लिया गया तो बीवीजी को उस जगह की साफ फोटो भेजनी होगी। ग्रेटर निगम के स्वास्थ्य उपायुक्त मुकेश कुमार ने बताया कि इस एप के बारे में जोन वाइज सीएसआई, एसआई को प्रशिक्षित कर दिया गया है।

कचरा उठते ही शिकायतकर्ता को मैसेज मिलेगा

गूगल प्ले स्टोर से वेस्टबिन मॉनिटर एप डाउनलोड करें। वेस्ट इमेज ऑप्शन पर क्लिक करें और कचरे की फोटो डाल दें। 3 तरह के कचरे की फोटो भेज सकते हैं, स्टोरेज पाइंट, डिपो व लिटरबिन की। कचरा उठते ही मैसेज मिल जाएगा। नगर निगम की ओर से इस एप का ज्यादा-ज्यादा से प्रचार-प्रसार किया गया तो लोग जागरूक होंगे। समय पर कचरा उठने लग जाएगा। अगर कंपनी समय पर कचरा नहीं उठाई तो पेनल्टी लगेगी, जिससे निगम को राजस्व बचेगा।

हड़ताल तो टूटी, पर सड़कों से 40 % कचरा ही उठा

बीवीजी ने हड़ताल तो खत्म कर दी और वार्डों में हूपर चले फिर भी सोमवार को सड़कों से 40 फीसदी ही कचरे के ढेर उठे। इसकी वजह है कि दो दिन डोर-टु-डोर कचरा संग्रहण नहीं होने के कारण सड़कों पर जगह जगह कचरे के ढेर लग गए। ऐसे में सभी जगह से कचरा नहीं उठ पाया। कंपनी का कहना है कि जल्द ही शहर से कचरा उठाया जाएगा।

ANCHOR
पीसीसी चीफ और सीएम गहलोत की घोषणा

महंगाई व बेरोजगारी के खिलाफ महारैली में प्रदेश से 40 से 50 हजार लोग करेंगे दिल्ली की ओर कूच

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। देश में महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों पर केन्द्र की नीतियों के खिलाफ कांग्रेस 12 दिसम्बर को दिल्ली में महारैली करेगी। राजस्थान से 40 से 50 हजार कार्यकर्ताओं को दिल्ली चलो का नारा दिया है। पीसीसी में सीएम अशोक गहलोत और पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा ने इसकी घोषणा की।

गहलोत ने 3 मांगें केन्द्र से की हैं, जिनमें पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने, राज्यों का एक्साइज ड्यूटी में हिस्सा बढ़ाने, जीएसटी के पैसों की रिफिलिंग जल्द करने, जीएसटी रिफिलिंग का पैसा राज्यों को 2022 की बजाय 2027 तक बढ़ाने, केन्द्र और राज्यों के जॉइंट प्रोजेक्ट्स में केन्द्र की फंडिंग बढ़ाकर पुराने पैटर्न पर करने की मांगें शामिल हैं। गहलोत ने कहा कि केन्द्र की जो स्कीमें बनती हैं, उसमें केन्द्र और राज्य के बीच फंडिंग के पैटर्न में भारत सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। कर्जे लेकर राज्य सरकारें देशभर में अपने खर्चे चला रही हैं, यह नहीं होना चाहिए।

पीएम-बीजेपी पर निशाना

गहलोत ने कहा कि मजबूरी में 3 कृषि कानून देश से माफी मांगते हुए केन्द्र को वापस लेने पड़े। कई राज्यों में हुए उपचुनाव में हार से बीजेपी घबराई हुई है। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के राज्य हिमाचल में ही 4 सीटें हार गई। राजस्थान में बीजेपी की हार हुई व कैंडिडेट तीसरे-चौथे नम्बर पर चले गए।

ईस्टर्न राजस्थान कैनाल पर

सीएम ने कहा कि विस चुनाव से पहले पीएम मोदी ने ईस्टर्न राजस्थान कैनाल को राष्ट्रीय परियोजना बनाने का वादा किया था। वसुंधरा के पिछले राज में ही यह योजना बनी थी। प्रदेश के 13 जिलों को इससे पानी मिलेगा। उन्होंने जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से कहा कि अगर इसे प्रदेश में लागू नहीं करा पा रहे हैं तो वे मंत्री पद छोड़ दें।

5 राज्यों में चुनाव, इसलिए पेट्रोलियम की बढ़ती रेट रोकीं

गहलोत ने कहा, पेट्रोल-डीजल की रेट बढ़ने से महंगाई बढ़ रही है। 5 राज्यों में चुनाव हैं, इसलिए केन्द्र ने फिलहाल पेट्रोलियम की रेट्स पर रोक लगाई है। जब चुनाव के दौरान केन्द्र सरकार रोक लगा सकती है, तो पेट्रोलियम कम्पनियों को अनुदान देकर परमानेंट कीमतों में बढ़ोतरी पर रोक क्यों नहीं लगा सकती। भारत सरकार ने एक्साइज ड्यूटी के केन्द्र और राज्य के बीच बंटवारे को कमजोर कर दिया। राज्य को बहुत कम पैसा केन्द्र से मिल रहा है।

राजेंद्र गुढ़ा की नाराजगी पर

हाल ही में मंत्री बनाए गए राजेंद्र गुढ़ा की नाराजगी पर सीएम ने कहा कि उनकी नाराजगी जायज हो सकती है। लेकिन सभी को संतुष्ट नहीं कर सकते है। हो सकता है उनकी अपेक्षाएं पूरी नहीं हुई होंगी, लेकिन जो भी उनकी नाराजगी है उसे साथ बैठकर दूर किया जाएगा।

सीएम की 3 मांगें

1. पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाएं, राज्यों का एक्साइज ड्यूटी में हिस्सा बढ़ाएं
2. जीएसटी के पैसों की रिफिलिंग जल्द कर 2022 की बजाय 2027 तक बढ़ाएं
3. केन्द्र व राज्यों के जॉइंट प्रोजेक्ट्स में केन्द्र की फंडिंग बढ़ाकर पुराने पैटर्न पर की जाए।

संस्कृति और परंपराओं की व्याख्या करता संविधान

कलराज मिश्र
राज्यपाल, राजस्थान
@jagrukjanta.net

संविधान विधान भर नहीं है। यह भारतीय संस्कृति है। भारतीय संस्कृति से जुड़ा जो दर्शन है, जो उदात्त जीवन परंपराएं हैं, संविधान उनको एक तरह से व्याख्यायित करता है। राष्ट्र भू-भाग भर नहीं होता। यह अपने आप में विचार है। देश को विचार संज्ञा में देखने का अर्थ ही है, ऐसा राष्ट्र, जिसमें स्त्री-पुरुष में, जाति और धर्म के आधार पर मनुष्य-मनुष्य में किसी तरह का कोई भेद नहीं है। जहां अनुभव और ज्ञान सहभागी हैं। भारत का अर्थ ही है- ज्ञान और दर्शन की वह महान परंपरा, जिसमें वैदिक ऋचाओं से लेकर आदि शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन तक का सार आ जाता है। सारे विश्व को वसुधैव कुटुंबकम् के सूत्र के साथ अपना परिवार मानने का संदेश हमारे राष्ट्र ने दिया है। हमारा संविधान इस उदात्त विचार का एक तरह से लिखित रूप है। संविधान का मूल, हमारी वह महान परंपरा है, जिसमें कहा गया है, लोकाः समस्ता सुखिनो भवंतु, यानी लोक कल्याण में ही सबका सुख निहित है। संविधान का मूल आधार यही परंपरा है।

संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति के अध्यक्ष के तौर पर डॉ भीमराव आंबेडकर की नियुक्ति हुई थी। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि संविधान के मूल प्रारूप में भारतीय संस्कृति का कलात्मक चित्रण है। पृथ्वी पर सबसे पुरानी सभ्यता के सांस्कृतिक मूल्यों के समग्र दृष्टिकोण को हमारा संविधान व्यंजित करता है। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ राजेंद्र प्रसाद के आग्रह पर शांति निकेतन के कलागुरु नंदलाल बोस ने संविधान में कलात्मक चित्र उकेरे। राजस्थान के कलाकार कृपाल सिंह शेखावत ने भी संविधान प्रारूप के कलात्मक स्वरूप में योगदान दिया। महर्षि अरविंद के आध्यात्मिक राष्ट्रवाद, वैदिक काल से 20वीं सदी तक की सनातन भारतीय परंपरा, भारतीय सभ्यता के आधारभूत ढांचे की समझ के साथ रामायण, महाभारत और भारतीय संस्कृति से महान परंपराओं का संविधान के प्रारूप में विशेष चित्रण किया गया है। निस्संदेह, भारतीय संविधान विश्व भर के लोकतंत्रों की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या है। देश के आदर्शों, उद्देश्यों व मूल्यों का यह संचित प्रतिबिंब है। मानव अधिकारों और कर्तव्यों का हमारा संविधान एक तरह से वैश्विक दस्तावेज है। इस संदर्भ में महात्मा गांधी की यह बात मुझे सदा याद आती है कि कर्तव्यों के हिमालय से ही अधिकारों की गंगा बहती है। संविधान हमें अधिकारों और कर्तव्यों के संतुलन की सीख देता है।

पूरी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रस्तावना किसी संविधान की मानी गई है, तो वह हमारे देश की है। संविधान उद्देशिका के 'हम भारत के लोग' शब्दों से लोकतंत्र का आदर्श स्वतः स्पष्ट होता है। 'हम भारत के लोग' महज एक वाक्य नहीं है, बल्कि यह हमारी महान भारतीय संस्कृति का एक तरह से जीवन दर्शन है। संविधान और शासन की मूलकार्य-प्रणाली को लोकतांत्रिक स्वरूप देते हुए हमने अपने देश को सच्चे अर्थों में गणतंत्र घोषित किया है। गणतंत्र का तात्पर्य उस शासन व्यवस्था से है, जिसका सांविधानिक मुखिया जनता द्वारा चुना जाता है। भारत में संसदीय शासन व्यवस्था है, इसीलिए राष्ट्रपति भारतीय गणतंत्र के सर्वोच्च नायक हैं और उनकी पद-स्थिति समस्त निर्वाचित सांसदों और विधायकों से प्राप्त विधिवत बहुमत से चुने हुए राष्ट्राध्यक्ष की होती है।

26 जनवरी, 1950 से शुरू हुई भारतीय गणतंत्र की यात्रा अनेक उतार-चढ़ाव से परिपूर्ण रही है। फिर भी, भारत ने संसार में सबसे मजबूत लोकतंत्र के रूप में प्रतिष्ठा अर्जित की है। इसका बड़ा कारण यही है कि हमारा संविधान लोक मानस से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। संविधान के माध्यम से हमने एक लोक-कल्याणकारी राज्य के सर्वोत्तम स्वरूप को साकार किया है। संविधान में इसीलिए व्यावहारिक मौलिक अधिकार, कर्तव्य और राज्य के नीति निर्देशक तत्व दिए गए हैं। भारतीय संस्कृति कर्म प्रधान संस्कृति है। समय के जो परिवर्तन होते हैं, उन सभी को स्वीकार करते हुए निरंतर इसमें आगे बढ़ने की प्रेरणा पर बल है। संविधान इसी की हमें निरंतर प्रेरणा देता है। भारतीय संविधान समता आधारित ऐसी व्यवस्था है, जिसमें सभी को निर्भय रहते उच्च आदर्शों का जीवन जीने पर जोर दिया गया है। *(ये लेखक के अपने विचार हैं)*

सम्पादकीय

विकासोन्तुख गंतव्य

राष्ट्रीय राजधानी के निकट जेवर में देश के सबसे विशाल हवाई अड्डे का शिलान्यास न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि देश के लिए भी गौरव का विषय है। यह विकासशील भारत की जरूरत ही नहीं, बल्कि दुनिया की मांग है कि भारत में ज्यादा से ज्यादा विश्वस्तरीय एयरपोर्ट बनाए जाएं। नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बने 59 वर्ष हो जाएंगे, इसका विस्तार लगातार किया गया है, लेकिन जिस तरह यह दबाव झेल रहा है, उसे देखते हुए नए बड़े हवाई अड्डे की जरूरत पिछले तीन दशक से महसूस की जा रही थी। नई दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा विदेश से आने-जाने वाले हवाई भार के 27 प्रतिशत को अकेले वहन करता है। अमूमन एक दिन में 1,300 तक छोटे-बड़े हवाई जहाज यहां से आते-जाते हैं। ऐसे में, वर्तमान एयरपोर्ट से लगभग 72 किलोमीटर दूर नया एयरपोर्ट वाकई जरूरी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस एयरपोर्ट का शिलान्यास विकास की अन्य परियोजनाओं को भी बल प्रदान करेगा। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दावा किया है कि यह एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा, तो कोई दोराय नहीं। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक पांच अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट तैयार हो जाएंगे। प्रदेश में 2012 तक दो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट थे, लखनऊ व वाराणसी। कुशीनगर में तीसरा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पिछले महीने शुरू हुआ है और अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट निर्माणाधीन है। राज्य में फिलहाल कुल आठ एयरपोर्ट संचालित हैं, जबकि 13 एयरपोर्ट और सात हवाई पट्टियां विकसित की जा रही हैं। जेवर में तैयार हो रहा उत्तर प्रदेश का पांचवां अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट इसलिए भी खास होगा, क्योंकि यह उत्तर प्रदेश के साथ-साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की भी सेवा करेगा। एयरपोर्ट के पहले चरण में सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की सेवा करने की क्षमता होगी व एयरपोर्ट पूरा होने के बाद हर साल करीब सात करोड़ लोगों की सेवा कर सकेगा। इसका निर्माण 36 महीनों में पूरा किया जाना है, अर्थात तेज निर्माण हो, तो यह अगले लोकसभा चुनाव से पहले भी पूरा हो सकता है। यह एयरपोर्ट हर तरफ से सड़क, रेल और मेट्रो मार्ग से जुड़ा होगा। निस्संदेह, पिछले वर्षों में देश की जरूरतों के अनुरूप परिवहन सुविधाओं का तेजी से विकास हो रहा है। तमाम राजमार्गों को चौड़ा करना, नए एक्सप्रेस वे बनाना और परस्पर सुव्यवस्थित ढंग से तमाम सुविधाओं को जोड़ना मायने रखता है। किसी भी देश की सूरत ऐसे ही बदलती है। भारत में यह काम उदारीकरण के तत्काल बाद तेजी से होना चाहिए था, लेकिन तब संसाधनों का भी अभाव था और इच्छा में भी कहीं न कहीं कमी थी। ज्यादातर लोग मानते हैं कि विकास होता है, तो सड़कें अच्छी बनती हैं, लेकिन सही चिंतन में पहले अच्छी सड़कें आती हैं और उसके बाद ही विकास तेज होता है। देश के तेज विकास के लिए भूमि, रेलवे, जल और वायु पर निर्बाध बहु-आयामी संपर्क का विकास अपरिहार्य है। हमारी सरकारों को इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता से काम करना चाहिए। सरकारें ऐसे विकास के लिए काम करेंगी, तो राजनीतिक पृष्ठभूमि में भी सकारात्मक बदलाव दिखेंगे। यदि यह गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का आगाज है, तो शानदार अंजाम हम आने वाले वर्षों में देखेंगे।

निर्देशक विनोदराज पी. एस. की तमिल फिल्म 'कूझंगल' को 94वें अकादमी पुरस्कारों के लिए देश की आधिकारिक प्रविष्टि के तौर पर भेजा गया है, लेकिन 'सरदार उधम' के मुकाबले इस फिल्म का चयन करने पर अनेक सवाल उठाए गए हैं।

विवादों से परे एक ईमानदार फिल्म

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

> **विवादों से परे जाकर अगर तटस्थता से 'कूझंगल' का मूल्यांकन करें, तो ऐसा लगता है कि यह फिल्म आम हिंदुस्तानी परिवारों की कहानी को निर्भीकता से दर्शकों के सामने रखती है। फिल्म के माध्यम से फिल्मकार ने भारतीय परिवारों में वैवाहिक जीवन के दौरान शोषण का शिकार होने वाली महिलाओं की तकलीफों को सामने लाने का प्रयास किया है।**

फिल्म फैडरेशन ऑफ इंडिया की 15 सदस्यों वाली जूरी ने पिछले दिनों तमिल फिल्म 'कूझंगल' को 94वें अकादमी पुरस्कारों के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के तौर पर भेजने की सिफारिश की। इस सिफारिश के आधार पर ही 'कूझंगल' को ऑस्कर में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल रहा है। फिल्म फैडरेशन की जूरी के अध्यक्ष मशहूर फिल्मकार शाजी एन करुण हैं, जिनकी फिल्मों ने सात बार नेशनल अवार्ड हासिल किए हैं और अनेक बार केरल स्टेट फिल्म अवार्ड्स जीते हैं। 'वानप्रस्थम', 'स्वाहम' और 'पिरावी' जैसी उनकी फिल्मों ने देश-विदेश में सिने प्रेमियों के बीच बहुत प्रशंसा हासिल की है। शाजी एन करुण की इस निर्विवाद छवि के बावजूद इस बार भी अनेक लोगों ने जूरी के उस फैसले पर सवाल उठाए, जिसमें तमिल फिल्म 'कूझंगल' को 94वें अकादमी पुरस्कारों के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के तौर पर भेजने की बात कही गई।

दरअसल शूजित सरकार की फिल्म 'सरदार उधम' को भी ऑस्कर नामांकन की दौड़ में माना जा रहा था, लेकिन फैसला तमिल फिल्म 'कूझंगल' के पक्ष में हुआ। यह निर्णय सामने आने के बाद जूरी के सदस्यों में से एक बांग्ला संगीत निर्देशक इंद्रदीप दासगुप्ता ने कहा कि फिल्म 'सरदार उधम' ऑस्कर नामांकन की दौड़ में इसलिए पिछड़ गई, क्योंकि यह फिल्म अंग्रेजों के खिलाफ नफरत को दिखाती है। दासगुप्ता के इस बयान के बाद देशभर में बुद्धिजीवी तबके के बीच एक किस्म की बहस छिड़ गई। लेकिन इस विवाद से परे जाकर अगर तटस्थता से तमिल फिल्म 'कूझंगल' का मूल्यांकन करें, तो ऐसा लगता है कि 'कूझंगल' आम हिंदुस्तानी परिवारों की कहानी को निर्भीकता से दर्शकों के सामने रखती है। फिल्म के माध्यम से फिल्मकार ने भारतीय परिवारों में वैवाहिक जीवन के दौरान शोषण का शिकार होने वाली महिलाओं की तकलीफों को सामने लाने का प्रयास किया है।

फिल्म 'कूझंगल' एक बच्चे और एक मां के दर्द और पीड़ा को चित्रित करती है, दोनों ही वैवाहिक जीवन के शोषण के शिकार हैं। इन अर्थों में यह फिल्म शादीशुदा जिंदगी के शोषण की पीड़ा को दर्शाती है। यह फिल्म आईसीएफटी-यूनेस्को गांधी मेडल की भी दावेदार है। उसे विभिन्न फ़िल्म समारोहों में प्रदर्शित किया गया है और इसने दुनिया भर में प्रशंसाएं हासिल की है।

हाल ही गोवा में संपन्न 52वें इफ्फी महोत्सव के दौरान इस तमिल फिल्म के निर्देशक विनोदराज पी. एस. ने फिल्म की निर्माण प्रक्रिया पर खुलकर चर्चा की और उन कारणों का खुलासा किया, जिन्होंने उन्हें यह फिल्म बनाने के लिए प्रेरित किया। वे साफ कहते हैं, ''यह एक सरल सी कहानी है, जिसे एक सरलतम तरीके से कहा गया है और इस कहानी को मेरे ही जीवन से उधार लिया गया है। यह फिल्म उन कष्टों पर आधारित है जो एक शराबी पति के कारण मेरी बहन और उसके छोटे बच्चे को झेलने पड़े।''

अपनी पहली फीचर फ़िल्म के बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए निर्देशक विनोदराज ने कहा कि 'कूझंगल' एक शराबी पिता और उसके बेटे के रिश्ते पर आधारित है और उस यात्रा को प्रस्तुत करती है जो अपने पिता के घर चली गई पत्नी को वापस लाने के लिए पति करता है। विनोदराज से जब इस फिल्म में परिदृश्य के महत्व पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने जवाब में कहा, ''मैंने अपने गांव में ही इस फिल्म की शूटिंग की, क्योंकि यह कहानी और इसका परिदृश्य दोनों ही मेरे दिल के करीब थे। फिल्म में दर्शाया गया लैंडस्केप इसमें तीसरा किरदार बनता है, क्योंकि इंसान जिस जलवायु और भूगोल में रहते हैं, उससे उनका व्यवहार भी प्रभावित होता है। जिस शुष्क परिदृश्य और तेज धूप में पूरी कहानी स्थित है, वो किरदारों के आचरण को ढालने वाले महत्वपूर्ण तत्व हैं।''

कहानी संक्षेप में इस प्रकार है- झुलसाने वाली गर्मी के एक दिन गणपति, जो अपनी पत्नी को पीटने वाला एक शराबी है, वो अपनी नाराज़ पत्नी को मायके से घर वापस लाने के लिए 13 किलोमीटर दूर एक शुष्क बस्ती तक पहुंचने की यात्रा पर निकलता है। वो अपने छोटे बेटे वेलू को भी साथ ले जाता है। उनका सफर भीषण गर्मी और सुनसान इलाकों से गुजरता है। पहुंचने पर उसे पता चलता है कि उसकी पत्नी उनके घर के लिए निकल गई है। निराशा में वो एक झगड़े में पड़ जाता है। नाराज वेलू बस का टिकट फाड़ देता है, जिसके बाद पिता-पुत्र को भयंकर धूप में पैदल घर लौटने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

फ़िल्म बनाते समय अपनी मुश्किलों के बारे में बताते हुए विनोदराज ने कहा कि शुरू में उनके पास इस फीचर फ़िल्म को शुरू करने के लिए पर्याप्त धन नहीं था। उन्होंने कहा, ''हमने एक निर्माता खोजने की उम्मीद के साथ फ़िल्म का रफ कट एनएफडीसी फ़िल्म बाजार को भेज दिया था। इसे प्रसिद्ध तमिल निर्देशक राम ने देखा जो बाद में हमारा समर्थन करने के लिए आगे आए। इसके बाद मशहूर निर्देशक विग्नेश शिवन और अभिनेता नयनतारा ने इस फिल्म को प्रोड्यूस करने का बीड़ा उठाया और यह फिल्म दर्शकों के सामने आ सकी।'' *(ये लेखक के अपने विचार है)*

ओपिनियन : क्या है NFHS-5 की रिपोर्ट के मायने

बहरूपिया सा वायरस

डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा
चिकित्सक
@jagrukjanta.net

अब जब कोरोना संक्रमण के नए मामले काफी हद तक काबू में नजर आ रहे थे और देश में तीसरी लहर की आशंका कमजोर पड़ती जा रही थी, अचानक इस वायरस के एक नए वैरिएंट ने फिर खतरे की घंटी बजा दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्य सरकारों को पत्र लिखकर आगाह किया है। खासकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। इस नए वैरिएंट बी.1.1.529 की पहचान पिछले हफ्ते साउथ अफ्रीका में हुई। हालांकि इसके मामले अभी ज्यादा नहीं हैं, प्रभावित इलाके भी सीमित ही हैं। इसके बावजूद अगर इस नए वैरिएंट को इतनी गंभीरता से लिया जा रहा है तो उसकी वजह है इसमें दिखे अप्रत्याशित रूप से ज्यादा म्यूटेशन।

विशेषज्ञों के मुताबिक, इस वैरिएंट में करीब 50 म्यूटेशन देखे गए हैं, 30 से अधिक तो सिर्फ स्पाइक प्रोटीन में हैं। ध्यान रहे, ज्यादातर वैक्सीन स्पाइक प्रोटीन को ही निशाना बनाती हैं। इसी के सहारे वायरस मानव शरीर की कोशिकाओं तक अपनी पहुंच सुनिश्चित करता है। जाहिर है, स्पाइक प्रोटीन में इतने सारे म्यूटेशन से यह सवाल खड़ा हो गया है कि पता नहीं अब तक उपलब्ध तमाम टीके वायरस के इस नए वैरिएंट पर किस हद तक कारगर होंगे, होंगे भी या नहीं। बोत्सवाना में ऐसे लोग भी इससे संक्रमित हुए हैं, जो टीके के सभी आवश्यक डोज ले चुके हैं। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह संक्रमण हवा के जरिए भी फैल सकता है। हांगकांग में होटल के अलग-अलग कमरों में ठहरे लोगों के स्वैब में इसकी मौजूदगी से लगता है कि इसके फैलने के लिए लोगों का एकदम पास आना या किसी तरह से इसके स्पर्श में आना जरूरी नहीं है। सच है कि इस नए वैरिएंट की नुकसान पहुंचाने की क्षमता और इस पर काबू पाने के तरीकों का पता करने के लिहाज से ये जानकारियां नाकाफी हैं। मगर इसी वजह से सावधानी और ज्यादा जरूरी हो जाती है। खतरा यह बन गया है कि कहीं जाते-जाते भी लौट आने वाली यह महामारी इस बार अब तक के हमारे सारे प्रयासों पर पानी फेरते हुए तमाम टीकों को बेअसर न साबित कर दे। ध्यान रखना होगा कि पिछले करीब दो साल से इसके साये में रहते हुए लोग आजिज आ चुके हैं। यूरोप के कई शहरों में बढ़ते संक्रमण के मद्

नजर लगाई गई पाबंदियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की खबरें हैं। अपने देश में भी परेशानी भरे लंबे दौर के बाद अब स्थिति सामान्य होने की ओर है। ऐसे में इस आशंका के लिए कोई गुंजाइश नहीं बनने दी जा सकती कि हालात फिर से उतने ही गंभीर हो जाएंगे। इसका एकमात्र तरीका है यह सुनिश्चित करना कि बाहर से आने वाले एक-एक व्यक्ति की बारीकी से जांच करने और सभी आवश्यक कदम उठाने में किसी भी तरह की लापरवाही न हो।

(ये लेखक के अपने विचार है)

ओपिनियन : क्या है NFHS-5 की रिपोर्ट के मायने

क्या घटेगी आबादी

रोहित पाराशर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस-5) की ताजा रिपोर्ट ने यह महत्वपूर्ण तथ्य उजागर किया है कि भारत में टोटल फर्टिलिटी रेट यानी राष्ट्रीय प्रजनन दर 2.2 से कम होकर 2.0 तक पहुंच गई है। प्रति महिला औसत प्रजनन दर 2.1 को रिप्लेसमेंट मार्क के रूप में जाना जाता है। यानी इस औसत पर जनसंख्या कमोबेश स्थिर रहती है। यह पहली बार हुआ है कि देश की राष्ट्रीय प्रजनन दर रिप्लेसमेंट मार्क से भी नीचे चली गई। ध्यान रहे, ऐसा संयोगवश या किसी नाटकीय घटनाक्रम के तहत नहीं हुआ है। औसत प्रजनन दर में कमी की प्रवृत्ति काफी समय से दिख रही थी। ऐसे में यह मानना गलत नहीं होगा कि क्रमिक रूप से आया यह बदलाव काफी हद तक टिकाऊ है। निकट भविष्य में इसके अचानक फिर ऊपर का रुख ले लेने जैसे कोई आसार नहीं हैं। इसका मतलब यह हुआ कि देश की जनसंख्या को लेकर अपने नजरिये में भी हमें बदलाव लाने की जरूरत है। आजादी के बाद से ही जनसंख्या बढ़ोतरी को एक समस्या के रूप में देखने के हम आदी रहे हैं। आपातकाल के दौरान तो जबरन नसबंदी जैसे कार्यक्रम भी सरकार की ओर से चलाए गए। तत्कालीन सरकार की उस वजह से हुई बदनामी के चलते बाद की सरकारों ने वैसा कोई सख्त कार्यक्रम दोबारा नहीं शुरू किया, लेकिन अलग-अलग स्तर पर जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश लगाने की कोशिशें चलती रहीं। मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जरूर 'जनसंख्या विस्फोट' की जगह डेमोग्राफिक डिविडेंड का विमर्श चलाकर यह समझाने का प्रयास किया कि जनसंख्या हमारी समस्या नहीं है। इसका उपयुक्त इस्तेमाल हो तो यह हमारे लिए सबसे बड़ा वरदान साबित हो सकती है। मगर इस विमर्श का जमीन पर कोई खास असर नहीं देखा जा सका है।

कुछ हिंदुत्ववादी संगठन आज भी जनसंख्या वृद्धि को देश की एक बड़ी समस्या के रूप में देखते हैं और इसके लिए उन समुदायों को दोषी ठहराते हैं जिनमें जन्मदर अपेक्षाकृत ज्यादा है। इतना ही नहीं, बीजेपी शासित कुछ राज्यों ने हाल में भी जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कानून लाने की बात कही है। यूपी, असम, कर्नाटक, गुजरात आदि राज्यों में खुद मुख्यमंत्री या कैबिनेट सदस्य ऐसा कानून लाने का इरादा जता चुके हैं। बीजेपी सांसद राकेश सिन्हा और अनिल अग्रवाल संसद में भी ऐसे एक निजी विधेयक का नोटिस दे चुके हैं। यह समझा जाना जरूरी है कि जनसंख्या को लेकर ऐसा विमर्श अब न केवल पुराना पड़ चुका है बल्कि बदले हालात में इससे प्रेरित कदम हानिकारक साबित होंगे। ताजा प्रवृत्ति जारी रही तो कुछ ही समय में हमारी आबादी घटने लगेगी और चुनौतियों का स्वरूप बिल्कुल बदल जाएगा। इसलिए जरूरी है कि लकीर का फकीर बन पुराना राग अलापते रहने के बजाय हम खुद को आने वाली नई चुनौतियों के लिए तैयार करें।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

भ्रूमध्य में सच्चिदानन्दमय तेजो राशि को देखते-देखते साधक तत्व रूप हो जाता है और जन्मजरा मृत्यु और भय से तर जाता है। हृदय में इष्ट की लीलाओं का चिंतन करते-करते उसके आलोक, पुलक और नाद से जब हृदय भर जाता है, साधक का मन स्वतः ही द्विदल भ्रूमध्य में पहुंच जाता है। आत्म प्राप्ति की अन्य साधनाओं की तरह यह साधना भी श्री सद्गुरु की कृपा एवं उनके द्वारा ही सम्पादित की जा सकती है।

योग द्वारा उपासना: उपासना में योग का विशेष महत्व है। यहां विस्तार में नहीं जाकर संक्षेप में अष्टांग योग की कुछ जानकारी दी गई है। योग के आठ अंग हैं, यम, नियम, आसन, प्राणायाम, धारणा, ध्यान और समाधि।

1. **यम**-अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह ये पांच यम हैं।

अहिंसा- मन, वाणी और शरीर से किसी भी प्राणी को कभी किसी प्रकार भी, किंचिन्मात्र भी दुःख न देना अहिंसा है। परदोष दर्शन का त्याग भी इसी के अंतर्गत हैं।

सत्य- इन्द्रिय और मन से प्रत्यक्ष देखक सुनकर या अनुमान करके जैसा अनुभव किया हो, ठीक वैसा का वैसा भाव प्रकट करने के लिए प्रिय और हितकर तथा दूसरे के उद्वेग उत्पन्न न करने वाले जो वचन बोले जाते हैं, उनका नाम सत्य है, इसी प्रकार कपट और छल रहित व्यवहार का नाम सत्य व्यवहार है।

क्रमशः

गरिमा डॉटर कैलाश सुथार, सरपंच, झाड़ौली, सिरोही

झलक: 'एक झलक सकारात्मकता पर'

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

मानवीय जीवन सुख-दुःख का जोड़ा है। जहां कभी सुख है तो कभी दुःख है। परंतु हर परिस्थिति में सकारात्मक रहना हर समस्या के समाधान की राह दिखाता है। इसलिए हालत कैसी रहें, मानुस को कभी सकारात्मकता को नहीं त्यागना चाहिए। जीवन मे सकारात्मकता की शुरुआत आशा और विश्वास से होती है। मान लीजिए किसी जगह पर चारों ओर भयंकर अँधेरा है और कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा और वहां पर अगर हम एक छोटा सा दीपक जला देंगे तो उस दीपक में इतनी शक्ति है कि वह छोटा सा दीपक चारों ओर फैले अँधेरे को एक पल में दूर कर देगा। इसी तरह आशा की एक, सकारात्मकता की एक झलक, व किरण सारे नकारात्मक विचारों को एक पल में मिटा देती है। जीवन में नकारात्मकता को नकारात्मकता समाप्त नहीं कर सकती। नकारात्मकता को तो केवल सकारात्मकता व सकारात्मक सोच से ओतप्रोत विचार ही समाप्त कर सकते है। इसीलिए जब भी कोई छोटा सा नकारात्मक विचार मन में आये उसे उसी पल सकारात्मक विचार में बदल देना चाहिए।

मानवीय जीवन मे प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए जीवन मे सकारात्मक होना भी बेहद आवश्यक है। इसके अभाव में जीवन भी कई समस्याओं से ग्रस्त हो जाता है। इंसान का जीवन एक रंगमंच है जहां हर एक पल हमें कई किरदार निभाने पड़ते हैं। इन किरदारों को निभाते-निभाते हम थक जाते हैं और अपनी उर्जा को खो देते हैं जो सफल जीवन के लिए बेहद जरूरी होता है। कई बार हम ऐसी परिस्थितियों का सामना करते हैं जो हमारे जिंदगी में निराशावाद भर देता है। ऐसी परिस्थितियों से बाहर निकलने के लिए प्रेरित रहना अवश्यक है। लेकिन निराशावाद एक जाल की तरह लोगों को जकड़ता रहता है और उससे बाहर आना कठिन हो जाता है। नई शुरुआत करने के लिए प्रेरित और उत्साहित रहना महत्वपूर्ण है।

बिना सकारात्मकता के कोई भी इंसान सफल नहीं होता है। एक प्रेरित व्यक्ति ही अपना लक्ष्य प्राप्त करता है और समाज में अंधेरे को दूर करता है। भले ही कितनी भी मुश्किल घड़ी क्यों ना आ जाए एक प्रेरित इंसान ही अंधेरे में खुद रोशनी बनकर दूसरों को पथ प्रदर्शित करता है। मोटिवेटेड रहने के लिए आपको सकारात्मक चीजों से घिरे रहना चाहिए और सकारात्मक विचार रखना चाहिए।

सकारात्मकता का अर्थ है कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में भी अपना संयम बनाए रखता है। चाहे कितना भी कठिन परिस्थिति क्यों ना हो, अगर सोच पॉजिटिव हो तो हमें यह विश्वास होता है कि हम इस परिस्थितियों से पार लग जाएंगे। ज्यादातर व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में अपना धैर्य खो देते हैं। वह अपने आप को दृढ़ महसूस करते हैं। इससे समस्या कम होने की जगह और बढ़ जाती है, लेकिन अगर व्यक्ति की सोच सकारात्मक हो तो वह नकारात्मक परिस्थितियों को भी अपनी बुद्धि और अपनी सकारात्मक सोच से बदलने की कोशिश करेगा।

जो लोग सकारात्मक सोच रखते हैं वह कभी तनावपूर्ण नहीं होते है और कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानते। सकारात्मक विचार हमें हौसला और जिंदगी में आगे बढ़ने की शक्ति देता है जिससे हम जिंदगी में किसी भी परिस्थिति का सामना कर लेते हैं। इसलिए जीवन में नकारात्मक पहलुओं को भी सकारात्मकता में तब्दील करते हुये लक्ष्य के प्रति आगे बढ़ना सफलता की राह दिखाता है । व आगे बढ़ने के लिए साहस, हौसला, उमंग, उत्साह आशा, अभिलाष प्रदान करता है। फिर बेवजह मानुस नकारात्मकता से ग्रसित होकर स्वयं को चिंतित व उदास रखता है, जबकि नकारात्मकता मानवीय जीवन मे किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। सिर्फ उदासी, चिंता व भय, डिप्रेशन, व लक्ष्य से विमुख कर सकती है। इसलिए आवश्यक है कि मनुष्य जीवन मे सदैव सकारात्मक विचारों को धारण करते हुये आगे बढ़ें। आशावाद एक खुशी खींचने वाला चुंबक है। अगर आप सकारात्मक बने रहेंगे, तो अच्छी चीजें और अच्छे लोग आपकी तरफ खीचें चले आएगें।

एक झलक सकारात्मकता की ओर.
तुषार 'निरपेक्ष'

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

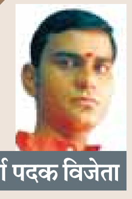

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री
अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 01/12/2021

सूर्योदय : 07:06 **सूर्यास्त** : 17:17 **चन्द्रोदय** : 03:20 **चन्द्रास्त** : 15:11 **शक सम्वत** : 1943 पलवा **अमान्ता महीना** : कार्तिक **पूर्णिमांत** : मार्गशीर्ष **सूर्य राशि** : वृश्चिक **चन्द्र राशि** : कन्या **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : द्वादशी, 23:30 तक **वार** : बुधवार **शक सम्वत** : 1943 प्लव **विक्रम सम्वत** : 2078 आनन्द **गुजराती सम्वत** : 2078 प्रमादी **द्रिक ऋतु** : हेमन्त **द्रिक अयन** : दक्षिणायण **वैदिक अयन** : दक्षिणायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : चित्रा, 18:36 तक
योग : सौभाग्य, 20:37 तक
प्रथम करण : कौवाला, 12:55 तक
द्वितिय करण : तैतिल, 23:30 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त : 05:08 ए एम से
प्रातः सन्ध्या : 05:35 ए एम से
अभिजित मुहूर्त : कोई नहीं
विजय मुहूर्त : 01:55 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त : 05:13 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या : 05:24 पी एम से
अमृत काल: 12:52 पी एम से
निशिता मुहूर्त : 11:43 पी एम से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
कुंभचक्र: कण्ठ
होमाहुति : केतु

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 07:06 - 08:22	उद्वेग : 05:16 - 07:00
अमृत	: 08:22 - 09:38	शुभ : 07:00 - 08:43
काल काल वेला	: 09:38 - 10:55	अमृत : 08:43 - 10:27
शुभ	: 10:55 - 12:11	चार : 10:27 - 12:11
रोग वार वेला	: 12:11 - 01:27	रोग : 12:11 - 01:55
उद्वेग	: 01:27 - 02:43	काल : 01:55 - 03:39
चार	: 02:43 - 04:00	लाभ : 03:39 - 05:23
लाभ	: 04:00 - 05:16	उद्वेग : 05:23 - 07:07

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज द्वादशी

आज कौन सा कार्य करें

यात्रादि को छोड़कर सभी धार्मिक शुभ कार्य किये जा सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

मार्गशीर्ष, कृष्ण, द्वादशी, 2078 बुधवार, 1 दिसम्बर - 7 दिसम्बर, 2021

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
वाहन क्रय करने के योग बनेंगे। इच्छाशक्ति का लाभ मिलेगा। पारिवारिक वातावरण से आशान्वित रहेंगे। स्थायी संपत्ति, क्रय-विक्रय से लाभ की संभावना है।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। आशानुरूप आमदनी होगी। व्यापार-व्यवसाय में अनुभव, निवेश में सफलता मिलेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
थकान रहेगी। व्यर्थ खींचतान में नुकसान संभव है। आर्थिक मामलों में विश्वास, भरोसे में नहीं रहें। दिन प्रतिकूल रहेगा। स्वभावगत चंचलता में कमी करना होगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। नौकरी, रोजगार में उन्नति, सहयोग संभव है। आवश्यक मार्गदर्शन मिलेगा। संतान पक्ष के स्थायित्व की बात बनेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना होगा।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विद्यार्थी शिक्षा में उल्लेखनीय सफलता अर्जित करेंगे। यात्रा न करें। पुराना रोग उभर सकता है। कार्य में लापरवाही व जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। कानूनी बाधा दूर होगी। अपरिचित व्यक्तियों के सहयोग से आत्मविश्वास का संचार होगा।लाभकारी निवेश बढ़ेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
व्यापारिक प्रतिष्ठा, लेन-देन अन्य कानूनी परेशानी संभव है। परिवार में किसी से विवाद होने की आशंका है। अनिश्चितता का वातावरण रहेगा। अपने कार्य-निर्णय गुप्त रखें।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
थकान रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में पद, स्थिति से लाभान्वित हो पाएँगे। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आर्थिक मामलों में लोभ, प्रलोभन से बचें।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
बड़े एवं प्रतिष्ठित लोगों से संबंधों का लाभ मिल सकेगा। जोखिम, जवाबदारी के कामों में सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक वातावरण खुशनुमा रहेगा।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। कार्य में प्रगति, उत्साह रहेगा। दूसरों की दखलंदाजी पसंद नहीं आएगी। कर्ज, लेन-देन कम होगा। भेंट, उपहार की प्राप्ति होगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
उत्तेजित न हों। लाभ होगा। रोजगार की संभावनाएँ बढ़ेंगी। महत्व के मामले सुलझेंगे। घर में मूल्यवान वस्तुओं को संभालना होगा। विरोधी, शत्रु शांत रहेंगे।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
व्यवसाय लाभदायक रहेगा। उत्साहपूर्वक व्यावसायिक योजनाओं को पूरा करेंगे। अचानक धन की प्राप्ति संभव है। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी। अनुज सहयोग करेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

मुख्यमंत्री गहलोत ने गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर में ट्रेनिंग ले रहे अभ्यर्थियों से की मुलाकात

गांधी जी के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी-गहलोत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर/पीपाड़ शहर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सेन्ट्रल पार्क स्थित कनक भवन में आयोजित गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित हुए कहा कि मुल्क में प्रेम, भाईचारा एवं सद्भाव कायम करने के लिए आज गांधी जी के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि गांधी दर्शन एवं गांधी जी की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार जिला, ब्लॉक एवं गांव के स्तर तक हो।

उन्होंने कहा कि गांधी दर्शन को युवाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने प्रदेश में अलग से शांति एवं अहिंसा निदेशालय की स्थापना की है। राजस्थान पहला राज्य है जिसने गांधी जी के विचारों को आमजन तक पहुंचाने के लिए अलग से निदेशालय बनाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधीजी की शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए प्रशासन एवं सामाजिक कार्या में अपनी भूमिका निभाने के लिए युवाओं को तैयार करने के उद्देश्य से मुम्बई के टाटा इन्स्टीट्यूट ऑफ सोशल साइन्सेज तथा पुणे स्थित इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड स्कूल ऑफ गवर्नेंस जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की तर्ज पर प्रदेश में महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेंस एण्ड सोशल साइंसेज की स्थापना की गई है। यहां गांधीजी से जुड़े शोध कार्य होंगे। उन्होंने गांधी जी के विचारों के प्रचार-प्रसार की दिशा में गांधी दर्शन समिति द्वारा किये जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। कार्यक्रम में पूर्व शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा, महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेंस एण्ड सोशल साइंसेज के निदेशक प्रो. बीएम शर्मा, शांति एवं अहिंसा निदेशालय के निदेशक मनीष शर्मा, समग्र सेवा संघ के अध्यक्ष सवाई सिंह, गांधी स्मारक निधि के सदस्य धर्मवीर कटेवा, वर्धा आश्रम से आए मुख्य प्रशिक्षक मनोज नागरे एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने सेन्ट्रल पार्क में बन रहे गांधी दर्शन म्यूजियम के कार्यों का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से पूरे करने के निर्देश दिए। जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त गौरव गोयल ने साइट प्लान के बारे में जानकारी दी। गहलोत ने वहां मौजूद कामगारों से बातचीत की और उन्हें मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के फायदों के बारे में जानकारी दी।

शिविर समापन के दौरान गांधी दर्शन जोधपुर जिला सहसंयोजक शिवकरण सैनी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को गांधी प्रतिमा भेंट की गयी इस मौके पर महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति पीपाड़ शहर के अबुल कलाम, माधुसिंह कच्छवाहा सहसंयोजक, बिलाडा सहसंयोजक भरत भाटी,भोपालगढ़ से हेमसिंह सोलंकी, आतिफ सिकंदर सहित अन्य साथियो ने 7 दिवसीय शिविर में भाग लिया।

जागरूक खबरें

राज्यपाल से सुगल चंद जैन की मुलाकात, सौंपा पांच लाख का चेक

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल कलराज मिश्र से राज्यपाल राहत कोष सलाहकार समिति के सदस्य सुगल चन्द जैन ने मंगलवार को यहां राजभवन में मुलाकात की। राज्यपाल को उद्योगपति एवं समाजसेवी जैन ने मुलाकात के दौरान सिंघवी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से राज्यपाल राहत कोष के लिए पांच लाख रुपए की राशि का चेक सौंपा। मिश्र ने राज्यपाल राहत कोष में आर्थिक सहयोग के लिए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के सहयोग से राहत कोष सशक्त होगा और इससे अधिकाधिक जरूरतमन्दों को लाभान्वित करने में मदद मिलेगी।

पाराशर की पुलिस अधीक्षक से मुलाकात

सवाईमाधोपुर @ जागरूक जनता। विप्र संवाद के राष्ट्रीय संयोजक एवं अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज पाराशर ने सवाई माधोपुर के जिला पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह से मिलकर शिष्टाचार भेंट की इस अवसर पर राष्ट्रीय संयोजक पाराशर ने पुलिस अधीक्षक को भगवान त्रिनेत्र गणेश जी का चित्र भी भेंट कर मंगलकामनाएं दी

मुख्यमंत्री ने दी योजना को मंजूरी

पारिवारिक परिस्थितियों के चलते जॉब छोड़ने वाली महिलाओं के लिए 'बैक टू वर्क' योजना

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शादी के बाद घर-परिवार संभालने एवं अन्य कारणों से कामकाजी महिलाओं को कई बार जॉब छोड़ना पड़ता है। नौकरी छोड़ने वाली इन कामकाजी महिलाओं को निजी क्षेत्र के सहयोग से फिर से जॉब दिलाने या वर्क फ्रॉम होम का अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार 'बैक टू वर्क' योजना लेकर आई है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना में आगामी 3 वर्षों में 15 हजार महिलाओं को निजी क्षेत्र के सहयोग से फिर से जॉब दिलाने का लक्ष्य तय किया गया है। विधवा, परित्यकता, तलाकशुदा एवं हिंसा से पीड़ित महिलाओं को इसमें प्राथमिकता दी जाएगी। जो महिलाएं कार्यस्थल पर जाने में सक्षम नहीं होंगी, उन्हें वर्क फ्रॉम होम का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। रोजगार से जुड़ने की इच्छुक महिलाओं को महिला अधिकारिता निदेशालय एवं सीएसआर संस्था के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सिंगल विण्डो सिस्टम की सुविधा विकसित की जाएगी। इसके अलावा आरकेसीएल के माध्यम से स्किल ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में योजना के क्रियान्वयन के लिए सहयोगी संस्था/ सीएसआर संस्था के पोर्टल अथवा एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर पर लक्षित श्रेणी की महिलाओं से आवेदन लिए जाएंगे। ऑनलाइन पोर्टल पर रजिस्टर्ड महिलाओं को श्रेणीवार डाटाबेस के आधार पर निजी क्षेत्र में रोजगार से जोड़ने का कार्य सीएसआर संस्था द्वारा किया जाएगा। आवश्यकता होने पर सीएसआर संस्था द्वारा ऑनलाइन पोर्टल पर रजिस्टर्ड लक्षित श्रेणी की महिलाओं को री-स्किलिंग/अप-स्किलिंग हेतु प्रशिक्षण सुविधा भी प्रदान की जाएगी, जिसका अपडेशन पोर्टल पर किया जाएगा। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मॉनिटरिंग कमेटी का गठन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट 2021-22 के वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान 'बैक टू वर्क' योजना शुरू करने की घोषणा की थी।

ओसवाल सोप ग्रुप : स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

251 यूनिट रक्त एकत्रित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सीता देवी देसराज ओसवाल मैमोरियल ट्रस्ट एवं हीरावाला इंडस्ट्रीयल एरिया एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में नवलगढ़ विधायक एवं मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. राजकुमार शर्मा के 49वें जन्मदिन पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का उद्घाटन ओसवाल सोप ग्रुप के एमडी देवेन्द्र कुमार जैन ने किया। शिविर के आयोजक संजय जैन के साथ डॉ. राजकुमार शर्मा, उनके अनुज डॉ. राजपाल शर्मा, विधायक जमवारामगढ़ गोपाल मीणा ने शिविर में आकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। ओसवाल सोप ग्रुप के डायरेक्टर संजय जैन के साथ हीरावाला इंडस्ट्रीयल एरिया एसोसिएशन के महासचिव रवीन्द्र अग्रवाल, अवनीश सिंघल, सुनील दत्त शर्मा, मुदित गर्ग, अभिनव यादव एवं भुवन जैन ने डॉ. राजकुमार शर्मा को 51 किलो वजन की माला पहनाकर स्वागत किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविर में 251 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर में संतोकबा दुर्लभजी, महिला चिकित्सालय, स्वास्थ्य कल्याण, शुभम् ब्लड, पिंकसिटी ब्लड सेन्टर, गुरुकुल ब्लड बैंक से आई टीमों ने सेवाएं दीं। शिविर में एकत्रित रक्त जरूरतमंद रोगियों को निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

संस्कार भारती का दीपावली परिवार मेला कार्यक्रम आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। संस्कार भारती जयपुर महानगर जयपुर का दीपावली परिवार मेला कार्यक्रम राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के श्री भैरोंसिंह शेखावत सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतमाता व नटराज पूजन के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाराज बालमुकुन्द आचार्य हाथोज धाम, प्रमुख वक्ता मा. कैलाशचंद शर्मा क्षेत्र प्रौढ़ प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, विशिष्ट अतिथि मां मधुरा महामंडलेश्वर व ललितसिंह तालेड़ा अध्यक्ष जयपुर जिला टेबिल टैनिस संघ थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मधु भट्ट तैलंग अध्यक्ष संस्कार भारती जयपुर प्रांत ने की।

जैसलमेर में अन्तर्राष्ट्रीय सरहद पर आकार लेगा सीमावर्ती पर्यटन

जैसलमेर @ जागरूक जनता। राजस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय सरहद पर अवस्थित जैसलमेर जिले में सीमावर्ती पर्यटन को बढ़ावा देने को लेकर जिला कलक्टर आशीष मोदी की पहल पर बनाए गए प्रोजेक्ट को नीति आयोग द्वारा मंजूर कर लिया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत सरहदी पर्यटन को बढावा दिए जाने के साथ ही सीमा सुरक्षा बल की कार्य शैली के बारे में पर्यटकों में जागरूकता लाने एवं उनके द्वारा किये जाने वाले अनुकरणीय कार्य से पर्यटकों को रू-ब-रू करवाने तथा रोजगार के नये अवगसर सृजित करने के उद्धेश्य से तनोट-लोंगेवाला-बबलियान परिपथ को विकसित किया जाएगा।

हर्षोल्लास से मनाया दीपावली स्नेह मिलन समारोह

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत विकास परिषद मुरलीपुरा शाखा ने स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में परिषद के अधिकांश सदस्यों ने सपत्नीक भाग लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। शाखा के संयोजक एवं संरक्षक प्रदीश शर्मा के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन कर सदस्यों ने विधिपूर्वक शुभारम्भ किया। प्रांतीय मीडिया प्रभारी नगेन्द्र वशिष्ठ ने प्रभावी ढंग से मंच का संचालन किया। कार्यक्रम में हमेशा की तरह सदस्यों ने जरूरतमंद 500 छात्रों को गर्म स्वेटर वितरण करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया। इस अवसर पर संस्कार निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूलों में गुरु वंदन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम के आयोजन का भी निर्णय लिया जो आगामी 6 दिसम्बर को होना निश्चित हुआ। कार्यक्रम में प्रांतीय सम्पर्क प्रमुख श्रीचंद चोटिया, शाखा अध्यक्ष बीना पारीक, सचिव लोकचंद हरिरामानी, कोषाध्यक्ष कुलदीप सिंह साहनी, शिव दयाल मिश्रा, भूमिका कृपलानी एवं महिला मंडल, हरिशंकर गौड़, करण सिंह सैनी, भवानी सिंह राठौड़, सुरेन्द्र खंडेलवाल, नरेन्द्र शर्मा, कैलाश अग्रवाल, बाबूलाल रामचंदानी एवं गोपाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में सदस्यों ने सहभोज का आनन्द लिया।

सत्संग में भक्तों ने जमकर गाये भक्तिगीत

जयपुर @ जागरूक जनता। मुरलीपुरा स्कीम स्थित बाबा मेहरदास मन्दिर में भक्तजनों ने सत्संग का आयोजन किया। सत्संग में बड़ी संख्या में भक्तजनों ने मुख्य संत साईंलाल भगत, साईं मोहनलाल भगत के भजनों पर श्रद्धालु झूमकर नृत्य करने लगे। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजन लोकचंद हरिरामानी, शशि,ॉ. विशाल हरिरामानी परिवार सहित अन्य भक्तों ने संत चरणों की वंदना कर आशीर्वाद लिया और भगवान की प्रसादी ग्रहण की।

जयपुर से आसमान में तीन ग्रहों शुक्र, शनि एवं बृहस्पति को देखा जा सकता है एक साथ

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान की राजधानी जयपुर से आसमान में झिलमिलाते-टिमटिमाते तारों के बीच कोरी आंखों से देख पाने वाले पांच प्रमुख ग्रहों में शुक्र, शनि और बृहस्पति को दिसंबर में एक साथ देखा जा सकता हैं वहीं महीने के आखिरी सप्ताह में बुध भी इनके साथ शामिल हो जायेगा जबकि मंगल भोर में दिखेगा। बी एम बिड़ला तारामंडल के सहायक निदेशक संदीप भट्टाचार्य ने जयपुर शहर से दिसंबर महीने में आकाशीय स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि शुक्र, शनि एवं बृहस्पति संध्या के समय अपनी छटा बिखेर रहे हैं और दिसंबर के आखिरी सप्ताह में बुध भी इनके साथ शामिल हो जायेगा जबकि मंगल को भोर में देखा जा सकेगा।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना

सत्र 2021-22 में आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर तक बढ़ाई

जयपुर @ जागरूक जनता। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर, 2021 कर दी गई है। विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं में राज्य की राजकीय अथवा निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं एवं राज्य के बाहर की राजकीय, राष्ट्रीय स्तर एवं मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रमों में प्रवेशित/अध्ययनरत शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों (कक्षा 11 एवं 12 वीं के अतिरिक्त) द्वारा वेबसाईट sjmsnew.rajasthan.gov.in/scholarship अथवा एसएसओ पोर्टल SCHOLARSHIP SJE APP पर क्लिक कर पेपरलेस आवेदन पत्र ऑनलाइन पंजीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पेपरलेस आवेदन करने हेतु पोर्टल भी प्रारंभ कर दिया गया है। डॉ. शर्मा ने बताया कि छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने से पूर्व इच्छुक विद्यार्थी अपने जनाधार पोर्टल पर जाति प्रमाण पत्र, मूलनिवास प्रमाण पत्र, आय घोषणा पत्र एवं अन्य आवश्यक जानकारियां अद्यतन करा लें। छात्रवृत्ति से संबधित जानकारीsjmsnew. rajasthan. gov.in/ scholarship पर देखी जा सकती है। साथ ही विभागीय जिला कार्यालय में व्यक्तिशः उपस्थित होकर अथवा विभागीय कॉल सेन्टर नं 1800-180-6127 पर भी छात्रवृत्ति के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

संविधान की भावना के अनुरूप आगे बढ़ रहा है भारत -डॉ. सुरेन्द्र

जयपुर @ जागरूक जनता। संविधान दिवस के उपलक्ष में विद्याधर नगर जयपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ कार्यालय स्वस्तिक भवन में नागरिक परिचर्चा का आयोजन हुआ। परिचर्चा में विधि विशेषज्ञ, विद्यार्थी, लेखक, समाजसेवी तथा अन्य विविध क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने भाग लेते हुए संविधान का वैशिष्ट्य, संविधान सभा का योगदान, पंथ निरपेक्षता तथा कॉमन सिविल कोड, शक्तियों का बंटवारा, लोकतंत्र, संविधान संशोधन, धारा 370, न्यायपालिका, राज्यों का पुनर्गठन, पड़ौसी देशों के साथ लैंड एक्सचेंज आदि विषयों पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. सुरेन्द्र जाखड़ ने संविधान की बारीकियों को समझाते हुए सहभागियों की जिज्ञासाओं के उत्तर दिए।

देश की आंतरिक सुरक्षा में अधिवक्ताओं के योगदान पर संगोष्ठी

जयपुर @ जागरूक जनता। हिन्दू जागरण मंच विद्याधर नगरजयपुर प्रांत ने देश की आंतरिक सुरक्षा में अधिवक्ताओं का योगदान विषय पर आदर्श विद्या मंदिर अंबाबाड़ी में संगोष्ठी का आयोजन किया। हिन्दू जागरण मंच के क्षेत्रीय संगठन मंत्री मुरली मनोहर ने देश में चल रही गतिविधियों पर विस्तार से जानकारी देते हुए वर्तमान परिस्थिति में देश में होने वाली आंतिरिक गतिविधियो में अधिवक्ताओं का योगदान कैसे हो सकता है, विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के आयोजन व हिन्दू जागरण मंच के जिलाध्यक्ष मुरारीलाल शर्मा ने मंच द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर सुभाष शर्मा, प्रांत मंत्री डॉ. महावीर सिंह बलवाद, प्रचार प्रमुख डॉ. सीमा दायमा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने भाग लिया।

जागरूक खबरें

पापड़ वाले हनुमानजी मंदिर के मुख्य द्वार का भूमि पूजन समारोह आज

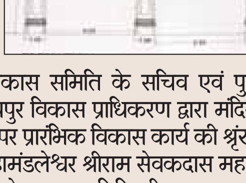

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर सेक्टर 8 स्थित पापडवाले हनुमान मंदिर के मुख्य स्वर का शिलान्यास भूमिपूजन कार्यक्रम 1 दिसंबर बुधवार को मध्याह्न 11.30 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए एवं संत विकास समिति के सचिव एवं पुजारी राजाराम दास ने बताया कि जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा मंदिर श्री पापड़ वाले हनुमान जी के मार्ग पर प्रारंभिक विकास कार्य की श्रृंखला में मुख्य द्वार का भूमि पूजन महामंडलेश्वर श्रीराम सेवकदास महाराज के सानिध्य में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीताराम अग्रवाल (मंगला सरिया वाले) विधायक प्रत्याशी कांग्रेस, विद्याधर नगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र होंगे।

आईपीएस, आरपीएस समेत 66 पुलिसकार्मिकों को मिला सम्मान

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके द्वारा किए गए सराहनीय कार्य के फलस्वरूप डीजीपी प्रशस्ति एवं रोल प्रदान करने हेतु पुलिस मुख्यालय परिसर में आज समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर महानिदेशक पुलिस एम एल लाठर ने चुने गए 66 पुलिस एवं अन्य सेवाओं के अधिकारियों व पुलिस कर्मचारियों को सम्मानित किया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध रवि प्रकाश ने बताया कि सम्मान समारोह के दौरान 8 आईपीएस, एक अतिरिक्त निदेशक प्रचार, एक उप निदेशक स्वास्थ्य, 10 आरपीएस, 2 निजी सचिव, 9 पुलिस निरीक्षक व कंपनी कमांडर, 3 उप निरीक्षक व प्लाटून कमांडर, 2.2 मंत्रालयिककर्मी व हेड कांस्टेबल एवं 28 कांस्टेबल को डीजीपी प्रशस्ति पत्र व रॉल प्रदान किया गया। मुख्यालय में हुए इस आयोजन में डीजीपी के अलावा मुख्यालय के अन्य पुलिस अफसर भी शामिल रहे।

गोयल राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। अन्तरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन, कोलकाता के अन्तरराष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल ने डॉ. हेमंत भाई गोयल को दिव्यांग विकास प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया है।

रणथभौर यात्रा पर आई प्रियंका वाड्रा ने आमजन से दूरी बनाये रखी

भरतपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में सवाईमाधोपुर के रणथंभौर की अपनी निजी यात्रा पर आई कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने प्रवास के दूसरे दिन भी वैसे तो आमजन से लेकर कांग्रेस के नेताओ एवं कार्यकर्ताओं से अभी तक दूरी ही बनाये रखी। हालांकि उन्होंने रणथंभौर राष्ट्रीय पार्क के भ्रमण के दौरान लालसोट से सवाई माधोपुर जाते समय बामनवास विधानसभा क्षेत्र के टोंड गांव में खेत मे काम कर रहे एक कांग्रेस कार्यकर्ता से करीब आधा घण्टे तक मुलाकात ही नही की बल्कि उसे दिल्ली आने का न्योता तक दे डाला। दरअसल हुआ यह कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के काफिले को देख खेत मे काम कर रहे टोंड गांव निवासी किसान बंशी मीना ने हाथ दिखाकर प्रियंका को रुकने का इशारा किया। प्रियंका ने फौरन कार रुकवाई।

अप्रैल 2022 में शनि करेंगे राशि परिवर्तन

2022 में 8 राशियों पर रहेगी शनि की नजर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शनि देव 2022 में राशि बदलने वाले हैं. 2022 में शनि का राशि परिवर्तन सभी राशियों के लिए खास माना जा रहा है। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि शनि देव के राशि परिवर्तन से जहां कुछ राशियों से साढ़ेसाती और ढैय्या प्रभाव खत्म हो जाएगा। वहीं कुछ राशियों के लिए शनि का ढैय्या और साढ़ेसाती लाभदायक साबित होगा। इस वक्त कुंभ, मकर और धनु राशियों पर शनि की साढ़ेसाती चल रही है, जबकि मिथुन और तुला राशि पर शनि का ढैय्या चल रही है।

मीन वालों पर शनि की साढ़ेसाती

साल 2022 में मीन राशि वालों पर शनि की साढ़ेसाती शुरू हो जाएगी. इसके साथ ही कर्क और वृश्चिक राशियों पर ढैय्या का प्रभाव रहने वाला है। इसके अलावा मिथुन और तुला वालों को शनि की ढैय्या से मुक्ति मिल सकती है। 2022 में जब शनि का कुंभ राशि में प्रवेश होगा तब मकर, कुंभ और मीन वालों पर साढ़ेसाती का असर रहेगा। जबकि कर्क और वृश्चिक राशि वालों पर शनि की ढैय्या चलेगी।

इन 8 राशि पर शनि की रहेगी पैनी नजर

ज्योतिष के अनुसार 2022 में मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन राशि वालों पर शनि की पैनी नजर करने वाली है। जबकि मेष, वृषभ, सिंह और कन्या राशि के जातक शनि की साढ़ेसाती व ढैय्या से छुटकारा पा सकेंगे। यानि साल 2022 में कुल आठ राशि वालों पर शनि की नजर रहेगी, जबकि चार राशियों के लोग शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या से मुक्त रहने वाले हैं। शनि 2022 में मिथुन, तुला, कर्क, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन राशि के लोगों पर अपना प्रभाव डालेंगे, जबकि मेष, वृषभ, सिंह और कन्या राशि वालों पर शनि का कोई भी प्रभाव नहीं रहेगा।

29 अप्रैल को शनि का परिवर्तन

शनि देव 2022 में 29 अप्रैल को राशि बदलेंगे। राशि बदलकर शनिदेव कुंभ राशि में आ जाएंगे। बता दें कि शनि देव 2020 से ही मकर राशि में ही मौजूद हैं। साल 2021 में शनि का राशि परिवर्तन नहीं हुआ है।

एबीवीपी का नगर अभ्यास वर्ग सम्पन्न, कार्यकारिणी की घोषणा

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पीपाड़ नगर ईकाई का नगर स्तरीय अभ्यास वर्ग कार्यकर्ता शिविर पीपाड़ शहर के आदर्श विद्या मंदिर में सम्पन्न हुआ। प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता प्रांत सह-अध्यक्ष कंचन चारण ने एबीवीपी के भूमिका की जानकारी देते हुए कहा कि एबीवीपी आज देश में राष्ट्र निर्माण सहयोग कर रही हैं । द्वितीय सत्र में विभाग संयोजक अभिमन्यु सारण ने कार्यपद्धति की जानकारी प्रदान की और बताया कि प्रशिक्षणार्थियों ने संगठन की कार्य पद्धति व सैद्धांतिक भूमिका के बारे में प्रशिक्षण प्राप्त किया।अंतिम सत्र में जिला संयोजक गोविंद सैनी ने नगर इकाई की घोषणा करते हुए सीताराम टाक नानण को नगर मंत्री, किशन टाक को नगर अध्यक्ष मनोनीत किया। इसी तरह नगर उपाध्यक्ष भवानीसिंह कच्छावाह व दिनेश टाक, नगर सहमंत्री प्रवीण सैनी व संजय परिहार, मीडिया प्रभारी गौरव परिहार, एसएफडी सदस्य अजीत राव,मुकेश नारना, एसएफएस संयोजक रामसिंह , एसएफएस सदस्य कुशाल, नगर कार्यकारिणी सदस्य सुभाष दिवराया, सोनू कडेला को मनोनीत किया। इस अवसर विद्यार्थी परिषद के रामकिशोर टाक, जिला सह मीडिया प्रभारी महेंद्र सिलारी, पूर्व नगर मंत्री महेंद्र टाक, मनीष जांगिड़ मौजूद थे।

केंद्र की नई ट्रेवल एडवाइजरी

खतरे वाले देशों से आने वाले यात्रियों का एयरपोर्ट पर ही कोरोना टेस्ट जरूरी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में 8,309 कोरोना केस सामने आए हैं। वहीं, इस दौरान कोरोना से 236 लोगों की जान भी गई है। इस बीच, ओमिक्रॉन वैरिएंट के खतरे के मद्देनजर भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए सोमवार को नई गाइडलाइन जारी की है। नई गाइडलाइन के मुताबिक, एट रिस्क देशों से आने वाले सभी यात्रियों को आने के साथ ही कोविड-19 टेस्ट से गुजरना होगा। टेस्टिंग की शर्त तब भी लागू होगी, जबकि आने वाले यात्री पूरी तरह वैक्सीनेटेड हों।

एट रिस्क यानी खतरे की श्रेणी में रखे गए देशों से आने वाले यात्रियों को एयरपोर्ट पर टेस्ट कराना होगा। बाहर जाने वाले यात्रियों को 72 घंटे पहले किए गए टेस्ट की रिपोर्ट देना अब जरूरी होगा। पॉजिटिव पाए जाने वाले यात्रियों को आइसोलेट किया जाएगा, सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग होगी। निगेटिव पाए गए यात्री घर जा सकेंगे, पर 7 दिन तक आइसोलेट रहना होगा और 8वें दिन फिर टेस्ट होगा और अगले 7 दिन उन्हें सेल्फ मॉनीटिरिंग करनी होगी। ओमिक्रॉन के खतरे की श्रेणी से जिन देशों को बाहर रखा गया है, वहां से आने वाले यात्रियों में 5 फीसदी की टेस्टिंग जरूर की जाएगी। राज्य भी विदेशों से आने वाले यात्रियों की निगरानी करें, टेस्टिंग बढ़ाएं और कोरोना हॉटस्पॉट की भी निगरानी करें।

वृंदावन में तीन विदेशी नागरिक संक्रमित

वृंदावन में रविवार को तीन विदेशी नागरिक कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया है। वहीं ओमिक्रॉन वैरिएंट से बचने के लिए लखनऊ प्रशासन ने नए नियम लागू किए हैं। अब लखनऊ एयरपोर्ट पर आने वाले पैसेंजर्स को RT-PCR टेस्ट कराना होगा और 8 दिन के लिए होम क्वारैंटाइन भी होना पड़ेगा।

महाराष्ट्र में वृद्धाश्रम में 62 लोग कोरोना पॉजिटिव, 60 फुली वैक्सीनेटिड

महाराष्ट्र के भिवंडी में एक ओल्ड एज होम में 62 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें से 55 वहां के रहने वाले हैं, 5 स्टाफ के लोग और 2 रिश्तेदार शामिल हैं। इनके अलावा और 5 लोगों के भी संक्रमित होने की आशंका है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एरिया को कंटेनमेंट जोन बना दिया गया है। इन 62 में से 60 लोग फुली वैक्सीनेटिड हैं।

वृंदावन में तीन विदेशी नागरिक कोरोना पॉजिटिव

उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के धार्मिक शहर वृंदावन में रविवार को तीन विदेशी नागरिक कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए। अधिकारियों के मुताबिक, तीन विदेशी नागरिक मारिया देसम पाराडोस (47), डुमोउलिन फ्रेडरिक आर्मन्ड (44) और उग्ने डाउकाइट (30) करीब 15 दिन के लिए वृंदावन आए हुए थे।

समकित के संग समकित की यात्रा पहुंची भीमगढ़

सफल होने के लिए न चुनें गलत रास्ता- डॉ. समकित मुनि

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। समकित के संग समकित की यात्रा,स्ट्रेसफुल लाइफ का सोल्युशन की प्रवचन श्रृंखला में भीमगढ़ में सांय प्रवचन कार्यक्रम में डॉ. समकित मुनि म सा ने कहा कि किसी भी संकट को सुनकर,उसके स्वरूप को जानकर उससे हाथ मिलाकर दोस्ती कर उस संकट को पार किया जा सकता है। संकट के समय मन से कभी गरीब मत बनना। समस्याओं से भागने से समस्या कभी समाप्त नहीं होती।समस्याओं को देखकर पलायन न करें। न उनसे भागें न उनसे निपटने के बजाय दूर भागें। सफल होने के लिये कभी गलत रास्ता न चुने। कठिनाइयों का सामना रोने धोने से नहीँ आत्मशक्ति से करें।आंसू से समस्या धुल भले ही जाए पर समाप्त नहीं होती है।रोने को मान सम्मान देकर हम समस्याओं को घरजंवाई बना लेते हैं। सुख हो या दुख के पल हों दोनों स्थितियों में एक समान रहें क्योंकि इन दोनों स्थितियों के बीच भी धर्म हो सकता है। समस्याओं को नजर अंदाज करें, ध्यान न देवें संकट अपने आप टल जायेगा। यदि संकट आ जाये तो दिमाग स्थिर और संतुलित रखें।अशांति संकटों को ओर बढ़ाती है। दूसरों को सफलता-सम्मान मिलता देख कर परेशान न हों। तुलनात्मक विचार मुसीबत को मोल लेने के बराबर है। आदमी जितना दूसरों के लिए अच्छा होता है यदि वह उतना ही अपने घरवालों के लिये अच्छा बन जाये तो जिंदगी सफल है।

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे

बेटियां तो बचाईं, पर रोक दी पढ़ाई

प्रदेश में आज भी 6 साल से बड़ी 36% बच्चियां स्कूल नहीं जातीं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में पहली बार लिंगानुपात बढ़ते हुए प्रति एक हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या 1009 पहुंच गई है। हालांकि अब भी बेटियों की शिक्षा और स्वास्थ्य के मामले में तस्वीर बहुत खराब है। प्रदेश की 6 साल की उम्र से बड़ी 36.5 प्रतिशत बेटियां कभी स्कूल नहीं पहुंचती। यानी हर 3 में से एक लड़की ने कभी स्कूल नहीं देखा। यही नहीं गांवों में 34 प्रतिशत और शहरों में 17 प्रतिशत बेटियां आज भी 15-16 साल की आयु में ही मां बन जाती हैं। इसके खतरे शिशु और मातृ मृत्यु दर ज्यादा होने और कुपोषण के साथ खून की कमी आदि के रूप में देखे जा रहे हैं। निरोगी राजस्थान के लिए पूरा मिशन चलाने वाले राजस्थान के लिए यह चौंकाने वाला खुलासा 2020-21 के नेशनल फैमिली हैल्थ सर्वे-5 में हुआ है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि गांवों में लिंगानुपात काफी सुधरा है। गांवों में अब 1000 लड़कों पर 1022 लड़कियां और शहरों में प्रति हजार पुरुषों पर 968 लड़कियां हैं। साल 2015-16 में औसत 973 था।

ग्राउंड रिपोर्ट : प्रतापगढ़-जैसलेमर में 40त्न लड़कियां 10वीं तक भी नहीं पढ़ रहीं, कहीं स्कूल दूर, कहीं कम उम्र में शादी, **असर :** मातृ-शिशु मृत्यु दर बढ़ी

जैसलमेर: छठी कक्षा के बाद 60% ही 10वीं तक पहुंचती हैं

2017 में रामगढ़ के स्कूल में छठी में 47 छात्राएं थीं। इस साल 10वीं में 50 हैं। इनमें से सिर्फ 35 ने इसी स्कूल से छठी पास की। बाकी ने स्कूल छोड़ दी। जिले के 10 स्कूलों में 2017 में छठी में 202 छात्राएं थीं, जिसमें से 10वीं तक 80 ने स्कूल छोड़ दी। वहीं 2015 में छठी में 147 का नामांकन था, जिसमें से 75 ने 12वीं से पहले स्कूल छोड़ दी। इसी तरह 2015 में छठी में 41 का नामांकन था, इस साल 59 बालिकाएं 12वीं में हैं। लेकिन 41 में से 22 ही ऐसी हैं, जो लगातार पढ़ रही है। बाकी 19 ने पढ़ाई छोड़ दी।

जिन हाथों में किताबें होनी चाहिए, उनमें कुदाल

धरियावद क्षेत्र में पढ़ाई छोड़कर खेतों के काम में जुटीं बालिकाएं। किशनघाट की अध्यापिका मालती व्यास कहती हैं कि जैसलमेर में कई महिलाएं मनरेगा मजदूर हैं। इसलिए बेटियां घर व खेत का काम करती हैं। कुछ बड़ी होने पर उन्हें भी मजदूरी करनी पड़ती है।

प्रतापगढ़: हर साल 100 में से 12 छात्राएं छोड़ देती हैं स्कूल

सबसे खराब हाल धरियावद के हैं। राबाउमावि में 2017 में कक्षा 6 में 41 छात्राएं थीं, जो 2021 में सिर्फ 13 रह गईं। पूरे जिले में 2017-18 में कक्षा 6 में 4200 बालिकाएं थीं, जो 2021-22 में 3800 ही हैं। साल 2017-18 में कक्षा 8 में 4500 बालिकाएं थीं, जो 2021-22 में कक्षा 12 आते-आते 3900 रह गईं।

कहीं स्कूल दूर, कहीं परिवार की आर्थिक स्थिति से ड्रॉपआउट बढ़ा

प्रतापगढ़ के बारावरदा की ममता मीणा (17) ने 5वीं तक पढ़ाई की। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के स्कूल छोड़ दी। बाबा खेड़ा की कमला (19) ने भी 10वीं तक पढ़ाई की। आगे भी पढ़ना चाहती थी, आर्थिक स्थिति कमजोर होने के चलते पढ़ाई छोड़ी।

ये बड़ी टीस

10वीं तक शहरों में 51%, गांव में 28% छात्राएं ही पढ़ती हैं...

10वीं तक	शहर	गांव
छात्राएं	- 51.2%	- 27.8%
छात्र	62.2%	48.4%

64.7% महिलाएं साक्षर

88.9% पुरुष साक्षर।

3.7% महिलाएं 15 से 19 वर्ष की उम्र में गर्भवती हो जाती हैं।

इंटरनेट : सिर्फ 36.9% महिलाओं ने इंटरनेट इस्तेमाल किया। शहरों में यह आंकड़ा 56.1% व गांवों में 30.8% ही है।

बाल मृत्यु दर : प्रति हजार बच्चों में से 37.6% बच्चे 5 साल से कम उम्र में मर जाते हैं।

फैमली प्लानिंग : 72.3% फैमिली प्लानिंग अपनानी हैं।

नया स्टार्टहब : दिसंबर से नई पॉलिसी

10 हजार स्टार्टअप को फंड देगी प्रदेश सरकार, महिलाओं को 10% आरक्षण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश सरकार स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए जल्द नई स्टार्टअप पॉलिसी लाने जा रही है। यह इनोवेशन एंड स्टार्टअप पॉलिसी 19 दिसंबर से लागू करने की योजना है। इसके तहत 10 हजार स्टार्टअप्स को जोड़कर 1 लाख नए रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। यह पॉलिसी वन स्टेप प्लेटफॉर्म पर काम करेगी। इसके तहत पानी, कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई टेक्नोलॉजी, हेल्थ केयर और रूरल आंत्रप्रेन्योरशिप के क्षेत्र में पांच सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए 75 करोड़ तक का फंड बनाया जाएगा। हर जिले में सेल से लेकर आई स्टार्ट नेक्स्ट इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित होंगे। ये स्टार्टअप्स 50 लोगों को भी रोजगार देते हैं तो सरकार 5 लाख रु. तक की मदद देगी।

75 करोड का राजीव फंड, 2 करोड़ का इनोवेशन अवार्ड

नई पॉलिसी के अनुसार 75 करोड़ का एक वेंचर कैपिटल फंड बनाया जाएगा। वहीं 75 करोड़ का राजस्थान इनोवेशन विजन (राजीव) फंड स्टार्टअप्स के लिए ग्रांट या लोन देने के काम आएगा। वहीं उत्कृष्टता के लिए राजीव गांधी इनोवेशन अवार्ड भी रखा जाएगा। जिसमें हैल्थ, रूरल डवलपमेंट, एनवायरमेंट, लाइवलीहुड क्षेत्र में उत्कृष्ट काम करने वाले स्टार्टअप को इनोवेशन अवार्ड दिया जाएगा। इसमें पहला अवार्ड 2 करोड़ का होगा। दूसरा 1 करोड़ और तीसरा अवार्ड 50 लाख का रखा गया है।

राजस्थानियों की घरवापसी को सपोर्ट, यहां ऑफिस शिफ्ट करने पर 5 लाख की मदद

ऐसे राजस्थानी युवा जिनके स्टार्टअप अन्य राज्यों में चल रहे हैं, उन्हें सरकार होम कमिंग सपोर्ट देगी। यानी राजस्थान में आकर यदि वे अपना ऑफिस खोलते हैं तो 5 लाख तक की मदद सरकार करेगी। यह कार्यक्रम राजस्थान में इन्क्यूबेटरों संचालित करने वाले प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, अनुसंधान और विकास केंद्रित संस्थानों के लिए प्रति सीट 500 रु. प्रति माह तक की परिचालन सब्सिडी देगा, जो एक साल के लिए 10 लाख रुपए तक होगी।

आइडिया, लॉन्चिंग और ट्रेनिंग के लिए भी फंड

नए स्टार्टअप्स के आइडिया पर काम के बदले 1 साल तक 15 हजार रु.। वुमन/ स्कूल/ रूरल स्टार्टअप को 5 हजार अतिरिक्त मिलेंगे। सीड्स फंडिंग यानी प्रॉडक्ट बनाने के लिए 5 लाख, पायलट एसिस्टेंट यानी प्रॉडक्ट को मार्केट में लॉन्च के लिए 10 लाख का लोन। कर्मचारियों को स्किल डवलपमेंट के लिए 25 हजार रु. के अलावा चुनिंदा स्टार्टअप्स को टैक्स में भी छूट मिलेगी। नया प्रॉडक्ट तैयार करने के लिए 25 लाख तक का लोन। सूचना एवं प्रौद्योगिकी के जॉइंट डायरेक्टर तपन कुमार शर्मा के अनुसार, नई पॉलिसी पर काम कर रहे हैं। 30 आईस्टार्ट नेस्ट इन्क्यूबेशन सेंटर शुरू होंगे। पहली बार 10% सीटें महिलाओं के लिए। पेटेंट में मदद को इंफॉर्मेशन सेल बनेगी।

नोखा, मालासर में लगेंगे बायोमॉस पॉवर प्लांट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य में चूरु जिले के मालासर व बीकानेर जिले के नोखा में एक एक नए बायोमॉस पॉवर प्रोजेक्ट लगाए जाएंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव एनर्जी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने यह जानकारी मंगलवार को यहां राज्य उर्जा विकास निगम की वार्षिक साधारण सभा में दी। उन्होंने बताया कि इससे पहले अक्टूबर माह में ही जयपुर के फागी व बीकानेर के छतरपुर में एक एक बायोमॉस पॉवर प्रोजेक्ट लगाने की स्वीकृति दी गई है। एसीएस एनर्जी डॉ. अग्रवाल ने बताया कि राज्य में समग्र विद्युत व्यवस्था की नियमित मोनेटरिंग के लिए प्रतिमाह एनर्जी एफिसिएंसी कमेटी की बैठक में समीक्षा की जाएगी वहीं कोआर्डिनेशन रिव्यू कमेटी को सक्रिय व कारगर बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने और सस्ती दर पर विद्युत की उपलब्धता तय करने के लिए दीर्घकालीन कार्ययोजना को अंतिम रुप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले माह ही आयोजित उर्जा विकास निगम की संचालक मंडल की बैठक में राज्य के चार विण्ड प्लांटों से 2 रुपए 44 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीद दर तय की जा चुकी है। राजस्थान उर्जा विकास निगम के प्रबंध संचालक भास्कर ए सावंत ने बताया कि राज्य में बिजली के उत्पादन, उपलब्धता और मांग की लगातार मोनेटरिग की जा रही है और देशव्यापी विपरीत परिस्थितयों के बावजूद राज्य में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने के प्रयास किए गए हैं। उन्होंने विस्तार से वर्तमान हालात से निपटने के लिए की जा रही कार्यवाही की जानकारी दी। वार्षिक साधारण सभा में अंकेक्षित लेखे व आगामी प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। उर्जा विकास निगम की वार्षिक साधारण सभा में वित्त सचिव टी. रविकांत, विद्युत उत्पादन निगम के सीएमडी आरके शर्मा, जयपुर डिस्कॉम के एमडी नवीन अरोड़ा, वित्त विभाग के प्रतिनिधि जेएस एक्सपण्डीचर मेवाराम जाट, गोपाल विजय व सदस्यों ने हिस्सा लिया।

ANCHOR | **जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक का आयोजन**

जिले में गठित होंगे 3 नए ब्लॉक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सीकर। 10000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन और संवर्धन हेतु केंद्रीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय निगरानी समिति (डी-एमसी) की तीसरी बैठक मुख्य कार्यकारी अधिकारी - जिला परिषद सीकर, सुरेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सहायक महाप्रबंधक, नाबार्ड एवं सदस्य सचिव जिला स्तरीय निगरानी समिति (डी-एमसी), एम एल मीना ने सभी सदस्यों का बैठक में स्वागत करते हुये बताया कि सीकर जिले के धोद एवं पीपराली ब्लॉक मे प्याज व मटर हेतु किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन और संवर्धन के लिये क्लस्टर आधारित व्यापार संगठन (सीबीबीओ) के रूप मे इंडियन ग्रामीण सर्विसेज का चयन किया गया हैं एवं लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक में चौला/लोबिया, श्रीमाधोपुर ब्लॉक में तरबूज़ हेतु सिनर्जी क्रॉपसाइंस प्राइवेट लिमिटेड का चयन किया गया हैं। इस अवसर पर समिति द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 हेतु 3 नये ब्लॉक यथा पलसाना ब्लॉक में सरसों, खण्डेला ब्लॉक में चना एवं तारामीरा तथा पाटन ब्लॉक में कोल क्रॉप्स एवं सरसों का अनुमोदन किया गया।

सहायक महाप्रबंधक, नाबार्ड ने किसान उत्पादक संगठन और 10,000 एफपीओ के गठन और संवर्धन के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना के दिशानिर्देशों को विस्तार से बताते हुए कहा कि किसान उत्पादन संगठन के संवर्धन के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु नए एफपीओ को वित्तीय सहायता अधिकतम 18 लाख रुपये प्रति एफपीओ या वास्तविक, जो भी कम हो, गठन के वर्ष से तीन वर्षो के दौरान प्रदान किये जाने का प्रावधान हैं एवं संबधित सीबीबीओ को 25 लाख रुपये प्रति एफपीओ प्रदान किए जाने का भी प्रावधान हैं। भारत सरकार इस योजना के तहत किसान उत्पादक संगठन को इक्विटी ग्रांट की मैचिंग ग्रांट के रूप में अधिकतम 15.00 लाख रुपये प्रति एफपीओ तक प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा, भारत सरकार द्वारा किसान उत्पादक संगठनो को संस्थागत ऋण के प्रवाह में तेजी लाने के लिए उपयुक्त क्रेडिट गारंटी कवर प्रदान करने के लिए एक हजार करोड़ रुपये का क्रेडिट गारंटी फंड (सीजीएफ) नाबार्ड मे स्थापित किया गया है, जिसके माध्यम से बैंको द्वारा दिये गए ऋण पर नाबार्ड क्रेडिट गारंटी कवरेज प्रदान करेगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सीकर और अध्यक्ष, डी-एमसी सुरेश कुमार ने सभी संबंधित सीबीबीओ को निर्देश दिये कि कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा निर्धारित सभी लक्ष्यों को समय सीमा के अंदर पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने यह भी निर्देश दिये कि संबधित ब्लॉक में सीबीबीओ द्वारा ग्राम स्तर पर ज़्यादा से ज्यादा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायें ताकि अधिक से अधिक संख्या में किसानो को एफ़पीओ से जोडा जा सके तथा 15 से 20 किसानो के किसान हित समूहो (एफ़आईजी) का निर्माण करे जिनसे मिलकर किसान उत्पादक समूह का गठन किया जा सके। उन्होने बैठक मे उपस्थित समिति के सभी सदस्यों से यह भी कहा कि सभी सीबीबीओ को किसान उत्पादक संगठनों के निर्माण एवं संवर्धन हेतु आवश्यक सहायता संबन्धित विभाग प्रदान करें। सहायक महाप्रबंधक, नाबार्ड एम एल मीना ने बताया कि भारत सरकार द्वारा किसान उत्पादक संगठन को इक्विटि ग्रांट दी जाएगी। अतः किसान उत्पादक समूहो के गठन की प्रक्रिया के दौरान इस बात का ध्यान रखा जाए कि एफ़पीओ के कुल सदस्यों के 50 प्रतिशत किसान छोटे, सीमांत और भूमिहीन किसान हो। उन्होने आगे बताया कि एफ़पीओ के निदेशक मण्डल में कम से कम एक महिला किसान का भी निदेशक होना आवश्यक है तथा एक सदस्य एफ़पीओ की कुल इक्विटि का अधिकतम 10 प्रतिशत ही शेयर अपने पास रख सकता है।

इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद सुरेश कुमार एवं सहायक महाप्रबंधक, नाबार्ड एम एल मीना ने धोद एवं पीपराली ब्लॉक में गठित एफपीओ के प्रतिनिधियों को एफपीओ का रेजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र प्रदान किया। जिला स्तरीय निगरानी समिति (डी-एमसी) की तीसरी बैठक के दौरान उप निदेशक - कृषि विस्तार अजीत सिंह, सहायक निदेशक - बागवानी बनवारी लाल, अग्रणी जिला प्रबंधक तारा चंद परिहार, परियोजना निदेशक - आत्मा सत्यनारायण गढ़वाल, सयुंक्त निदेशक- पशुपालन डॉ. सुमित्रा खीचड़, उप रजिस्ट्रार-सहकारी समितियां भैरू सिंह पालावत कृषि विज्ञान केंद्र फतेहपुर, सभी सीबीबीओ के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे तथा सभी ने अपने अमूल्य सुझाव साझा किए।

जागरूक खबरें

कृषि में सूक्ष्म सिंचाई संसाधनों का उपयोग जरूरी

आजादी का अमृत महोत्सव

भरतपुर @ जागरूक जनता। सरसों अनुसंधान निदेशालय में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत कृषि और पर्यावरण विषयक व्याख्यान कार्यक्रम हाईब्रिड मोड़ पर सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में डॉ वाईएस परमार वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन के पूर्व कुलपति डॉ एचसी शर्मा ने कीट-प्रतिरोधी किस्मों पर प्रकाश डालते हुए चना और बाजरा फसल में लगने वाले कीटों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम से भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के पूर्व निदेशक डॉ डीएम हेगडे भी जुडे। डॉ. हेगडे ने ने भारत में जल संसाधनों की उपलब्धता पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया की लगातार प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता घट रही है। इसके चलते देश जल कमी वाले 39 देशों के समूह में शामिल हो चुका है। उन्होंने कहा कि जल बचत के लिए किसानों को सूक्ष्म सिंचाई का उपयोग करना जरूरी है। ताकि, जल दोहन दर को घटाया जा सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के प्रो. सुरिंदर सिंह बंगा ने की। उन्होंने बदलते पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए सरसों की उन्नत किस्मों के विकास की बात कृषि वैज्ञानिकों से कही। संस्थान के निदेशक डॉ. पीके राय ने किसानों को राई-सरसों उत्पादन की स्थिति से अवगत कराया।

बिरला कार्पोरेशन लिमिटेड, चंदेरिया इकाई को गोल्ड पुरस्कार

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। अपैक्स इंडिया फाउंडेशन", न्यू देहली द्वारा, पर्यावरण के क्षेत्र मे उल्लेखनीय कार्य के लिए बिरला कारपोरेशन लिमिटेड, चंदेरिया की यूनिट बिरला सीमेंट वर्क्स एवं चंदेरिया सीमेंट वर्क्स को "गोल्ड अवार्ड" से सम्मानित किया गया है। इस उपलक्ष में गोवा के नोवोटेल होटल मे आयोजित समारोह मे मुख्य अतिथि सेवानिवृत कर्नल पी. के. सहगल एवं सेवानिवृत महानिदेशक एफ़.एस.एल.आई एम. आर. राजपूत द्वारा बिरला कारपोरेशन लिमिटेड के विनोद पालीवाल, जनरल मैनेजर एवं अजय तिवारी, जनरल मैनेजर को पुरूस्कार प्रदान किया गया। बिरला सीमेंट वर्क्स ने पर्यावरण सरंक्षण के लिए कई क्षैत्रो मे कार्य किया है उनमे से मुख्य रूप से जल सरंक्षण, ऊर्जा सरंक्षण, वायु गुणवत्ता में सुधार, वाटर हार्वेस्टिंग एवं दूसरे उद्योगों से उत्पादित अपशिष्टों को पुन: चक्रित कर पर्यावरण के क्षैत्र में अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर कम्पनी के यूनिट हेड सुनील सूद ने कहा कि कम्पनी उत्पादन के साथ-साथ सतत विकास के लिए अग्रसर है। साथ ही कम्पनी द्वारा आने वाली पीढ़ियों के लिए भी पर्यावरण को सरंक्षित रखने हेतु प्रयास किए जा रहे है। इस अवसर पर उन्होंने सभी कर्मचारियों को बधाई दी है।

संस्कृति द स्कूल के विद्यार्थियों का राज्य स्तर पर चयन

अजमेर @ जागरूक जनता। संस्कृति द स्कूल के क्रिकेट खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन हुआ है। ख्वाजा मॉडल स्कूल, अजमेर में 14 वर्ष आयु वर्ग में जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में संस्कृति द स्कूल द्वितीय स्थान पर रही थी, साथ ही खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखते हुए चयन समिति ने स्कूल के सात विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तर की प्रतियोगिता हेतु किया है। स्कूल के अली हुनैन चिष्ती, दक्ष गोयल, मनीष सिंह, घनिष्ठ सिंह, विराज वासवानी, युगांष गौड़, नील मंघानी का चयन राज्य स्तरीय हेतु किया गया है। उक्त विद्यार्थी दिनांक 2 से 5 दिसम्बर तक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय टाकरिया सिरोही में सम्पन्न होने जा रही राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेंगे। विद्यालय प्रषासन व प्राचार्य ले. कर्नल ए.के. त्यागी ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

डॉ. सरिता प्रति कुलपति नियुक्त

भागलपुर @ जागरूक जनता। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार परिषद मुख्य संरक्षक डॉ सरिता अग्रवाल को विक्रमशीला हिंदी विद्यापीठ गांधीनगर, भागलपुर (बिहार) द्वारा प्रतिकुलपति के पद पर नियुक्ति किया गया है। इसी के साथ 18 व 19 दिसम्बर को होने वाले अपने समायोच्य सम्मान समारोह कार्यक्रम में भारत गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अन्तरराष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल ने अपनी शुभकामनाएं दी है।

विशाल नि:शुल्क नैत्र शिविर आयोजित

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना के मुख्य आतिथ्य में ओमवती शर्मा जन सेवा ट्रस्ट एवं राजस्थान पेंशनर समाज निम्बाहेड़ा के तत्वाधान में विशाल नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन कम्यूनिटी सेन्टर आदर्श कॉलोनी निम्बाहेड़ा में आयोजित किया गया। शिविर में गोमाबाई नैत्रालय नीमच से आए हुए चिकित्सकों के द्वारा रोगियों के नेत्र का परीक्षण किया गया जिसमें 509 रोगियों का पंजीकरण हुआ तथा जिनमे आँखो की समस्या पाई गई। इनमे से नैत्र आपरेशन के लिए चयनित 263 रोगीयों कों ऑपरेशन के लिए गोमाबाई नैत्र चिकित्सालय नीमच ले जाया जायेगा। शिविर में पेंशनर समाज के समस्त पदाधिकारीगण, नगर के गणमान्यजन, जनप्रतिनिधि, चिकित्साकर्मी एवं शिविर में पधारे हुए लाभार्थी उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी का सम्मान

चौमूं @ जागरूक जनता। शहर के राधा स्वामी बाग कट पर पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा राजस्थान के ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी का माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। पूर्व विधायक सैनी ने भंवर सिंह भाटी को ऊर्जा मंत्री बनाए जाने पर बधाई व शुभकामनाएं दी। इस मौके पर ऊर्जा मंत्री भाटी ने पूर्व विधायक सैनी व कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर डीसीसी उपाध्यक्ष गिरिराज देवंदा, सरपंच मंगल चंद सैनी, मुकेश कुमार मीणा, मनोहर लाल सेरावता, मनीष सामरिया, सरवत आलम, छात्रसंघ अध्यक्ष शिल्पा सौंकरिया, संतोष कुमार सैनी, अर्जुन निठारवाल, चंद्रभान चौहान, भीम सिंह लांबा, पुष्पेंद्र कुमावत, अनिल कुमावत, अजय जाटावत, मनोज दीक्षित, मुन्ना पठान, मनीष सैनी, गिरधारी लाल बुनकर, भोलाराम मीणा, अभिषेक मोरदिया, काना पंवार, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कृष्णकांत जोशी, पार्षद फिरोज नागोरी, आशीष यादव, ओम प्रकाश यादव, आमिर खान, राजेंद्र इंदौरा, रमेश चंद्र सैनी, मुकेश कुमार पांच्या, मदन टोडावता, गेंदी लाल सैनी, राधे चौधरी, राकेश इंदौरा सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पाली का पानी खराब, खेती के लिए उत्तम नहीं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कृषि विभाग की ओर से जांचे नमूनों में 99 प्रतिशत फेल

ज्यादातर काश्तकार बरसाती पानी पर ही निर्भर

पाली। खेती के लिए मुख्य दो आधार है। पहला भूमि व दूसरा पानी। पाली में भूजल की बात करें तो यह अधिकांश क्षेत्रों में खराब है। इसके बावजूद यहां के किसान बरसाती पानी और बरसात के मौसम के बाद खेती करते हैं और मेहनत के बल पर अच्छा उत्पादन प्राप्त करते हैं। कृषि विभाग की ओर से इस साल अप्रेल से लेकर अब तक भूजल व अन्य स्त्रोतों के करीब 245 पानी के नमूनों की जांच की गई। इनमें से 99 प्रतिशत नमूने खराब निकले। पाली जिले में बेहतर पानी केवल अरावली की तलहटी वाले क्षेत्र सादड़ी, देसूरी आदि में है। जहां फसल उत्पादन अन्य जगहों से कुछ बेहतर होता है।

पाली के पानी में ये तत्व अधिक

पाली जिले के भूजल में साधारण भाषा में कहे तो नमक की मात्रा अधिक है। पानी में सोडियम, पोटेशियम, बाई कार्बोनेट, कार्बोनेट, सल्फेट व क्लोराइड की मात्रा अधिक रहती है। इस कारण बीज बोने के बाद अंकुरण में समस्या आती है। पौधे को पोषक तत्व भी कम मिल पाते है।

बरसात की कमी से समस्या अधिक

जिले में बरसात होने पर बांधों में पानी की आवक होती है। इससे आस-पास के क्षेत्रों में भूजल स्तर बढने पर सोडियम आदि की मात्रा कम हो जाती है। ऐसा ही नदियों के बहाव क्षेत्र के पास वाले कुओं में होता है। इस बार बरसात की कमी के कारण भूजल में इन तत्वों की मात्रा अधिक है।

मिट्टी में क्षारियता अधिक

पाली के खेतों में 10 प्रतिशत तक मिट्टी भी बेहतर नहीं है। उसमें क्षारियता व लवणियता की मात्रा अधिक है। जिले में इस साल जांचे गए 13 हजार 105 मिट्टी के नमूनों में से 10 प्रतिशत में क्षारियता व लवणियता की समस्या आई थी। इस पर उन किसानों को मिट्टी उपचार कर फसल बोने की सलाह दी गई।

जिंक को विभिन्न श्रेणियों में मिले 13 पुरस्कार

चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर, दरीबा स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स, रामपुरा आगुचा एवं कायड़ माइंस सहित, पंतनगर मेटल प्लांट की टीमों ने जीते पुरस्कार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। हिंदुस्तान जिंक के चंदेरिया लेड ज़िंक स्मेल्टर, दरीबा स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स, रामपुरा आगुचा और कायड माइंस ने इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कंट्रोल सर्किलों में शीर्ष पुरस्कार जीते। क्वालिटी सर्किल फोरम ऑन इंडिया द्वारा हैदराबाद में आयोजित 46वें इंटरनेशनल कन्वेंशन में विभिन्न श्रेणियों में अवार्ड से सम्मानित किया गया। पार एक्सीलेंस एट आईसीक्यूसीसी के लिये दरीबा स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स और पंतनगर मेटल प्लांट से दो-दो टीमों, चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर यूनिट-2 से एक टीम और चंदेरिया सीपीपी से एक टीम, रामपुरा अगुचा और कायड माइंस से एक एक टीम एवं एक्सीलेंस अवार्ड के लिये चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर से तीन, पंतनगर मेटल प्लांट और रामपुरा अगुचा माइंस से एक एक टीम ने क्वालिटी कांसेप्ट फेसिलेटिंग सोशल एवं इकॉनोमिक टर्नअराउण्ड थीम पर केस स्टडीज प्रस्तुत कर यह उपलब्धि हासिल की। गौरतलब है कि हिंदुस्तान जिंक नवाचार और उच्च प्रदर्शन की परंपरा को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्ता पर बहुत जोर देता है। गुणवत्ता लक्ष्य के लिए तय मानकों को प्राप्त करने और बनाए रखने में कंपनी प्रतिबद्ध है जो हमें व्यापारिक लक्ष्यों को भी हासिल करने में मदद करते हैं।

बरसात की कमी के कारण इस बार गेहूं की बुवाई 64 प्रतिशत कम

देसी की जगह पंजाब व अन्य प्रांतों की खानी होगी 'कणक'

रायड़े की बुवाई का क्षेत्र बढ़ा 28 हजार 437 हैक्टेयर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पाली। इस बार जिलेवासियों को देसी कणक (गेहूं) की जगह पंजाब, हरियाणा व अन्य प्रांतों के गेहूं खाने होंगे। कारण जिले में बरसात की कमी के कारण गेहूं की बुवाई का क्षेत्र घटना है। गेहूं का बुवाई क्षेत्र लक्ष्य के मुकाबले करीब 64 प्रतिशत कम हो गया है। इसकी जगह रायड़े की बुवाई का क्षेत्रफल 28 हजार 437 हैक्टेयर बढ़ा है। कृषि अधिकारियों के अनुसार अभी कुछ किसान गेहूं की बुवाई करेंगे, लेकिन वह लक्ष्य के करीब नहीं पहुंच सकेगा। इस बार जिले में अनाज (गेहूं व जौ) के लिए तय 83000 हैक्टेयर की तुलना में अभी तक 30 हजार 491 हैक्टेयर में ही बुवाई हुई है। जौ के तय लक्ष्य 8000 के मुकाबले 3556 हैक्टेयर में बुवाई हुई है।

जिले में इतनी हुई अनाज व दलहन की बुवाई

कृषि विभाग की ओर से जिले को तीन भागों उप जिला पाली, उप जिला बाली व उप जिला सोजत में बांटा हुआ है। इसमें उप जिला पाली में गेहूं की बुवाई लक्ष्य 24 हजार के मुकाबले 11 हजार 675, बाली में 23 हजार के मुकाबले 6100 व सोजत में 28 हजार के मुकाबले 9160 हैक्टेयर में बोया गया है। उप जिला पाली में जौ 1500 की जगह 266, बाली में 3500 की जगह 800 व सोजत में 3000 की जगह 2490 हैक्टेयर में बोया गया है। उप जिला पाली में चना 39 हजार की जगह 36 हजार 835, बाली में 12 हजार की जगह 8385 व सोजत में 29 हजार की जगह 31 हजार 230 हैक्टेयर में बोया गया है।

तिलहन में सिर्फ रायड़ा व तारामीरा

जिले में तिलहनी फसल रायड़ा व तारामीरा की ही बुवाई हुई है। उपजिला पाली में रायड़ा 37 हजार 280, बाली में 22 हजार 620 व सोजत में 23 हजार 537 हैक्टेयर में बोया गया है। तारामीरा लक्ष्य 9000 के मुकाबले उप जिला पाली में 2230, बाली में बिना लक्ष्य के 3251 व सोजत में 5000 हजार के मुकाबले 5354 हैक्टेयर में बोया गया है।

एक साल पहले ही तैयारियां शुरू

जैन तीर्थ महावीरजी में 24 साल बाद महामस्तकाभिषेक महोत्सव होगा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

महावीरजी। उत्तर भारत के सबसे बड़े जैन तीर्थ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र महावीरजी में 24 साल बाद भगवान महावीर का महामस्तकाभिषेक महोत्सव होगा। अगले साल नवंबर महीने में होने वाले इस विशाल महोत्सव की तैयारियां एक पहले ही सकल जैन समाज ने शुरू कर दी है। इसके लिए भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति का गठन किया गया है। इसके कार्यालय का उद्घाटन नारायणसिंह सर्किल स्थित भट्टारकजी की नसियां के कुंदकुंद सभागार में करौली के अतिशय क्षेत्र महावीरजी मंदिर प्रबंधन के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल ने किया।

इस दौरान आयोजित धर्मसभा का दीप प्रज्वलन महोत्सव समिति के गौरवाध्यक्ष एनके सेठी, अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, कार्याध्यक्ष विवेक काला, महामंत्री महेंद्रकुमार पाटनी, कोषाध्यक्ष उमरावमल संधी, संयोजक सुभाष चन्द जौहरी, सह संयोजक सुरेश सबलावत व राकेश सेठी कोलकाता द्वारा किया गया।

प्रसार संयोजक मनीष बैद ने बताया कि करौली के हिण्डौन में ग्राम श्री महावीरजी में स्थित सुविख्यात तीर्थ स्थल दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र महावीरजी में विराजित भगवान महावीर स्वामी की मनोरम प्रतिमाजी का महामस्तकाभिषेक महोत्सव वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज के सान्निध्य में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ आगामी वर्ष 24 नवंबर से 30 नवंबर, 2022 तक वृहद स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इससे पहले वर्ष 1998 में महामस्तकाभिषेक समारोह आयोजित हुआ था। आचार्यश्री के संघ में 11 मुनिराज, 17 आर्यिका माताजी एवं 02 क्षुल्लक जी हैं। महोत्सव के सुचारू संचालन के लिए 49 समितियों का गठन किया जाएगा। महोत्सव में वर्धमान कलश, नवरत्न कलश, रत्न कलश,, स्वर्ण कलश, रजत कलश, ताम्र कलश सहित 108 कलश होंगे।

'लंगडा जायेगा' अमेरिका, निर्यात पर सहमति

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। देश से जल्द ही दशहरी और लंगड़ा जैसे आम का निर्यात अमेरिका को किया जायेगा। अमेरिका ने भारत की निर्दिष्ट एजेंसियों के परीक्षण प्रमाणपत्र स्वीकार करने पर सहमति व्यक्त की है। एपिड़ा के अनुसार भारत ने पिछले दो साल में अमेरिका को आम का निर्यात नहीं किया है। निर्धारित व्यवस्था के तहत फल और पौधों की सेहत की निगरानी से जुड़ा अमेरिकी निरीक्षक यहां आकर प्रक्रिया को देखता है। इसे निर्यात से पहले पूर्व मंजूरी प्रक्रिया कहते हैं। निरीक्षक 2020 और 2021 में नहीं आए। उधर, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने भारत से आम, अनार के निर्यात और अमेरिका से चेरी तथा पशुओं के लिए चारे में उपयोग होने वाले 'अल्फाल्फा हे' के आयात के उपायों पर काम करने पर बनी सहमति का स्वागत किया।

आम के साथ अनार का भी होगा निर्यात

संयुक्त बयान के अनुसार भारत से आम और अनार के निर्यात को सुगम बनाने के लिए अमेरिका दोनों फलों के लिए पूर्व मंजूरी कार्यक्रम/ विकिरण के नियामकीय निरीक्षण के हस्तांतरण को अंतिम रूप देगा और भारतीय अधिकारियों को सौंपेगा। अधिकारी ने इसे स्पष्ट करते हुए कहा कि भारतीय आम फिलहाल अमेरिका को निर्यात योग्य नहीं है। लेकिन, अब इसके निर्यात की संभावना बनी है। क्योंकि, दोनों पक्ष निर्यात को लेकर मुद्दों के समाधान पर सहमत हुए हैं।

दिल्ली में बिकेगी कैलीफोर्निया की चेरी

उन्होंने बताया कि कैलीफोर्निया की चेरी दिल्ली के सुपर मार्केट में उपलब्ध होगी। इस बारे में भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि अमेरिका भारत के लिए एक प्रमुख बाजार है और इसकी पहुंच न केवल निर्यात को बढ़ावा देगी।

एक सौ बीघा में बनेगा मिनी फूड पार्क

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बाड़मेर। जिला प्रशासन ने मिनी फूड पार्क के लिए बांदरा गांव के समीप करीब 100 बीघा जमीन आवंटित की है। राज्य सरकार की बजट घोषणा के तहत आवंटित हो रहे इस पार्क से किसानों को एग्रो प्रोसेसिंग के लिए फायदा मिलेगा। जानकारी के अनुसार इस मिनी फूड पार्क में कृषि जिंसों के उत्पादन क्षेत्र के समीप ही खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों, कोल्ड स्टोरेज, इन्कयूबेशन सेंटर, वेयर हाऊस, कॉमन प्लेटफार्म आदि की स्थापना की जाएगी। मिनी फूड पार्क की स्थापना से स्थानीय कृषि उपजों के प्रसंस्करण, व्यवसाय, निर्यात एवं मूल्य संवर्द्धन को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे किसानों की आय में भी इजाफा होने की उम्मीद है।

यह मिलेगी सुविधा

मिनी फूड पार्क कृषि विपणन विभाग और कृषि विपणन बोर्ड के माध्यम से विकसित किया जाएगा। फूड पार्क में चारदीवारी, आंतरिक सड़कें, ड्रेनेज, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, ट्रीटमेंट प्लांट, वे-ब्रिज, पार्किंग, कार्यालय भवन आदि संरचनाएं विकसित की जाएगी।

10 करोड़ होंगे खर्च

इस मिनी फूड पार्क को विकसित करने में दस करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होगी। किसानों को भी अपनी प्रोसेसिंग युनिट के लिए पचास प्रतिशत तक का अनुदान मिलेगा। जो राशि पांच करोड़ तक हो सकती है।

बकाया राशि का भुगतान जनवरी से

अजमेर डेयरी की वार्षिक आमसभा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अजमेर। अजमेर डेयरी की तीसवी वार्षिक आमसभा डेयरी अध्यक्ष रामचन्द्र चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस बैठक में डेयरी का 897 करोड़ के बजट का अनुमोदन किया गया। इसमें 865 करोड़ डेयरी और 32 करोड़ राज्य सरकार की अनुदान है। डेयरी वित्तीय वर्ष में 15.82 करोड़ रूपए दूध के खरीद पर खर्च करेगी। चौधरी ने कहा कि डेयरी अप्रेल तक 2022 दूध का विक्रय मूल्य नहीं बढ़ाएगी। आमसभा मे बैठक की कार्यवाही को मंजूरी दी गई। बैठक में चौधरी ने कहा कि डेयरी की तरफ से दुग्ध उत्पादकों को पेमेंट देने में देरी हुई है। लेकिन, दुग्ध उत्पादक भरोसा रखें। पिछले दो सालों से कोरोना के चलते उद्योग धंधे धार्मिक कायक्रम शादी समारोह सब ठप हो गया था । इससे सभी को परेशानी का सामना करना पड़ा। 15 जनवरी तक दुग्ध उत्पादकों का बकाया चुका दिया जाएगा।

प्रस्तावों का अनुमादन

वित्तीय वर्ष 2019-2020 के लेखों का अनुमोदन, 2019-20, 2020-21 के लेखों का अंकेक्षण, अध्यक्ष और संचालक मंडल के खर्चो का अनुमोदन, अंकेक्षक की नियुक्ति, वर्ष 2019-2020-21 के लाभांस/ बोनस वितरण करने और गत वर्षो की भांति लाभांस/ बोनस का भुगतान समिति के दुग्ध भुगतान के साथ करने पर विचार सहित 19 प्रस्तावों का अनुमादन किया गया। बैठक में अजमेर डेयरी एमडी उमेश व्यास तथा अजमेर डेयरी संचालक मंडल के सदस्य और दुग्ध उत्पादक समितियों के अध्यक्ष, सचिव शामिल हुए।

फल-फूल रहा जुए, सट्टे का कारोबार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा @ जमील अहमद। आर्थिक अपराध की श्रेणी में आने वाले अवैध सट्टेबाजी तथा जुआ के धंधों का कारोबार निम्बाहेड़ा में बड़े पैमाने पर अपने पांव पसारता जा रहा है। उक्त अवैध कारोबार शहर के बस स्टैंड, जावद दरवाज़ा, नेहरू पार्क के आस पास क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करता जा रहा है जबकि स्थानीय पुलिस अनभिज्ञता जाहिर करती रहती है।

उक्त अवैध सट्टे तथा जुएं का कारोबार स्थानीय पुलिस अनभिज्ञाता कहें या अनदेखी। इसी के चलते इस दिनों बस स्टैंड, जावद दरवाज़ा, नेहरू पार्क के आस पास क्षेत्र में धड़ल्ले से जुए का खेल खुलेआम खेला जा रहा है। जुए-सट्टे की खाईवाड़ी लेने वाले व्यक्ति किसी एक जगह की आड़ में अपने गुर्गो के माध्यम से प्रतिदिन हजारों के बारे-न्यारे करता आ रहा है। वहीं क्षेत्र के अन्य स्थानों पर भी जुए की फड़ लगाने तथा लाखों के वारे-न्यारे किये जाने का कार्य धड़ल्ले से किया जा रहा है। पुलिस की नाक के नीचे लगने वाले जुए के फड़ तथा पुलिस की अनभिज्ञता जाहिर करना पुलिस को सवालों के कटघरे में खड़े करने हेतु काफी है। नाम न छापने की शर्त पर कई लोगों द्वारा बताया गया है कि यहां हजारों के दांव लगाये जाते हैं। इसके अलावा एक अन्य का कहना था कि सैंकड़ों परिवार इस दलदल में खत्म हो रहे हैं। कईयों के घर में चूल्हे तक नहीं जल पाते। वहीं सट्टे के संचालक तथा उनके गुर्गो की पौ बारह बनी हुयी है। स्थानीय संवाददाता के अनुसार लोगों का कहना है कि पुलिस से शिकायत की जाती है तो वह कार्रवाई नहीं करती।

जागरूक जनता फेसबुक पेज
jagrukjanta.net
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें अपडेट
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

ANCHOR | अभिनन्दन समारोह

अनिवार्य होगी वैक्सीन, बालकों का टीकाकरण एक जनवरी से-परसादी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

लालसोट/जयपुर। प्रदेश के चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीणा ने कहा कि कोरोना का नया वैरियंट हम सब के लिए एक चुनौतीपूर्ण है। इससे निपटने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह तैयार है। कोरोना की इस लड़ाई में लोगों को भी सजग रहना होगा। एक जनवरी से बालकों को भी कोरोना की डोज लगेगी।

उन्होंने यह बात लालसोट में आयोजित अभिनंदन समारोह में कही। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में एक बार फिर कोरोना के केस बढना चिन्ता की बात है। इस पर सरकार की पूरी निगरानी है। सरकार की मंशा है कि प्रदेश की जनता इस खतरनाक वैरिएंट से सुरक्षित रहें। कोरोना वैक्सीन को अनिवार्य किया जाएगा। चाहे इसके लिए कानून भी बनाया जायेगा। सभी लोग दूसरी डोज जरूर लगाएं। उन्होंने कहा कि सरकार कोरोना से मृत लोगों के परिवार को पैकेज देने के लिए संकल्पबद्ध हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इन परिवारों की सात दिन में सूची तैयार करें। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में लालसोट मॉडल लागू होगा। जिस तरह लालसोट की सभी पीएचसी व सीएचसी पर आमजन को नि:शुल्क जांच व दवा योजनाओं का लाभ मिल रहा है, उसी तरह प्रदेश भर में मजबूत चिकित्सा तंत्र बनाया जाएगा। इस मौके पर पीसीसी के पूर्व सचिव कमल मीना, प्रधान नाथूलाल मीना, डॉ कौशल्या मीना, चेयरमैन रक्षा मिश्रा, पालिका उपाध्यक्ष सन्तोष स्वामी, पूर्व पालिका चेयरमैन दिनेश मिश्र, उप प्रधान सूरज कटारा, डॉ. मोहनलाल मीणा, सावत्री सैनी, सरपंच संघ अध्यक्ष हेमराज मीणा, सरपंच प्रद्युमन सिंह, नगर अध्यक्ष राजेंद्र पाखला,सुदीप मिश्रा, महेश सोनी, दीपक पटेल ईश्वरलाल मीणा, शंकरलाल जमात, सुरज्ञान डोई समेत कई जनों ने संबोधित किया। मंच संचालन पूर्व पार्षद चंद्रशेखर जांगिड़ ने किया।

2023 से पहले मिलेगा ईसरदा का पानी

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोले जाएं जिले में आमजन को पेयजल सुलभ कराने के लिए सरकार प्रयासरत है। जिले को जनता को वर्ष 2023 से पहले ईसरदा का पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

ईमानदार कार्मिक ही यहां रहेंगे

चिकित्सा मंत्री परसादीलाल ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन्हें इतने महत्वपूर्ण विभाग का जिम्मा देकर पूरे लालसोट क्षेत्र का मान बढ़ाया है। उनका प्रयास रहेगा कि वे जनता के विश्वास पर हमेशा खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं होगा। ईमानदारी से काम करने वाले व अधिकारी-कर्मचारी ही यहां रहेंगे। जिसको पैसा कमाना हो वह यहां से चले जाएं। उन्होंने अधिकारियों को भी चेतावनी देते हुए कहा कि जनता काकाम करने में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं होगी।

हॉस्पिटल के लिए 35 करोड़ स्वीकृत

लालसोट उप जिला हॉस्पिटल के लिए साढ़े 35 करोड़ का बजट मंजूर हो गया है, जल्द ही मुख्यमंत्री से इसका शिलान्यास कराया जायगा। उन्होंने कहा कि रामगढ़ पचवारा में भी उपखण्ड स्तरीय हॉस्पिटल खोला जाएगा।

डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23 | R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

अमित शाह का राजस्थान में 2 दिन का दौरा तय

4 दिसंबर को जैसलमेर में BSF राइजिंग-डे प्रोग्राम करेंगे अटैंड, जयपुर में 5 को रोड शो

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का राजस्थान दौरा तय हो गया है। जो दो दिन के राजस्थान दौरे पर रहेंगे। 4 दिसम्बर को अमित शाह जैसलमेर पहुंचकर बीएसएफ के राइजिंग डे कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। तनोट माता मंदिर में दर्शन करेंगे और सेना के जवानों से मिलेंगे। शाह बीएसएफ की अग्रिम सीमा चौकी पर ही रात को ठहरेंगे। 5 दिसम्बर को जैसलमेर के शहीद पूनमसिंह स्टेडियम में बीएसएफ के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद जयपुर रवाना होंगे। 5 दिसंबर को सुबह 10.30 बजे शाह जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से जेईसीआरसी सीतापुरा तक शाह का रोड शो और स्वागत कार्यक्रम होगा। जिसकी तैयारियां बीजेपी ने तेज कर दी हैं। अब जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में होने वाले कार्यक्रम की जगह बदलकर जेईसीआरसी कर दी गई है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह बीएसएफ के 57वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेने 4 दिसम्बर को दिल्ली से जैसलमेर पहुंचेंगे। पहली बार यह कार्यक्रम दिल्ली से बाहर जैसलमेर में होने जा रहा है। आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम में बीएसएफ का स्थापना दिवस जैसलमेर में मोर्चे पर मनाने का फैसला केन्द्र सरकार ने लिया है। जैसलमेर में शाह तनोट माता मंदिर में दर्शन करेंगे। बीएसएफ जवानों से मिलकर उनकी हौसला अफजाई करेंगे और रात को अग्रिम मोर्चे की रोहिताश सीमा चौकी पर ही ठहरेंगे। वेस्टर्न कमांड चंडीगढ़ के एडीजी एनएस जामवाल भी जैसलमेर पहुंच चुके हैं। 5 दिसम्बर की सुबह जैसलमेर के शहीद पूनमसिंह स्टेडियम में बीएसएफ के स्थापना दिवस पर राइजिंग डे सेरेनमी कार्यक्रम में शाह शिरकत करेंगे। इसके बाद जयपुर रवाना हो जाएंगे।

5 को जयपुर में कार्यसमिति - जनप्रतिनिधि सम्मेलन, रोड शो

दिसम्बर की सुबह करीब 10.30 बजे अमित शाह का जयपुर के सांगानेर एयरपोर्ट पहुंचने का कार्यक्रम है। एयरपोर्ट से शाह सीधे सीतापुरा जाएंगे। इस दौरान उनका रोड शो होगा। बीजेपी के मंडल और कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। जेईसीआरसी सीतापुरा कन्वेंशन सेंटर में अमित शाह बीजेपी प्रदेश कार्यसमिति के समापन सत्र को संबोधित करेंगे। कार्यसमिति की बैठक के बाद वहीं पर बीजेपी जन प्रतिनिधि सम्मेलन को भी शाह संबोधित करेंगे।

जनप्रतिनिधि सम्मेलन में 10 हजार की जुटेगी भीड़

सम्मेलन में करीब 10 हजार जन प्रतिनिधि शामिल होंगे। बड़े कार्यक्रम कार्यक्रम के कारण ही प्रदेश भाजपा ने कार्यसमिति और जनप्रतिनिधि सम्मेलन की जगह में बदलाव किया है। पहले बिड़ला ऑडिटोरियम में कार्यसमिति का कार्यक्रम और आदर्श नगर के सूरज मैदान में जनप्रतिनिधि सम्मेलन रखने का प्लान था, लेकिन उसकी कैपिसिटी क्षमता कम होने और सुरक्षा के मद्देनजर जगह में बदलाव किया गया है।

लोस में कृषि कानून वापसी बिल पास

हंगामे के बाद कार्यवाही स्थगित, किसान बोले- आंदोलन जारी रहेगा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। लोकसभा में विंटर सेशन शुरू होते ही कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कृषि कानून वापसी का बिल पेश किया, जो पास भी हो गया। इसके बाद कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने कानून वापसी पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने विपक्ष से कहा कि आप चर्चा चाहते हैं तो हम वो करवाने को तैयार हैं, लेकिन विपक्ष ने नारेबाजी जारी रखी। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित कर दी गई थी। इस बीच, संयुक्त किसान मोर्चा के लीडर राकेश टिकैत ने कहा, कृषि कानून वापस हो चुके हैं, लेकिन अब MSP और किसानों की समस्याओं पर चर्चा होनी चाहिए। हम 4 दिसंबर को एक बैठक करेंगे और उस पर आंदोलन की दिशा तय की जाएगी। तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

मोदी ने सत्र से पहले की थी शांति बनाए रखने की अपील

संसद के शीतकालीन सत्र की कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

राजनीतिक दलों से शांति और मर्यादा बनाए रखने की अपील की। PM ने कहा कि संसद में सवाल हो, लेकिन शांति भी बनी रहे। हमारी पहचान इस बात से हो कि हमने सदन में कितने घंटे काम किया, न कि इस बात से कि सदन में किसने कितना जोर लगाकर संसद को रोका। प्रधानमंत्री का इशारा विपक्ष के हंगामे की तरफ था। इधर, कृषि कानूनों की वापसी की मांग को लेकर कांग्रेस ने संसद परिसर में धरना दिया। इसमें कांग्रेस की कार्यवाहक अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल समेत पार्टी नेता शामिल हुए। आज ही संसद में कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर कृषि कानून वापसी बिल पेश करेंगे, जिसे लेकर सांसदों को भेजे गए संसदीय नोट की भाषा पर विवाद खड़ा हो चुका है।

कार्यवाही को लेकर मोदी के 4 संदेश

1. मोदी ने कहा, "हमने देखा कि पिछले दिनों संविधान दिवस भी नए संकल्प के साथ संविधान की आत्मा को चरितार्थ करने के लिए सभी के दायित्व के संबंध में पूरे देश ने संकल्प किया है। इन सबको देखते हुए हम चाहेंगे, देश भी चाहेगा, हर नागरिक चाहेगा कि ये संसद सत्र और आगे आने वाला सत्र आजादी के दीवानों की भावना और अमृत महोत्सव की भावना के लिहाज से संसद भी देश हित में चर्चा करे।"

2. प्रधानमंत्री ने कहा कि आशा करता हूं कि भविष्य में संसद को कैसा चलाया, कितना अच्छा योगदान किया इस तराजू पर तौला जाए। किसने कितना जोर लगाकर संसद को रोका, ये मानदंड नहीं होगा। ये मानदंड होगा कि संसद में कितने घंटे काम हुआ। सरकार हर मुद्दे पर चर्चा और सवाल का जवाब देने को तैयार है। संसद में सवाल भी हो और शांति भी हो।

3. "सरकार के खिलाफ, नीतियों के खिलाफ जितनी आवाज प्रखर होनी चाहिए वो हो, लेकिन संसद की गरिमा, स्पीकर की गरिमा, चेयर की गरिमा के विषय में हम वो आचरण करें, जो आने वाले दिनों में देश की युवा पीढ़ी के काम आए।"

Arvind
Raymond
FABRIC FOR SHIRTS
TROUSERS, SUITS, JACKETS
KURTA & PAYJAMA
DESIGN & CUSTOM
TAILORING
ALSO AVAILABLE
G-16-17, Vrindavan Complex
Central Spine
Vidhyadhar Nagar, Jaipur
Mo. : 9828084878
Ph. : 0141-2339890

Computer Paradise
Desktop / Laptop / Printer Sale & Service
All Type Accessories • Antivirus Software
Toner Cartridge Refilling • Computer Peripherals
hp lenovo acer intel Tally Canon EPSON DELL
Bhupendra Singh Tanwar
computer.paradise@hotmail.com
9352566707
G-3, Plot No. B-23, L. S. Nagar, Naya Khera, Vidhyadhar Nagar, Jaipur-302039

ओले, बारिश से बदलेगा मौसम, बढ़ेगी ठंडक

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में बारिश का दौर शुरू होगा। उदयपुर, कोटा, अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग में 2 से 5 दिसंबर के बीच बौछारें पड़ सकती हैं। एक से चार दिसंबर तक प्रदेश में पूर्वी हिस्सों में बादल छाए रहेंगे। इससे दिन का अधिकतम तापमान में गिरावट होगी और सर्दी बढ़ेगी। मौसम विभाग ने इस बीच कहीं-कहीं ओले गिरने की भी चेतावनी दी है।

2 और 3 दिसंबर को ज्यादा असर

जयपुर मौसम केन्द्र के मुताबिक, राजस्थान में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इस विक्षोभ का प्रभाव एक दिसंबर से उदयपुर, कोटा के जिलों में देखने को मिलेगा। यहां बादल छाने के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी होगी। मौसम वैज्ञानिक हिमांशु शर्मा ने बताया कि इस सिस्टम का असर 4 दिसंबर तक रहेगा। 2 और 3 दिसंबर को उदयपुर, कोटा संभाग में सबसे ज्यादा असर देखने को मिलेगा। उदयपुर, राजसमंद, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, पाली, कोटा, झालावाड़, बारां, सवाई माधोपुर और टोंक जिलों में बारिश की संभावना है। उन्होंने बताया कि जब ये सिस्टम गुजरने लगेगा तो 3 व 4 दिसंबर को उदयपुर, कोटा संभाग के अलावा अजमेर, टोंक और नागौर के कुछ हिस्सों, जयपुर, दौसा, अलवर, सवाई माधोपुर, भरतपुर, धौलपुर और करौली जिलों में बारिश हो सकती है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

विनायक ज्वैलर्स
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
22 K 916 हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Silver Utensiles
Certified राशि रत्न
BIS 100% Hall Marked Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhya Dhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

25वें नेवी चीफ बने एडमिरल आर. हरि कुमार, चार्ज लेते ही मां के पैर छूकर लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। एडमिरल आर. हरि कुमार ने मंगलवार को भारतीय नौसेना के 25वें नेवी चीफ का पदभार संभाला। इस मौके पर देश को भारतीय संस्कार की झलक देखने को मिली। इतने बड़े पद पर पहुंचने के बाद भी एडमिरल कुमार अपना संस्कार नहीं भूले। दरअसल, पदभार संभालने के बाद कुमार भावुक हो गए और उन्होंने अपनी मां के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मां ने गले लगा कर बेटे को बधाई दी। न्यूज एजेंसी ANI ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें एडमिरल कुमार मां के पैर छूकर आशीर्वाद लेते दिखाई दे रहे हैं। नए नौसेना प्रमुख को साउथ ब्लॉक लॉन में गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया।

प्रदीप पीएचईडी विभाग में एईएन पद के लिए चयनित

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पूतली निवासी इंजीनियर प्रदीप पुत्र दयाराम कसाना का राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित की गई भर्ती परीक्षाओं में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के लिए सहायक अभियंता (एईएन) पद के लिए चयनित होकर सफलता प्राप्त की है। प्रदीप ने अपनी उपलब्धि से परिवार, समाज व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रदीप ने अपनी शिक्षा जयपुर में रहकर पूरी की। आरपीएससी परीक्षाओं के लिए उन्होंने प्रतिदिन 6 से 8 घण्टे का अध्ययन किया।

अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इंजीनियर प्रदीप की उपलब्धि पर पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, कैबिनेट मंत्री शकुन्तला रावत, आरपीएस राजेश कसाना,रमेश दौराता नौरंगपुरा, देव सेना अध्यक्ष सचिन रावत पाटन, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष राजेश रावत, कृष्ण टोरडा, सिन्नू गुर्जर, महेन्द्र सिंह खटाना, सुमेर पटेल, सुरेश खटाना, हीरालाल रावत, संदीप गुर्जर नौरंगपुरा, राहुल मूसनौता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

4 दिसम्बर को ग्राम पंचायत बसई में लगेगा कस्टोडियन भूमि आंवटन कैम्प

कस्टोडियन भूमि के आंवटन के लिए ज्यादा से ज्यादा करें आवेदन-एसडीएम शुभमंगला

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटपूतली। आगामी 4 दिसम्बर को बसई सहित पेजूका एवं जाहिदपुरा गाँवों में स्थित कस्टोडियन भूमि के आवंटन के लिए बसई पंचायत मुख्यालय पर कस्टोडियन भूमि आंवटन कैम्प लगाया जायेगा। उल्लेखनीय है कि इसको लेकर एसडीएम डॉ.टी. शुभमंगला द्वारा पूर्व में उद्घोषणा जारी की गई थी।उद्घोषणा के तहत कुल 2184 बीघा कस्टोडियन भूमि का आंवटन होना है।जिसको लेकर निर्धारित प्रपत्र में आंवटन हेतु 4 दिसम्बर तक एसडीएम कार्यालय में आवेदन किया जा सकता है। तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इसको लेकर ग्राम अनुसार सूची तहसील व ग्राम पंचायत कार्यालयों पर लगाई गई हैं।ज्ञात रहे कि विगत 3 नवम्बर को भालोजी में लगे कैम्प में 198 किसानों को कुल 405 बीघा (101.38 है.) भूमि के खातेदारी अधिकार प्रदान किए गए थे। इसी प्रकार बसई में 306 हैक्टेयर, पेजूका में 135 एवं जाहिदपुरा में 105 है, कस्टोडियन भूमि का आंवटन होना है। जिसको लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर हैं।आंवटन की प्रक्रिया को लेकर बसई ग्राम पंचायत मुख्यालय पर रात्रि चौपाल का आयोजन हुआ। जहाँ एसडीएम ने कृषकों को विस्तार से जानकारी देते हुए ज्यादा से ज्यादा संख्या में आवेदन किए जाने की बात कही।वहीं तहसीलदार शर्मा ने सभी कृषकों को आवेदन का तरीका बताया। इसके साथ ही खातेदारी अधिकारों से होने वाले लाभों के बारे में भी जानकारी दी। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान सरपंच प्रतिनिधि सत्यवीर मीणा,पूर्व पंचायत समिति सदस्य दाताराम जाट सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खेड़की मुक्कड़ में लगा शिविर

इसी प्रकार निकटवर्ती ग्राम पंचायत खेडकी मुक्कड़ में एसडीएम डॉ.टी. शुभमंगला की अध्यक्षता में प्रशासन गाँवों के संग शिविर का आयोजन हुआ।जिसमें नामान्तरण के 43, राजस्व अभिलेख/खातों का शुद्धिकरण के 142, आपसी सहमति से खातों का विभाजन के 08, रास्ते के 06, सहमति से पैतृक भूमि (कृषि) के लम्बित वाद निस्तारण के 03 एवं 05 नये जॉबकार्ड जारी किये गये जबकि 311 जॉबकार्डो का सत्यापन किया गया,नरेगा सॉफ्टवेयर पर 19 मोबाईल नम्बर अपलोड किए गए,जन्म-मृत्यु के 43 प्रमाण पत्र जारी किये गये, नियम 157 के तहत पुराने भवनों का विनियमितिकरण पट्टा आंवटन की प्रगति के 65 व 10 मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किये गये। जबकि 03 हैण्डपम्प की मरम्मत करवाई गई, त्रुटिपूर्ण मीटर सम्बंधी समस्याओ का निपटारा किया गया।पालनहार योजना का प्रचार-प्रसार एवं सत्यापन किया गया।कोरोना वैक्सीन की 46 लोगों के द्वितीय डोज लगाई गई। वहीं शिविर में 83 मरीजों का उपचार किया गया व 70 लोगों की ब्लड शुगर की जाँच की गई। इस दौरान तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

सरकारी नियुक्ति लेने वाले विधायकों को कुछ नहीं मिलेगा

सीएम के सलाहकारों और संसदीय सचिवों को न मंत्री का दर्जा, न वेतन भत्ते

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के छह सलाहकारों की नियुक्ति पर हुए विवाद के बीच अब सरकार ने इन्हें लाभ के पद के दायरे से बाहर निकालने की तरकीब सोच ली है। अब तक बने सीएम के 6 सलाहकारों और आगे बनने वाले संसदीय सचिवों को अब न मंत्री का दर्जा मिलेगा, न वेतन-भत्ते और न दूसरी सुविधाएं मिलेंगी। आगे बोर्ड, निगमों में विधायकों को राजनीतिक नियुक्ति देने में भी यही पैटर्न अपनाया जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीते दिनों साफ तौर पर इसके संकेत दे दिए हैं कि विधायकों को इस तरह नियुक्तियां दी जाएंगी, जिससे वे लाभ के पद के दायरे से बाहर रहें। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के छह सलाहकारों की नियुक्ति को बीजेपी ने लाभ का पद करार देते हुए राज्यपाल को चिट्ठी लिखकर हस्तक्षेप करने की मांग की थी। राज्यपाल ने इस पर सरकार से जवाब मांगा है, सरकार की तरफ से जवाब भेजा जा रहा है। इस वजह से ससंदीय सचिवों की नियुक्ति फिलहाल रुकी हुई है।

गहलोत बोले- बिना वेतन सलाहकार, संसदीय सचिव बनाने से कौन रोकेगा

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- सबको पता है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कोई राज्य सरकार विधायकों को मंत्री का दर्जा नहीं दे सकती। वेतन और भत्ते नहीं मिल सकते हैं। इन्हें आप घटा दो तो आप सलाहकार बनाओ, संसदीय सचिव बनाओ, कौन आपको रोकेगा? हम आदेश निकालेंगे तो ऐसा निकालेंगे जिसमें कोई तकलीफ नहीं हो। सरकार चला रहे हैं तो हमें भी पता है क्या होना चाहिए। पहले संसदीय सचिव बनते थे तो सीएम शपथ दिलाते थे। अब आप मंत्री का दर्जा और वेतन भत्ते नहीं दे सकते, साधारण सी बात है।

सीएम के बयान के मायने

सीएम के बयान से यह साफ हो गया है कि आगे अब विधायकों को मिलने वाली नियुक्तियों में मंत्री का दर्जा नहीं मिलेगा। वेतन भत्ते नहीं मिलेंगे। अब भी बड़ी संख्या में कांग्रेस और निर्दलीय विधायक संसदीय सचिव और राजनीतिक नियुक्तियों के लिए कतार में हैं। अब यह तय हो गया है कि इन पदों का चार्म खत्म हो जाएगा।

विधायक लाभ के पद पर नहीं रह सकते

कानूनी प्रावधानों के मुताबिक कोई भी विधायक मंत्री को छोड़ ऐसा कोई पद नहीं ले सकते, जिसमें वेतन भत्ते सहित कोई नकद लाभ मिलता हो। इस वजह से कैबिनेट या राज्य मंत्री का दर्जा भी नहीं ले सकते। बोर्ड, निगमों के अध्यक्ष,संसदीय सचिव या सलाहकार के पद पर विधायक को अगर मंत्री का दर्जा दिया जाता है तो इसे लाभ का पद माना जाएगा। विधायक के लाभ के पद पर होने पर इस्तीफा देना होता है।

मंत्री बनने से वंचित विधायकों का असंतोष दूर करने में दिक्कत आएगी

मंत्री बनने से वंचित विधायकों को संतुष्ट करने के लिए अब तक संसदीय सचिव और राजनीतिक नियुक्तियां देकर संतुष्ट किया जाता रहा है। अब मंत्री बनने से वंचित विधायकों का असंतोष दूर करने का सियासी हथियार बेकार हो जाएगा।

आरपीएससी के नए अध्यक्ष की नियुक्ति जल्द

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग के मौजूदा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह यादव 2 दिसंबर को रिटायर हो रहे हैं। भूपेंद्र सिंह के रिटायरमेंट से पहले सरकार ने नए आरपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आज-कल में कभी भी नए अध्यक्ष की नियुक्ति की जा सकती है। बताया जाता है कि सरकार किसी वरिष्ठ पुलिस अफसर को इस पद पर नियुक्त कर सकती है। पुलिस अफसरों में मौजूदा डीजीपी एमएल लाठर, बीएल सोनी, डीजी इंटेलिजेंस उमेश मिश्रा, सौरभ श्रीवास्तव के नाम दावेदारों में हैं। दो मौजूदा और रिटायर्ड आईएएस के अलावा मौजूदा आारपीएससी मेंबर भी दावेदार हैं।

भर्तियों पर सवाल उठने से सरकार परेशानी में, नए अध्यक्ष के सामने चुनौतियां : भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने से सरकार की छवि पर असर पड़ रहा है। आरपीएससी अध्यक्ष पद पर पुलिस बैकग्राउंड के अफसर को लगाने के पीछे भी यही कारण है। पहले भी पुलिस और प्रशासनिक बैकग्राउंड वाले अफसर आरपीएससी अध्यक्ष पद पर रहे हैं। मौजूदा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह डीजीपी रहे हैं। इससे पहले आईएएस दीपक उप्रेती भी अध्यक्ष रहे हैं।

विभिन्न जाति,वर्गो सहित सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने की शिष्टाचार भेंट

कोटपूतली प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की ओर से नवनियुक्त गृह राज्यमंत्री यादव को पुष्प गुच्छ भेंटकर दी गई बधाई

कोटपूतली @ जागरूक जनता। गहलोत सरकार के विस्तार में क्षेत्रीय विधायक एवं राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव को उच्च शिक्षा एवं गृह राज्य मंत्रालयों का नवीन प्रभार मिलने पर बधाईयों का क्रम जारी है। राज्यमंत्री यादव से विभिन्न जाति,वर्गों व समाजों के प्रतिनिधियों सहित सामाजिक व राजनैतिक संगठनों के सदस्यों द्वारा शिष्टाचार भेंट करते हुए नवीन मंत्रालय मिलने पर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंटकर शुभकामनायें प्रेषित की गई। कोटपूतली प्राइवेट स्कूल एशोसिएशन की ओर से सचिव दुर्गा प्रसाद मिश्रा के नेतृत्व में निजी स्कूल संचालकों ने कस्बे के राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव के आवास पर पहुंचकर उन्हें पुष्प गुच्छ भेंटकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस मौके पर राज्यमंत्री यादव ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार

स्थापित कर बेहतर प्रयास किये जायेंगे ताकि हमारा राज्य शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहे। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान एशोसिएशन सचिव दुर्गा प्रसाद मिश्रा सहित रमेश कुमार सराधना, महेश जमालपुरिया, रतिराम यादव एवं अन्य संस्था प्रधान मौजूद रहे। वहीं डॉ.अम्बेडकर विचार मंच समिति व मेघवाल विकास समिति के पदाधिकारियों के शिष्टमंडल ने राज्यमंत्री यादव से शिष्टाचार भेंट करते हुए शुभकामनायें दी। इस मौके पर ज्ञापन सौंपकर मेघवाल बालिका छात्रावास हेतु जमीन आंवटन एवं कैरोड़ी प्रकरण में दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की माँग की। जिस पर राज्यमंत्री यादव ने कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। उन्हें किसी भी सूरत में बक्शा नहीं जायेगा। उन्होंने जल्द से जल्द छात्रावास हेतु जमीन आंवटन का भी भरोसा दिलवाया। इस दौरान एडवोकेट सतीश निमोरिया, बलवीर वर्मा, दयाराम, रामसिंह आर्य, मनोज सिरोहीवाल, प्रो.आर.के.सिंह, पूरणमल गोठवाल, जयसिंह खारडिया, कपिल वर्मा, रोहिताश वर्मा, सुरेश चंद, दाताराम सहित अन्य मौजूद रहे।

खेड़ला गदाली ग्राम पंचायत में होंगे 6 करोड़ के विकास कार्य-डॉ.हुडला

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

महुआ। अधिकारी कैंप में अपना अधिकतम देने का प्रयास करे और सवेदनशील होकर आम जन के कार्यो का जल्द से जल्द निपटारा करे यह कहना हैं महवा के सर्व समाजी विधायक डॉ.ओम प्रकाश हुडला का मौका था ग्राम पंचायत खेडला गदाली में आयोजित प्रशासन गाँवो के संग अभियान का। इस दौरान उन्होंने खेडला गदाली ग्राम पंचायत में 6 करोड़ की लागत से विकास कार्य कार्य जाने की भी घोषणा की।

उन्होंने कहा की खेडला गदाली में 50 लाख रुपए की लागत से सड़क खेड़ला गदाली से मंदिर तक 50 लाख लागत से की सडक Nh-21 हाईवे से खेड़ला गदाली तक और 2 करोड़ रुपए की सड़क NH-21 से लालपुर वाया खेड़ला गदाली तक और तीन करोड़ की लागत से जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर पानी पहुचेगा। इस दौरान उन्होंने टीकरी जाफरान के लिए 70.87 लाख, लालपुर के लिए 105 लाख ,खेडला गदाली के लिए 124 लाख की लागत से हर घर तक पानी पहुचाया जाएगा। इस दौरान उन्होंने प्रशासन गांवों अभियान के अन्तर्गत शत-प्रतिशत लोगों को मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ने का कार्य करने के लिए अधिकारियो को निर्देशित किया और लोगो से कहा की वो प्रशासन गांवों के संग अभियान के अंतर्गत गांवों के लोग अपने ही गांव में लगे शिविर का अधिक से अधिक लाभ लें। साथ ही कैंप में 60 पट्टे वितरित किए। एवं 4 पेंशन फोर्म भी पेंशन धारकों को सौंपे। इस दौरान उपखंड अधिकारी सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

भारत की बेटी डॉ हर्ष प्रभा को मिला नेपाल सरकार से अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण योद्धा सम्मान 2021

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। नेपाल के लुंबिनी राज्य में अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण योद्धा सामान का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि राज्य मंत्री इकोनोमिक अफेयर्स ऐड को ऑपरेट सुषमा यादव, केंद्र मंत्री सेकॉरेटी मिनिस्ट्री ऑफ़ फॉरेस्ट एनवायरमेंट एंड सॉयल कोजरवेशन आदरणीय पशुपति नाथ कोइराला, मेयर मनमोहन चौधरी लुंबिनी नेपाल, वाइस चेयरमैन लुंबिनी नेपाल अवधेश कुमार त्रिपाठी, विक्रम यादव फाउंडर कमला बचाओ जकपुर नेपाल, अकरामुल हाफिज चौधरी डायरेक्टर हिस्ट्री एंड हेरिटेज टूरिज्म रायसाही बांग्लादेश, अर्जुन कुर्मी प्रेजीडेंट ग्रीन यूथ ऑफ लुंबिनी नेपाल, डॉ धर्मेंद्र कुमार अध्यक्ष पीपल नीम तुलसी अभियान, इंटरनेशनल धाराधाम के अध्यक्ष सौरभ पांडे ने जिसमें 7 देशों के पर्यावरण योद्धाओं को अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण योद्धा 2021 से सम्मानित किया गया। जिसमें भारत की बेटी डॉ हर्ष प्रभा को भी सम्मानित अतिथियों कर कमलों द्वारा अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण योद्धा सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में मुख्य भूमिका कार्यभार राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित मंटू और नेपाल के शिक्षक उमेश यादव ने संभाला।

भारत की बेटी डॉ हर्ष प्रभा को यह सम्मान उनके द्वारा पर्यावरण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए, पौधे लगाने के लिए जमीनी स्तर पर, पर्यावरण पर लोगों को जागरूक करने, पर्यावरण पर बेहतरीन लेखनी, सामाजिक कार्य, महिला सशक्तिकरण लेख और कार्य, बेजुबान पशुओं की सेवा करने के और लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए दिया गया है। ज्ञात रहे कि डॉ हर्ष प्रभा को 2020 में श्रीलंका से भारत की रानी का सम्मान पर्यावरण के क्षेत्र में मिल चुका है। डॉ हर्ष प्रभा ने दो दिवसीय इस सम्मान आयोजन में नेपाल की पावन भूमि में भी पौधे लगाए हैं।

ANCHOR कटारिया ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार रथों को रवाना

राजस्थान में फसल बीमा पॉलिसियों की संख्या एक करोड़ के पार -कटारिया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री लालचन्द कटारिया ने कहा है कि राज्य सरकार के नवाचारों, निरन्तर प्रचार-प्रसार एवं किसानों को समय पर बीमा क्लेम का भुगतान करने से प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की लोकप्रियता में निरन्तर वृद्धि हुई है और राज्य में वर्ष 2020-21 में फसल बीमा पॉलिसियों की संख्या एक करोड़ से ऊपर पहुंच गई है।

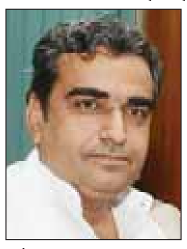

कटारिया ने यहां कार्यालय से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार रथों को रवाना करते हुए बताया कि राज्य में वर्ष 2018-19 में लगभग 78 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल का फसल बीमा हुआ था, जो बढ़कर 20-21 में करीब एक करोड़ 13 लाख हैक्टेयर हो गया है। इसी प्रकार फसल बीमा पॉलिसियों की संख्या 2018-19 में 72 लाख से बढ़ते हुए 20-21 में 1 करोड़ 7 लाख हो गई है। उन्होंने बताया कि राज्य में पिछले तीन साल में 80 लाख से ज्यादा किसानों को लगभग 13 हजार करोड़ रुपए के बीमा क्लेम का भुगतान किया गया है। हनुमानगढ़ जिले के अलावा रबी 2020-21 तक के समस्त बीमा क्लेमों का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने राज्यांश प्रीमियम भुगतान की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान सरकार ने अब तक के कार्यकाल में गत सरकार के बकाया राज्यांश प्रीमियम के साथ-साथ रबी 2020-21 तक के लिए समस्त राज्यांश प्रीमियम का भुगतान बीमा कम्पनियों को कर दिया गया है। खरीफ 2021 के लिए राज्यांश प्रीमियम भुगतान प्रक्रियाधीन है।

कटारिया ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को बेहतर बनाने के लिए निरन्तर नवाचार किए जा रहे हैं। शिकायतों के त्वरित निष्पादन के लिए बीमा कार्मिकों को जिला एवं तहसील में बैठने की व्यवस्था एवं एफएक्यू के रूप में लीफलेट वितरण जैसे नवाचारी कदम उठाए, जिन्हें केन्द्र सरकार की ओर से सभी राज्यों में अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही दोहरे बीमे तथा गैर कृषि भूमि पर फसल बीमा को रोकने के लिए राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल का भू-अभिलेख के साथ एकीकरण किया गया है। कृषि आयुक्त डॉ. ओमप्रकाश ने बताया कि राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में सात बीमा कम्पनियों द्वारा फसल बीमा का काम किया जा रहा है। खरीफ में 19 तथा रबी में 17 फसलों का बीमा जिलों में बोई गई फसलों के हिसाब से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि योजना का रबी के लिए आगामी 25 दिसम्बर तक प्रदेशभर में लगभग 250 से ज्यादा वैनों के द्वारा लीफलेट वितरण, पोस्टर, बैनर, होर्डिंग, किसान गोष्ठी एवं नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जा रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा किसान योजना से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि काश्तकार अपनी फसलों का बीमा समय पर कराएं और यदि बोई गई फसल में कोई परिवर्तन किया है, तो संबंधित बैंक से सम्पर्क कर 29 दिसम्बर तक इसमें अवश्य परिवर्तन करा लें।

जागरूक खबरें

एएओ के 21 पदों के लिए मांगे आवेदन

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर ने सहायक कृषि अधिकारी के 21 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञप्ति जारी कर दी है। पात्र अभ्यर्थी इन पदों के लिए 6 दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आयोग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार परीक्षा आयोजन और स्थान की सूचना बाद में दी जायेगी। आयोग द्वारा घोषित पदों में नॉन टीएसपी और टीएसपी के दोनों पद शामिल है।

किसान प्रशिक्षण एक से

बाड़मेर @ जागरूक जनता। आर्या परियोजना के तहत कृषि विज्ञान केंद्र गुडामालानी पर मुर्गीपालन विषयक सात दिवसीय प्रशिक्षण एक दिसम्बर से शुरू होगा। केन्द्र के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप पगारिया ने बताया कि 18 से 35 वर्ष आयु के युवा प्रशिक्षण के पात्र होंगे। प्रशिक्षण के लिए इच्छुक युवा कृषि विज्ञान केंद्र आकर अपना फॉर्म जमा करके रजिस्ट्रेशन करवा सकते है।

संरक्षित खेती पर प्रशिक्षण 3 से

कोटा @ जागरूक जनता। कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा संरक्षित खेती और बेमौसमी सब्जी उत्पादन विषयक एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 दिसम्बर को आयोजित किया जायेगा। केन्द्र के उद्यानिकी वैज्ञानिक डॉ. रामराज मीणा ने बताया कि इस प्रशिक्षण कायक्रम को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक डा हर्षवर्धन चौधरी सम्बोधित करेंगे। प्रशिक्षण के लिए पहले आओ, पहले पाओं के आधार पर 50 किसानों का चयन किया जायेगा।

31 तक कराये फसल बीमा

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत किसान 31 दिसम्बर तक रबी फसलों का बीमा करवा सकेंगे। राज्य सरकार ने फसल बीमा की अधिसूचना जारी कर दी है। किसान योजना के तहत गेहूं, चना, सरसों, तारामीरा, मैथी, इसबगोल फसल के साथ प्याज, मिर्च, टमाटर और फलदार फसलों का बीमा करवा सकेंगे।

प्रशिक्षण में ग्रीन हाउस निर्माण पर दी जानकारी

जयपुर @ जागरूक जनता। इन्टरनेशनल हॉर्टीकल्चर इन्नोवेशन एण्ड ट्रेनिंग सेंटर (आई.एच.आई.टी.सी.) दुर्गापुरा में उच्च तकनिकी बागवानी विषय पर किसान प्रशिक्षण आयोजित किया गया। सेंटर के चीफट्रेनर सत्यनारायण चौधरी ने बताया कि इस प्रशिक्षण में बीकानेर जिले के 30 किसानों ने भाग लिया। पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ग्रीन हाउस का निर्माण, जलवायु नियंत्रण, मृदा का निर्जिमीकरण, क्यारी तैयार करना, समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन, समन्वित कीट प्रबंधन, पॉलीहाउस में फूल और सब्जियो की खेती, सूक्ष्म सिचांई प्रबंधन, तुडाई उपरांत फूल और सब्जियों का ग्रेडिंग एवं पैकिंग पर सविस्तार जानकारी दी गई। किसानों को ढिंढोल बस्सी फार्म का भ्रमण भी कराया गया।

संविधान दिवस समारोह आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। संविधान दिवस समारोह जोकि डॉ. अंबेडकर पार्क नेशनल हाईवे सीकर रोड हरमाड़ा, जयपुर में डॉ अंबेडकर विचार मंच समिति जयपुर राजस्थान द्वारा आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने कहा कि भारतीय संविधान से महिला एवं आमजन सुरक्षित विषय पर अपना पक्ष रखा, संविधान से ही अधिकारी मंत्री एवं एक गरीब परिवार में जन्मा व्यक्ति देश के सबसे ऊंचे पद पर पहुंच सकता है संविधान से ही महिलाओं को सम्मान व इज्जत मिलती है । समारोह की अध्यक्षता डॉ अम्बेडकर विचार मंच के प्रदेश प्रतिनिधि सुमन सिंह जाटव ने की उन्होंने बताया की हमें संविधान को नियमित पढ़ना चाहिए और हमारी व्यवहार में सीख कर के लाभ लेना चाहिए । समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में 92 वर्षीय समाज के गौरव परम सम्माननीय रामेश्वर लाल सेवार्थी ने अपने आशीर्वचन में सबको महापुरुषों के विचारों को अपने जीवन में उतारने का संदेश दिया समारोह में स्थानीय विधायक प्रतिनिधि श्री सीताराम अग्रवाल ने मंच के सहयोग के लिए साथ रहने को कहा । आमंत्रित अतिथियों में उप जिला प्रमुख मोहन डागर, प्रधान सरिता चौहान, जार के प्रदेश अध्यक्ष हरीवल्लभ मेघवाल, किसान सभा के प्रचार मंत्री गणेश सुंडा, सीकर से अविनाश बराला, आजाद आवाम बहुजन शायर सुरेश मेहरा दोसा से पूर्व मंत्री गोपाल केशावत, पूर्व आरपीएस नत्थी सिंह जाटव, अरविंद आर्य साहब, बनवारी लाल महलडा अंबेडकर विचार मंच महिला प्रकोष्ठ महासचिव मैडम शोभा दानोदिया, बबीता सोलड़ा मधुबाला मंडाड, अंजू शेरावत, मेहता राम काला, रामकुमार बड़ेरिया गुरदयाल बबेरवाल, पूर्व सरपंच मदन बाईला, पूर्व सरपंच गुरुप्रसाद प्रतीक दानोदिया सामाजिक कार्यकर्ता रामप्रताप देवाना हनुमान प्रसाद, डॉ दशरथ हिनूनीया, डॉ.पहलाद देवदर हरिनारायणमौर्य बंसी लाल गवारिया,हंसराज उज्जैनिया, महेंद्र सिंह खंडेलवाल, धर्मेश अचरा, अभिषेक सैनी, मोहर सिंह सरोज बटेरिया, जेपी बुनकर, हरलाल बुनकर एवं सैकड़ों महिला पुरुष बच्चे समारोह में शिरकत करने वाले थे समारोह संविधान के प्रियम बल के वाचन के साथ एवं डॉ राजेंद्र प्रसाद बुनकर द्वारा प्रस्तुत भीम वंदना से किया गया समारोह सभी अतिथियों को डॉक्टर अंबेडकर साहब का चित्र बच्चों को आगंतुकों को संविधान की पुस्तिका भेंट करके सब का सम्मान किया गया। रीतांश भीम सेना प्रदेश अध्यक्ष क्रांतिकारी रवि कुमार मेघवाल, मोहनलाल बैरवा अब्दुल लतीफ, मंजूर अली साहब अकबर अली साहब एवं सैकड़ों लोगों ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर बहुजन मूवमेंट को आगे बढ़ाने हेतु लोगों का मार्गदर्शन किया। देवदत्त बड़ोदिया ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

रीको कर्मचारी संघ 105 श्रमिकों के रोजगार को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को सौंपा ज्ञापन

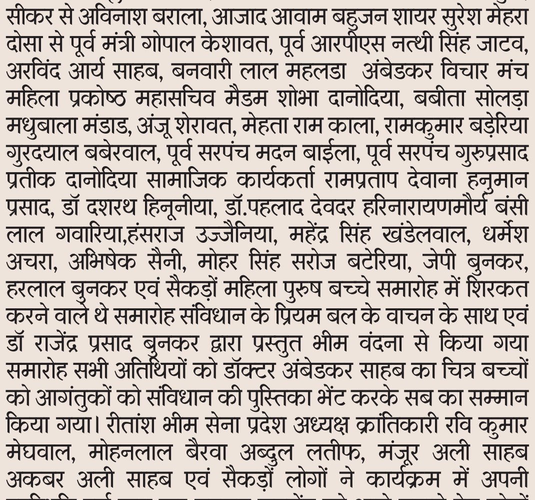

जयपुर @ जागरूक जनता। रीको कर्मचारी संघ संबंध भारतीय मजदूर संघ द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया सीईटीपी फाउंडेशन कंपनी द्वारा कोरोना काल की आड़ में 105 श्रमिकों को रोजगार से वंचित कर दिया गया, जो श्रमिक 25 से 30 वर्ष से निरंतर वहीं पर कार्यरत है। गत 1 अगस्त 2020 को श्रमिकों को षडयंत्र पूर्वक बिना सूचना बिना जानकारी रोजगार से हटा दिया गया, जो श्रमिक 15 माह से निरंतर धरना दे रहे हैं। लेकिन, शासन और प्रशासन और जनप्रतिनिधियों द्वारा श्रमिकों की किसी प्रकार से कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। इस पर मैडम ने दुख प्रकट किया और भरी सभा में उद्बोधन दिया कि जिन श्रमिकों को कोरोना काल में रोजगार से निकाला गया। उनका हम जल्द से जल्द समाधान करवाएंगे। इस मौके पर उपाध्यक्ष पेमाराम उत्तवण महामंत्री विक्रम परिहार संरक्षक बंटी आदिवाल गोपाल सिंह दीपक आदिवाल कालूराम गुजराती जगदीश मेघवाल रोशन लाल मंसाराम पापा राम डूंगरराम पेमाराम वीरेंद्र सिंह आदि अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने देश के सबसे बड़े हवाईअड्डे की नींव रखी

जेवर उत्तर भारत का कार्गो हब बनेगा

संपर्क बेहतर होगा व हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

ग्रेटर नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते दिनों यूपी के जेवर में बनने जा रहे देश के सबसे बड़े हवाईअड्डे की आधारशिला रखी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह एयरपोर्ट उत्तर भारत का 'लॉजिस्टिक गेटवे' (कार्गो हब) बनेगा और दिल्लीएवं पश्चिमी यूपी को इसका लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हवाईअड्डा बेहतरीन मॉडल बनेगा। यहां आने जाने के लिए मेट्रो, सड़क, रेल सभी तरह की सुविधाएं होंगी। दिल्ली-हरियाणा कहीं भी जाना हो, यहां से देश के अनेक शहरों तक पहुंचना आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा, हवाईअड्डे में विमानों की मरम्मत और रखरखाव की सुविधा रहेगी। इसका फायदा ये होगा कि देश के हवाई जहाजों को इन सेवाओं के लिए विदेश नहीं जाना पड़ेगा। विदेश से विमान ऐसी सेवाओं के लिए भारत आएंगे तो हमारी आमदनी भी बढ़ेगी। साथ ही, इससे यहां हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के जरिए यहां की औद्योगिक इकाइयां दुनिया के बाजारों से जुड़ेंगी और उत्पादों का निर्यात कर सकेंगी। यहां के किसान खासतौर पर छोटे किसान फल-सब्जी जैसी चीजें निर्यात कर पाएंगे। मेरठ की स्पोर्ट्स इंडस्ट्री हो या सहारनपुर का फर्नीचर, मुरादाबाद का पीतल उद्योग, आगरा का फुटवेयर और पेठा को भी विदेशी बाजार तक पहुंचाना आसान होगा। उन्होंने कहा, हवाईअड्डा चलाने के लिए हजारों लोगों की जरूरत होती है, ऐसे में इनको रोजगार मिलेगा।

ऐसे बनेगा हब

- » देश का पहला ऐसा हवाईअड्डा होगा, जिसे मल्टी-मॉडल कार्गो हब की तरह बनाया गया है जहां से उत्पाद दुनिया भर में भेजे जा सकेंगे
- » कार्गो टर्मिनल की क्षमता 20 लाख मीट्रिक टन होगी, जो 80 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ सकेगी
- » हवाईअड्डे पर कार्गो के लिए अलग से एक रनवे आरक्षित होगा
- » उधर, यमुना प्राधिकरण द्वारा यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे टप्पल में लॉजिस्टिक हब बनाया जा रहा है

पश्चिम उत्तर प्रदेश के विकास को नई ऊंचाई पर पहुंचाने के मकसद से यह हवाईअड्डा बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री का एक भारत श्रेष्ठ भारत का सपना साकार हो रहा है।
-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री यूपी

आने वाले दिनों में जेवर एशिया का सबसे बड़ा हवाईअड्डा होगा। करीब 34 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।
-ज्योतिरादित्य सिंधिया, उड्डयन मंत्री

सराहा: यूपी यानी 'उत्तम सुविधा-निरंतर निवेश'

मोदी ने कहा कि यूपी में अंतरराष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थान, रेलवे-हाईवे नेटवर्क बन रहे हैं। आज उत्तर प्रदेश, उत्तम सुविधा और निरंतर निवेश से जुड़ी पहचान बन चुका है। मोदी ने कहा,पूर्व की सरकारों ने जिस यूपी को हमेशा झूठे सपने दिखाए, वही यूपी आज अंतर्राष्ट्रीय छाप छोड़ रहा है। हमारी राष्ट्रभक्ति के आगे उन दलों की 'स्वार्थ नीति' कभी नहीं टिक सकती।

गृह रक्षा प्रशिक्षण उप केन्द्र, रावतभाटा के स्वयं सेवकों का नामांकन 9 को

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। गृह रक्षा प्रशिक्षण उप केन्द्र, रावतभाटा के स्वयं सेवकों का नामांकन 9 दिसंबर, 2021 का स्थान परेड ग्राउण्ड होम गार्ड ट्रेनिंग सेन्टर छत्रपुरा, कोटा पर किया जावेगा। नामांकन प्रक्रिया गृह रक्षा मुख्यालय द्वारा नामांकित किये गये बोर्ड के सदस्यों की देख-रेख में सम्पन्न की जावेगी। जिसमें केन्द्र के समादेष्टा, गृह रक्षा महानिदेशक के प्रतिनिधि एवं जिला पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगें। 01 दिवस चलने वाली उपरोक्त नामांकन प्रक्रिया में इस केन्द्र के 41 रिक्त पदों के विरुद्ध 1321 अभ्यर्थी भाग लेंगें। उपरोक्त प्रक्रिया के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी को मोबाइल पर डे एवं ई-मेल द्वारा सूचना प्रेषित की जाएगी, तत्पश्चात अभ्यर्थी दिये गये लिंक पर जाकर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते है। गृह रक्षा स्वयं सेवकों की नामांकन प्रक्रिया 2-3 माह चलेगी, जिसके लिए अलग-अलग जिलों में अभ्यर्थी को अलग-अलग समय पर बुलाया जावेगा। बुलाये जाने वाले संबंधित अभ्यर्थी को 10-15 दिवस पूर्व ही स्म्स एवं ईमेल द्वारा सूचित किया जाएगा, जिसके पश्चात अभ्यर्थी दिये गये लिंक अथवा विभागीय वेबसाइट से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगें। जिन अभ्यर्थियों को स्म्स एवं ई-मेल द्वारा सूचना प्राप्त नहीं हुई है, उनका प्रवेश पत्र डाउनलोड नहीं होगा। अभ्यर्थी को निर्धारित समय, दिनांक एवं स्थान पर आवश्यक मूल दस्तावेजों (यथा जिले का मूल-निवास, आयु प्रमाण-पत्र, शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, विशेष योग्यता प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण पत्र, चिकित्सा प्रमाण-पत्र, विवाह प्रमाण-पत्र एवं पुलिस सत्यापन प्रमाण-पत्र) सहित उपस्थित होना होगा।

बिजनेस मोड़ पर करना होगा मछली पालन-डॉ. राठौड़

प्रशिक्षण कार्यक्रम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के संगठक मात्स्यकी महाविद्यालय में मीठे पानी की पालने योग्य मछलियाँ एवं पालन पद्धति पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।

यह कार्यक्रम मात्स्यकी विकास बोर्ड, मत्स्य विभाग, हैदराबाद मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति एमपीयूएटी डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रशिक्षणार्थियों के लिए मत्स्य पालन के क्षेत्र अपना कर स्वयं का बिजनैस शुरू करने का यह सुअवसर है। डॉ. राठौड़ ने देश के प्रगतिशील मछली उत्पादकों का उदाहरण देकर मत्स्य पालन कौशल विकास की बात कहीं। उन्होनें ने कहा कि आप थोड़ी सी पूंजी एंव समय लगाकर मछली पालन में अत्यधिक लाभ कमा सकते हैं। उन्होनें प्रशिक्षणार्थियों को आत्मविश्वास, ज्ञानार्जन, नवाचार, व्यापार सीखने की ललक व नेतृत्व की भावना से कार्य करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध सरोवर विज्ञानी प्रो. वी. एस. धुर्वे ने प्रशिक्षण में युवाओं की भागीदारी पर हर्ष प्रकट किया। तथा इस विद्या को आगे बढ़ाने के लिए नवाचार अपनाने व निरन्तर अपने ज्ञान में बढ़ोतरी करते रहने की सलाह दी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं मात्स्यकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. एल. एल. शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को मत्स्य पालन के विभिन्न आयामों एवं इस विद्या के महत्व की बात कही। उन्होनें कहा कि माननीय कुलपति विशिष्ट प्रतिभा के धनी है आपने मात्स्यकी महाविद्यालय के विकास की नींव रखी है जिससे यह महाविद्यालय उतरोतर प्रगति करता रहेगा। इस अवसर पर सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिए गए।

चित्तौड़गढ़ में पहली बार आगमन पर मौलाना अशरफ जिलानी का हुआ जगह जगह इस्तक़बाल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। कलेक्ट्री चौराहा पर जश्ने मखदूम ए मिल्लत 19 शब में शिरकत करने आए औलादे गौसे आजम सैयद महमूद अशरफ जिलानी का चित्तौड़ में पहली बार पहुंचने अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा कलेक्ट्री चौराहे पर बड़े ही जोशो खरोश के साथ हजरत का फूल माला पहनाकर इस्तकबाल किया गया। वही वाहन रैली के साथ शहर के बाजार से होते हुए देहली गेट पहुंचे जहां अशरफी युवा जमात ने विभिन्न कमेटियों की ओर से मखदूम महमूद अशरफ का फूल माला पहनाकर इस्तकबाल किया गया। इधर किशनगढ़ परिवार की ओर से गोपाल नगर ऊपर की मस्जिद के सदर मोहम्मद अली किशनगढ़ के निवास पर परिवार की ओर से हजरत का इस्तकबाल किया गया। जश्न ए गौसे आजम पर लंगर का आयोजन के साथ ही बाद नमाज ईशा देहली गेट अशरफी चौक में नात शरीफ तकरीर का आयोजन हुआ। जिसमें अहमदाबाद गुजरात के जीशान बरकाती वे जुनैद बरकाती ने अपने अंदाज में नात शरीफ पड़ी ठीक 11 बजे हजरत महमूद अशरफ साहब की नूरानी तकरीर हुई। जिसमें शहर काजी अब्दुल मुस्तफा, मौलाना खलील बरकाती, मौलाना अब्दुल रशीद बरकाती, नवासा ए मिल्लत मोहम्मद यूसुफ अशरफी, सलीम अशरफी, उमेर अशरफी, उस्मान अशरफी, जुनैद अशरफी व शहर की सभी मस्जिद के इमाम मौलाना ने शिरकत की व हजरत ने देश को अपना मान खुशहाली की दुआ की।

यूपी में अनशन पर बैठे राजस्थान के बेरोजगार:कांग्रेस सरकार पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप, उपेन बोले- चुनाव में देंगे कांग्रेस को करारा जवाब

जयपुर @ जागरूक जनता। देशभर में राजस्थान के बेरोजगारों का आंदोलन अब चर्चा का विषय बन गया है। अपनी 22 सूत्री मांगों को लेकर राजस्थान के बेरोजगार 4 दिन से कांग्रेस मुख्यालय के बाहर धरने पर बैठे हैं। लेकिन अब तक राजस्थान सरकार और बेरोजगारों के बीच बातचीत नहीं हो पाई है। ऐसे में बेरोजगार अब कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात का इंतजार कर रहे हैं। राजस्थान एकीकृत बेरोजगार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि राजस्थान सरकार ने बेरोजगारों के साथ वादाखिलाफी की है। पिछले 48 दिनों से बेरोजगार धरना दे रहे हैं। लेकिन सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही। जिसके बाद मजबूरन प्रदेश के बेरोजगारों को उत्तर प्रदेश आना पड़ा है। उपेन ने कहा कि अगर सरकार ने हमारी मांगों को नहीं माना तो आने वाले चुनाव में कांग्रेस को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी कांग्रेस के नेताओं ने बेरोजगारों से बातचीत कर सभी मांगों को पूरा करने की बात कही थी। लेकिन अब तक एक भी मांग पूरी नहीं हुई। बल्कि राजस्थान कांग्रेस के नेता अब बेरोजगारों को ब्लैकमेलर जैसे आरोप लगा रहे हैं। जबकि हकीकत में ऐसा नहीं है। उपेन ने कहा कि ना मैं और ना ही कोई और छात्र चुनाव लड़ना चाहता है। हम इस बात को लिखित में भी देने को तैयार हैं। लेकिन इसके लिए सरकार भी में लिखित आश्वासन दे। इसके बाद हम उसी वक्त धरना खत्म कर देंगे।

मोहनपुरा पृथ्वीसिंह ग्राम पंचायत पर 1 का शिविर अब 17 दिसम्बर को

जयपुर @ जागरूक जनता। 'प्रशासन गांवों के संग अभियान के क्रम में आज माधोराजपुरा पंचायत समिति के मोहनपुरा पृथ्वीसिंह ग्राम पंचायत पर लगने वाला शिविर अब 17 दिसम्बर को आयोजित होगा। यह शिविर प्रशासनिक कारणों से निरस्त किया गया है।

कोरोना वैक्सीन की द्वितीय डोज शीघ्र लगावें- जिला कलक्टर

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक जिला कलक्टर अन्तर सिंह नेहरा की अध्यक्षता में जिला कलक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई। नेहरा ने कहा कि जिले में सभी लोगों को कोरोना वैक्सीन की द्वितीय डोज लगाना सुनिश्चित करें।

पराली जलाना अब अपराध नहीं-तोमर

नई दिल्ली। तीन कृषि कानून वापसी की घोषणा के बाद भी दिल्ली बॉर्डर पर डटे किसानों को लेकर मोदी सरकार ने फिर बड़ा दिल दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यूनतम सर्मथन मूल्य का लाभ सभी किसानों को देने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। साथ ही, किसानों का खेतों में पराली जलाना अब अपराध नहीं माना जायेगा। किसानों की इस मांग को सरकार ने मान लिया है। गौरतलब है कि इससे पूर्व सरकार कैबिनेट बैठक में तीनों नए कृषि कानून रद्द करने के प्रस्ताव पर अंतिम मुहर लगा चुकी है और सभी सांसदों को सदन में उपस्थित रहने का व्हिप जारी किया गया है। सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों पर प्रकाश डालते हुए

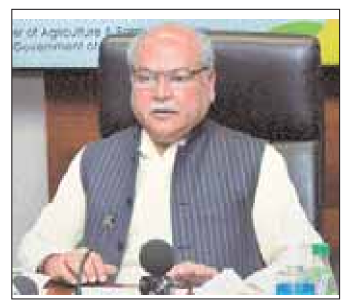

केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि फसल विविधीकरण, शून्य बजट खेती और एमएसपी प्रणाली को और अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने एक समिति गठित करने की घोषणा की है। इस कमेटी में किसान संगठनों के प्रतिनिधि होंगे। इस समिति के गठन से एमएसपी पर किसानों की मांग पूरी हो गई है। उधर, आंदोलनरत किसानों का कहना है कि सरकार के द्वारा लिए गए फैसलों के बारे में लिखित में कोई सूचना हमें नहीं मिली है।

आज पेश होंगे विधेयक

उन्होंने बताया कि तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की घोषणा के बाद किसानों के आंदोलन को जारी रखने का कोई मतलब नहीं है। मैं किसानों से अपना आंदोलन खत्म करने और घर जाने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने वाला विधेयक आज से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र में संसद में पेश किया जाएगा।

राज्य सरकारें करेंगी फैसला

उन्होंने कहा कि जहां तक विरोध प्रदर्शन के दौरान किसानों के खिलाफ दर्ज मामलों का संबंध है। यह राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे में इस मामले में संबंधित राज्य सरकारें ही फैसला करेंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य सरकारें अपनी राज्य नीति के अनुसार मुआवजे के मुद्दे पर भी निर्णय लेंगी।

दोनों सदनों से पास कराना होगा बिल

संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो रहा है। संसदीय नियमों के मुताबिक, किसी भी कानून को वापस लेने की भी वही प्रक्रि या अपनानी पड़ती है, जो कि नए कानून को बनाने को लेकर होती है। इसका मतलब कि तीनों कृषि कानूनों को संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्य सभा से वापसी का बिल पास करना होगा। दोनों सदनों से बिल पास होने के बाद मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास जाएगा। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही कानून रद्द हो जाएगा।

ANCHOR | सार्वजनिक निर्माण विभाग की कार्यशाला सम्पन्न

रोड एसेट मैनेजमेन्ट सिस्टम से होगा सड़क नेटवर्क का प्रबन्धन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य के सड़क नेटवर्क के बेहतर प्रबन्धन के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। विभाग के आधुनिकीकरण और संस्थागत क्षमता में वृद्धि के एक भाग के रूप में रोड एसेट मैनेजमेन्ट सिस्टम विकसित किया गया है। कार्यशाला में विभाग के अधिकारियों को सिस्टम की उपयोगिता से अवगत कराया गया और सिस्टम को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए उच्च अधिकारियों के सुझाव भी लिए गए। सीई और एएस संजीव माथुर ने कहा कि इस सिस्टम का उद्देश्य सडक व पुलों आदि की इन्वेन्टरी उनकी अवस्था की सूचना को संग्रहित तथा रख-रखाव की आवश्यकता व

आवश्यक बजट का अनुमान लगाना है। इनपुट की सुविधा के लिए एक मोबाईल एप भी बनाया गया है।

प्लान बनाने में होगा सहायक

आरएएमएस से पीडब्ल्यूडी के वार्षिक मैन्टीनेन्स प्लान और बहुवर्षीय प्लान बनाए जाएंगे। इसके अलावा वर्तमान एवं भविष्य की सड़क अवस्था, यातायात, किए गए प्रस्तावित कार्यों के विवरण से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करने में उपयोग किया जा सकेगा। यह सिस्टम सड़कों और पुलों के रखरखाव योजना के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण देगा। इससे लोक निधि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

कार्यशाला में हुई चर्चा

कार्यशाला का उद्घाटन करने के बाद विभाग के सचिव श्री चिन्न हरी मीणा ने बताया कि सिस्टम किसी भी बजट के लिए रखरखाव के लिए सड़कों का चुनाव करने और उनकी प्राथमिकता सूची बनाने में सक्षम है। विभिन्न श्रेणी की सड़कों को विभिन्न मानकों के दिए गए स्तर पर रखने के लिए बजट आवश्यकता की भविष्यवाणी करने में भी यह सक्षम है। कार्यशाला में सीई (एनएच, पीपीपी) डी आर मेघवाल, सीई (बिल्डिंग) सुबोध मलिक, सीई (पीएमजीएसवाई) सुनिल जयसिंह, पीएमसी टीम लीडर एसके सिघंवी के अलावा सार्वजनिक निर्माण विभाग, आरएसआरडीसी और रिडकोर के अधिकारीगण मौजूद थे।

जागरूक खबरें

समन्वित कृषि से बढाएं आय

उदयपुर @ जागरूक जनता। आत्मा योजना के तहत एमपीयूएटी के प्रसार शिक्षा निदेशालय के द्वारा समन्वित कृषि प्रणाली पर किसान प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में बांसवाड़ा जिले के 30 महिला कृषकों ने भाग लिया। पाँच दिवसीय प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा कृषि विषयों पर तकनीकी जानकारी दी गयी। साथ ही, प्रायोगिक तौर पर प्रशिक्षणार्थियों को सब्जियों, फलों के मूल्य संवर्धन हेतु अचार, मुरब्बा, चटनी, शर्बत इत्यादि बनाना सिखाया गया। प्रशिक्षणार्थियों को जैविक इकाई, पॉली हाऊस, मुर्गीपालन, डेयरी और मत्स्य पालन आदि इकाईयों पर भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. आरए कौशिक ने कहा कि किसान सीताफल के गुदे को आईस्ऱ् ीम, मिठाई आदि के लिए बिक्री करके अपनी आय बढ़ा सकते है। कार्यक्रम को डॉ. लतिका व्यास, डॉ. रतन लाल सोलंकी ने भी सम्बोधित किया।

बड़गांव के जनप्रतिनिधियों ने किया केबिनेट मंत्री श्री मालवीय का स्वागत

उदयपुर @ जागरूक जनता। जल संसाधन व इंदिरा गांधी नहर परियोजना विभाग के कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय का डबोक एयरपोर्ट पर ढोल नगाड़ों व फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। मंत्री मालवीय जी के साथ देहात कांग्रेस जिलाध्यक्ष लाल सिंह झाला भी थे।बड़गांव सरपंच संजय शर्मा, पंचायत समिति सदस्य भुवनेश व्यास,विनय शर्मा एवं सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंत्री मावलिया जी का भव्य स्वागत किया। इस दौरान बड़गांव पंचायत समिति सदस्य भुवनेश व्यास ने एवं सरपंच संजय शर्मा ने पैरा फेरी पंचायतो में मकानों के पट्टे देने एवं पेरा फेरी पंचायतो की अन्य समस्याओं के संबंध में मंत्री श्री मावलिया जी को अवगत कराते हुए सरकार के स्तर पर इन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग की।

कृषकों को अनुदान पर सौर ऊर्जा पम्प सन्यंत्र लगाने हेतु अन्तिम अवसर

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जिले में पीएम-कुसुम योजना के कम्पोनेंट-बी अन्तर्गत सौर ऊर्जा पम्प सन्यंत्र परियोजना वर्ष 2020-21 हेतु, उद्यान आयुक्तालय, जयपुर द्वारा 230 पम्प सन्यंत्र के लक्ष्य आवंटित हुए है, इस क्रम में पूर्व में आवेदनकर्ता कृषकों को सूचित किया जाता है कि सामान्य श्रेणी के कृषक जिन्होंने दिनांक 07.12.2019 से पूर्व, अनुसूचित जाति के कृषक जिन्होंने 29.08.2021 से पूर्व एवं अनुसूचित जनजाति के कृषक जिन्होनें 9.08.2021 से पूर्व सौर ऊर्जा पम्प सन्यंत्र स्थापना हेतु आवेदन किया है उन सभी को प्राथमिक वरीयता सूची में शामिल किये गये है। इस वरीयता सूची के कृषकों को इससे पूर्व भी कार्यालय द्वारा जरिए नोटिस एवं दूरभाष के माध्यम से सूचित किया जा चुका है, अतः संबंधित कृषक जिन्होने इस दिनांक तक ऑनलाईन आवदेन किया है एवं वह सौर ऊर्जा पम्प संयंत्र स्थापित करना चाहते है वह अपनी पत्रावली मय आवष्यक दस्तावेजो के साथ इस कार्यालय में 07 दिवस में जमा कराना सुनिष्चित करें अन्यथा आपकी ऑनलाईन वरियता निरस्त कर वरियतानुसार अन्य कृषकों को मौका दिया जाएगा एवं आपकी वरियता निरस्त होने के लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

भारत के पास बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार से निपटने के कड़े उपाय-दीया कुमारी

जयपुर @ जागरूक जनता। सांसद दीयाकुमारी ने कहा कि जहां सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) अवसरों के नए रास्ते खोलती है, वहीं बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार सहित चुनौतियों, खतरों और हिंसा के नए रूपों को भी जन्म देती हैं। भारत में ऑनलाइन बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार से निपटने के लिए कड़े उपाय हैं। दीयाकुमारी स्पेन के मैड्रिड में आईपीयू की 143वीं असेंबली के दौरान आयोजित महिला सांसदों के फोरम के 32वें सत्र में बोल रही थी। सांसद दीया ने कहा कि भारत ने वर्ष 2000 में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम बनाया था और समय-समय पर इसमें संशोधन किया है। यह अश्लील सामग्री को इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्रकाशित करने और प्रसारित करने पर रोक लगाता है। उन्होंने आईटी इंटरमीडियरीज गाइडलाइंस रूल्स, 2011 के साथ-साथ पॉक्सो एक्ट पर भी विचार व्यक्त किए। सांसद दीयाकुमारी ने आगे कहा कि केवल कानूनी प्रावधान और उनका सख्ती से क्रियान्वयन ही काफी नहीं है। ऑनलाइन यौन शोषण से बच्चों को बचाने के लिए विशेष नीतियों की आवश्यकता है। गौरतलब है कि अंतर-संसदीय संघ राष्ट्रीय संसदों का एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। इसका मूल उद्देश्य अपने सदस्य देशों के मध्य लोकतांत्रिक शासन, जवाबदेही और सहयोग को बढ़ावा देना है। अन्य मामलों में विधायिकाओं के बीच लैंगिक समानता को आगे बढ़ाना, राजनीतिक क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी को सशक्त बनाना और सतत विकास कार्य शामिल हैं।

शिष्टाचार भोज में हुई शामिल : दीयाकुमारी के साथ ही भारतीय संसदीय दल के स्वागत में भारतीय राजदूत संजय वर्मा एवं संगीता माता वर्मा के द्वारा असेम्बली बैठक से पूर्व शिष्टाचार रात्रि भोज आयोजित किया गया। भारतीय दल में दीयाकुमारी के साथ भर्तुहरी महताब, संजय जायसवाल, पूनम बेन मादाम, विष्णु दयाल राम एवं शश्मित पात्रा भी मौजूद रहे।

मेगा क्रेडिट कैंप आयोजित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद के तत्वाधान में मेगा क्रेडिट केम्प का आयोजन सॉवलिया जी मण्डफिया जिला चित्तौड़गढ़ में किया गया। जिसमें BRKGB, HDFC,SBI,BOB,CKSB के माध्यम से 151 स्वंय सहायता समूह को राषि 4.05 करोड़ स्वीकृत कर राषि 1.73 करोड का ऋण वितरण किया गया है। उक्त मेगा लोन कैंप में BRKGB बैंक के द्वारा 71 स्वयं सहायता समूह को चेक के माध्यम राशि 2.80 करोड़ का ऋण स्वीकृत किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन करते हुये जिला परियोजना प्रबंधक राजेन्द्र कुमार शर्मा के द्वारा कार्यऱ् म की रूपरेखा एवं राजीविका की जानकारी दी गई है। जिला कलक्टर ताराचंद मीणा ने राजीविका के माध्यम से महिलाओं को आजीविका बढ़ाने हेतु बकरी पालन, डेयरी, अचार पापड, किराणा दुकान, जैविक खेती आदि हेतु प्रोत्साहित किया गया एवं साथ ही विभिन्न विभागों की योजना चिरंजीवी, प्रशासन गांवों के संग एवं अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। सी.जी.एम. नाबार्ड जयदीप श्रीवास्तव के द्वारा नाबार्ड की विभिन्न योजनाओ के बारे में अवगत कराया साथ ही महिलाओं को कृषक उत्पादक संगठन में जुड़ने के लिये प्रेरित किया गया। मुख्य प्रबंधक BRKGB आर.के. शर्मा, ष्ठष्ठरू नाबार्ड सचिन, जिला प्रबंधक राजीविका, धर्मचन्द खटीक, शाखा प्रबंधक SBI/BRKGB वीरेंद्र राजीविका BPM सीता नागर, RPRP भगवती, विनोद, खुषबु कंवर एवं विभिन्न समूह से पदाधिकारी एवं महिलाएं उपस्थित हुई।

लक्ष्य से 82 फीसदी बुवाई, गेहूं, चना हाशिये पर

रबी में सरसों की बुवाई तेज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कमजोर मानूसन का असर इस साल रबी की बुवाई पर देखने को मिल रहा है। सिंचाई की कमी के चलते सरसों के अलावा चना, गेहूं, जौ जैसी रबी फसलों के बुवाई लक्ष्य पर संकट मंडरा रहा है। क्योंकि, इन सभी फसलों की बुवाई अब भी लक्ष्य से काफी दूर है। इससे आशंका है कि इस साल गेहूं और जौ की बुवाई निर्धारित लक्ष्य तक नहीं पहुंच पायेगी। इसका सीधा प्रभाव सकल रबी उत्पादन को प्रभावित करेगा। गौरतलब है कि प्रदेश में गेहूं की बुवाई लक्ष्य से 37 फीसदी पिछड़ी हुई है। गौरतलब है कि इस साल के लिए कृषि विभाग ने 30 लाख हैक्टयर क्षेत्र में गेहूं बुवाई का लक्ष्य रखा है। कृषि जानकारों का कहना है कि इस साल प्रदेश में कमजोर मानसून से यह स्थिति पैदा हुई है। नहरी पानी मिलने की उम्मीद काफी कम है। क्योंकि, आधे से ज्यादा बांध खाली पड़े हुए है। बड़े बांधो से भी दो से तीन सिंचाई का पानी मिलने की उम्मीद है। ऐसे में बुवाई का रकबा घटने का अनुमान है। गौरतलब है कि चना और सरसों की फसल दो से तीन सिंचाई में पककर तैयार हो जाती है। जबकि, गेहूं की फसल का 7-8 सिंचाई की जरूरत होती है। यही कारण है कि गेहूं उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, कोटा, बूंदी, बारां, बूंदी और झालावाड़ जिले में निर्धारित लक्ष्य से काफी कम बुवाई हुई है। हालांकि, सप्ताह दर सप्ताह गेहूं बुवाई का आंकड़ा बढ़ रहा है। लेकिन, निर्धारित लक्ष्य की तुलना में बुवाई क्षेत्र कम प्रगति दर्शा रहा है। गौरतलब है कि किसान 25 दिसम्बर तक गेहूं की बुवाई करते है। कृषि विभाग के बुवाई आंकड़ो पर गौर करें तो सरसों की बुवाई 32.35 लाख हैक्टयर क्षेत्र में हो चुकी है। वहीं, चने की बुवाई 17.95 लाख हैक्टयर क्षेत्र में सम्पन्न हो चुकी है। जबकि, गेहूं की बुवाई महज 19 लाख हैक्टयर क्षेत्र में हुई है। इसी तरह जौ की बुवाई 2.23 लाख हैक्टयर क्षेत्र में हुई है। हालांकि, रबी फसलों की बुवाई निर्धारित एक करोड़ 80 हजार हैक्टयर लक्ष्य की तुलना में 82.80 फीसदी हो चुकी है।

गेहूं उत्पादक जिले

श्रीगंगानगर जिले में 2.25 लाख हैक्टयर की तुलना में 1.02 लाख हैक्टयर, हनुमानगढ़ में 2.55 लाख हैक्टयर लक्ष्य की तुलना में सवा लाख हजार हैक्टयर में बुवाई हुई है। वहीं, कोटा जिले में 1.52 लाख हैटक्यर की तुलना में 69 हजार, बारां जिले में 1.45 लाख हैक्टयर के मुकाबले 85 हजार, बूंदी जिले में 1.55 लाख हैक्टयर के मुकाबले 68 हजार हैक्टयर और झालवाड़ जिले में 1.20 लाख हैक्टयर की तुलना में 1.05 लाख हैक्टयर में गेहूं की बुवाई हुई है। जबकि, कमोबेश यही स्थिति चना उत्पादन का गढ़ माने जाने वाले जिलों की है।

बारिश से बढ़ी रंगत

दीपावली पर प्रदेश के कई जिलों में ओलावृष्टि के साथ हुई अच्छी मावठ ने बारानी फसलों की रंगत बढ़ा दी है। किसानों का कहना कि सरसों और चने की फसल को सिंचाई की जरूरत थी। जो रामजी ने पूरी कर दी है। इससे एक सिंचाई और देने के बाद फसल घर आने की उम्मीद बंध गई है। बारिश के बाद पौधों का रंग निखर उठा है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यह बारिश सरसों और चना की बारानी फसल के लिए अमृत का काम करेगी। उधर, अगेती सरसों में फूल खिलना शुरू हो चुके है।

सरसों का बढ़ रहा है रकबा

प्रदेश में इस वर्ष सरसों बुवाई का आंकड़ा पहले ठिठका हुआ नजर आ रहा है। लेकिन, अब बुवाई का रकबा गति पकड़ रहा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि फील्ड से प्राप्त हो रही रिपोर्ट को देखे तो सरसों की बुवाई निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा पहुंच चुका है। गौरतलब है कि सरसों बुवाई के लिए इस साल 27 लाख हैक्टयर का लक्ष्य रखा गया है। इसकी तुलना में 32.65 लाख हैक्टयर क्षेत्र में फसल की बुवाई हो चुकी है। उधर, सरसों की फसल में किसानों ने निराई-गुड़ाई का कार्य भी शुरू कर दिया है।

लहसुन एक लाख पार

प्रदेश में इस बार लहसुन की बुवाई बढ़ने की उम्मीद है। करीब एक लाख हैक्टयर क्षेत्र में किसान लहसुन की बुवाई कर चुके है। कोटा जिले में 27 हजार, बारां में 34 हजार, बूंदी जिले और झालावाड़ जिले में करीब 44 हजार हैक्टयर में लहसुन की बुवाई हो चुकी है। कृषि जानकारों का कहना है कि लहसुन का बुवाई क्षेत्र बढ़ने का कारण कम भाव माने जा रहे है। एनएचआरडीएफ के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. अवधेश मिश्रा ने बताया कि इस साल लहसुन के बाजार भाव किसानों की आशानुकूल नहीं रहे है। इस कारण किसानों ने स्टॉक में रखें लहसुन को बुवाई के काम लिया है। इससे लहसुन का क्षेत्र बढने का अनुमान है। गौरतलब है कि लहसुन बुवाई का समय अब खत्म हो चुका है। इसके बाद बुवाई करने पर फसल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। क्योंकि, फरवरी-मार्च में तापमान बढ़ना शुरू हो जाता है।

फसल	बुवाई	फसल	बुवाई
गेहूं	19	जौ	2.23
चना	17.95	सरसों	32.65
तारामीरा	1.27	अलसी	0.04
जीरा	3.72	मेथी	0.32
धनिया	0.26	ईसबगोल	2
लहसुन	-1.18		

बुवाई क्षेत्र लाख हैक्टयर में।

अनिवार्य विषयों के व्याख्याता पद सृजित व वॉइस प्रिंसिपल की 50 फीसदी सीधी भर्ती करने की माँग

शिक्षा मंत्री कल्ला का अभिनन्दन कर रेस्टा ने सौंपा सात सूत्री माँग पत्र

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ, रेस्टा के प्रतिनिधि मण्डल ने प्रदेशाध्यक्ष भेरूराम चौधरीके नेतृत्व में शिक्षा कैबिनेट मन्त्री डॉ. बी डी कल्ला से जयपुर स्थित उनके आवास पर मुलाकात करके अभिनन्दन किया। संगठन द्वारा शिक्षा मंत्री का अभिनंदन करते सात सूत्री माँग पत्र सौंपा गया। रेस्टा के प्रवक्ता बसन्त कुमार जाणी ने बताया कि 2013 के बाद क्रमोन्नत प्रदेश के आठ हजार उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अनिवार्य विषयों हिन्दी व अंग्रेजी के व्याख्याता पद सृजित करके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाई जाए। हाल ही में प्रधानाध्यापक के पद को समाप्त करके उसके स्थान पर नवसृजित वॉइस प्रिंसिपल के 50 फीसदी पदों पर सीधी भर्ती करने व प्रिंसिपल के 50 फीसदी पदों पर भी सीधी भर्ती की जाए ताकिशिक्षा विभाग में युवा ऊर्जावान प्रधानाचार्य मिल सके, राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापकों की भर्ती राज्य स्तरीय मैरिट से होने के कारण वरिष्ठ अध्यापकों का अंतर मण्डल स्थानांतरण होने पर वरिष्ठता विलोपन को समाप्त किया जाए। बसन्त कुमार जाणी ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु नामांकन के अनुसार कक्षा वर्ग का निर्धारण करते हुए ग्राम पंचायत मुख्यालय के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 10 में 60 से अधिक नामांकन होने पर कला के साथ विज्ञान संकाय शुरू करने, नये संशोधित सेवा नियमों के तहत स्नातक व अधिस्नातक में समान विषय की अनिवार्यता में छूट देते हुए 1 अप्रेल तक योग्यता जुड़वा चुके वरिष्ठ अध्यापकों को इस वर्ष की डीपीसी में शामिल किया जाए। एक ही समान भर्ती के वरिष्ठ अध्यापकों को अलग अलग समय मे नियुक्ति मिलने पर नोशनल लाभ देने सहित सात सूत्री माँग पत्र सौंपा गया। प्रदेश सभाध्यक्ष टोडाराम गोलिया ने बताया कि शिक्षा मंत्री द्वारा सकारात्मक वार्ता करते हुए सभी बिंदुओं पर विचार करने का आश्वासन दिया गया। प्रतिनिधि मण्डल में प्रदेशाध्यक्ष भेरूराम चौधरी, प्रदेश सभाध्यक्ष टोडाराम गोलिया, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश बसवाल, प्रदेश व. उपाध्यक्ष मनीष कालेर, प्रदेश मीडिया प्रभारी डॉ. कानाराम रैगर, सुरीना मीणा, हरलाल गढ़वाल, धन्नाराम मील, सी पी अग्निहोत्री सहित प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे।

नवनियुक्त एमडी एनएचएम का एनयूएचएम यूनियन द्वारा स्वागत

जयपुर/बीकानेर @ जागरूक जनता। एनयूएचएम प्रबन्धकीय संविदा कार्मिक संघ, राजस्थान के नवीन प्रदेशाध्यक्ष मुकेश मीणा के नेतृत्व मे कोटा एवं जयपुर टीम के द्वारा नवनियुक्त मिशन निदेशक (एनएचएम) अरुणा राजोरिया को मगलंकामनाओ के साथ गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया गया, तदुपरान्त पीडी सर एवं स्टेट कंसलटेंट व एनयूएचएम के स्टेट एसएनओ से वार्ता कर समस्याओ से अवगत करवाया गया तथा त्वरित समाधान हेतु करबद्ध निवेदन किया गया, जिसमे सभी अधिकारियों ने सकारात्मकता के साथ समस्याओ के हल का आश्वासन दिया. सभी उच्चाधिकारियों का तहे दिल से डेलीगेशन ने आभार प्रकट करते हुए जल्द से जल्द समाधान की उम्मीद की. गौरतलब है कि पीएचएम और एसीडीईओ अपनी मांगों व समस्याओं को लेकर गतवर्ष से प्रयासरत है. प्रदेश महिला प्रभारी अनुपमा पारीक ने बताया कि हमारी वेतन वृद्धि हेतु पीआईपी संशोधन, मोबिलिटी, एनसीडी इन्सेंटिव और पूर्वीवर्ती 15 प्रतिशत इन्क्रीमेंट (मात्र एनयूएचएम दो कैडर वंचित हैं) प्रमुख मांगे हैं।

शिक्षा का निजीकरण, युवाओं को शिक्षा से वंचित करना नई शिक्षा नीति

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीकानेर। शिक्षक संघ शेखावत के जिला शाखा का वार्षिक शिक्षक सम्मेलन का आगाज रा उ मा वि सादुल बीकानेर में हुआ, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक शिक्षा सुरेन्द्र सिंह भाटी व मुख्य वक्ता विजय कुमार ऐरी प्रोफेसर राजकीय डूंगर महाविघालय तथा विषिष्ट अतिथि यषपाल पंवार प्रधानाचार्य राउमावि सार्दुल स्कूल रहे। शैक्षिक सम्मेलन की अध्यक्षता प्रदेश कार्यकारणी सदस्य रेवंत राम गोदारा ने कि।

मुख्य वक्ता विजय कुमार ऐरी ने नई शिक्षा नीति पर बोलते हुए कहा की कक्षा 1 से 5 तक प्ले स्कूल की तरह विद्यालय को चलाकर आर एस एस की शाखाओं द्वारा ज्ञान परोस देश की नई पौध के साथ खिलवाड करने की साजिष हो रही है, उन्होने कहा की सार्वजनिक उपक्रमों जिनकी वैल्यू 80 लाख करोड़ है उन्हे औने पौने दामों पर अपने पूंजीपति मित्रों को केन्द्र सरकार दे रही है, जिससे वेलफेयर राज्य की भावना पर सीधी चोट हैं। अधिवेशन में जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा सुरेन्द्र सिंह भाटी ने कहा की नई शिक्षा निति के साथ नये बने सेवा नियमों को भी समझ कर अधिवेषनों में चर्चा करनी चाहिए।

प्रदेष कार्यकारणी सदस्य सोहन गोदारा ने कहा की शिक्षा का निजीकरण करने और युवाओं को शिक्षा से वंचित करना ही नई शिक्षा नीति है। विशिष्ट अतिथि यशपाल पंवार ने कहा की शिक्षकों पर विभाग और प्रशासन द्वारा थोपे गये अनावष्यक गैर शैक्षणिक कार्य का विरोध किया, इस पर संगठनों को इन में मंथन कर विरोध करना चाहिए। शैक्षिक सम्मेलन पर जिलाध्यक्ष संजय पुरोहित और जिला मंत्री शिव शंकर गोदारा ने पधारे हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सम्मेलन में श्रवण पुरोहित, कोजाराम सियाग, केसरा राम गोदारा, भंवर पोटलिया, देवेन्द्र जाखड़, महेन्द्र भवरिया, मोहम्मद हारूण, भंवर सांगवा आदि शिक्षक नेताओं ने भी संबोधित किया।

कैसे बढ़ गए गो-तस्करी और गोवध के मामले

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गौरक्षक देवी-देवताओं एवं गौसेवक संतों की पुण्यमय भूमि राजस्थान इन दिनों गौ माता के रक्त से लहूलुहान है। संपूर्ण प्रदेश में गौ-उत्पीड़न, गौतस्करी, गौहत्या तथा गौरक्षकों पर प्राणघातक हमले की घटनाएँ लगातार एक के बाद एक सामने आ रही हैं। पिछले दिनों दिनांक 24 नवंबर बुधवार को अलवर के भिवाड़ी में बाइक पर 45 किलो गौमाँस ले जाते 2 युवकों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपी जुनेद मेव पुत्र खालिद (25) एवं असलम मेंव पुत्र नसरुद्दीन (18) तिजारा के बेरला गाँव के निवासी हैं।

भिवाड़ी एसपी राममूर्ति जोशी के अनुसार दो युवकों द्वारा बाइक पर गौमाँस लेकर मालियर जट्ट की तरफ से हसनपुरा माफी जाने की सूचना थी जिसपर नाकाबंदी की गई। रात को मालियर जट्ट की तरफ से आती बाइक को रोक तलाशी ली तो एक प्लास्टिक के कट्टे में 45 किलो माँस मिला। अधिकृत पशु चिकित्सक विनोद यादव ने इसके गौमाँस होने की पुष्टि की।

इस तरह की यह एकमात्र घटना नहीं है। विगत कुछ ही दिनों में गौतस्करी व गौहत्या के कई मामले सामने आए। हाल ही में खेतड़ी का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें 3 युवक एक गाय और बैल को मशाल से जलाने का प्रयास करते दिखे। इसके अतिरिक्त हाल ही में हुई कुछ गौतस्करी/ गौ-उत्पीड़न की घटनाएँ निम्न हैं-

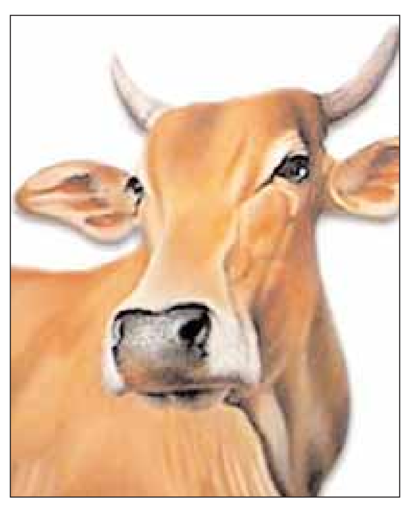

- » मालपुरा में कंटेनर में निर्दयता से ठूँसकर भरे गए 53 गौवंश को मुक्त कराया गया। 2 गौवंश मृत पाए गए।
- » सवाई माधोपुर में 75 गौवंश से भरा ट्रक पकड़ा गया जिन्हें काटने के लिए ले जाया जा रहा था।
- » प्रतापगढ़ में एक ट्रक में भरे गए 51 गौवंश को मुक्त कराया गया। 1 कि दम घुटने से मृत्यु हो चुकी थी।
- » खोह भरतपुर में एक गाड़ी में 2 गोवंश जीवित तथा 1 मृत पाए गए। उक्त घटना में याहया तथा जैकम नामक 2 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई।
- » आबूरोड़ में 39 गौवंश से भरा कंटेनर पकड़ा गया। 4 आरोपी गिरफ्तार।
- » बूंदी के पेच बावड़ी से मिनी ट्रक में कटने को ले जाते 10 गौवंश पकड़े गए।
- » दूनी, टोंक में गौसेवा दल द्वारा गौतस्करों के कब्जे से कई गायों को छुड़ाया गया।
- » भरतपुर से गौ तस्कर साकिर की गिरफ्तारी हुई है जो बहुत समय से गौहत्या व गौ तस्करी में लिप्त रहा है।

इसी के साथ अजमेर में गौतस्करों के सक्रिय होने की बात सामने आई है जो निराश्रित गौ को घेरकर सुनसान में ले जाते हैं और रात के अंधेरे में गाड़ियों में भरकर कटने के लिए भेज देते हैं। गत दिनों सूपा क्षेत्र से ऐसा ही एक ट्रक पकड़ा गया था।

उल्लेखनीय है सर्दियों में गौ-तस्करी और गौ-उत्पीड़न की घटनाओं में एकाएक वृद्धि हो जाती है। और ऐसा प्रतिवर्ष देखने में आया है। लेकिन विडंबना है कि राज्य सरकार तुष्टिकरण में डूबकर गौ हत्या पर आँखें मूंदे बैठी है। इतना ही नहीं, गौ रक्षा करते हुए तस्करों की फायरिंग का शिकार होने वाले गौसेवकों पर ही मुकदमे दर्ज किए जाते हैं, इसके अनेक उदाहरण हैं। समय की मांग है कि गौ-उत्पीड़न के विरुद्ध न केवल सख्त से सख्त कानून बने अपितु सनातन समाज की भावनाओं को ध्यान में रखते हर दोषियों को भी कड़ा दण्ड दिया जाए चूँकि गौ मात्र जीव नहीं है। वह भारतीय संस्कृति का जीवंत प्रतीक है।

ANCHOR | ओपिनियन

आज की दुनिया में "हिमालयन टास्क" क्या हैं?

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. अभिलाष मोदी
इन्टरप्रेन्योर
@jagrukjanta.net

हम जब भी कभी हिमालयन टास्क या यहाँ तक की हमारे देश के सबसे बड़े पर्वत हिमालय का नाम भी सुनते हैं तो हमारे दिमाग में जो चित्र बनते हैं उनमे ज्यादातर कुछ बहुत मुश्किल, खतरनाक, या नामुमकिन काम करते हुए लोग ही आते हैं, और इसी आधार पर हमें माउंट एवरेस्ट चढ़ना, कोई विश्व रिकॉर्ड तोड़ देना या बना लेना, टीवी पर आने वाले खतरों से सम्बंधित शोज़ में कुछ लोगों को स्टंट्स परफॉर्म करते देखना हिमालयन टास्क लगता हैं।

तो क्या यह मान लिया जाए की जो दुनिया में कुछ गिने-चुने लोग ही कर सकते हैं वही दुनिया का सबसे मुश्किल काम या हिमालयन टास्क हैं। क्योंकि अगर ऐसा करना हिमालयन टास्क हैं तो आप ऐसे कितने गाँवों या शहरों को जानते हैं जो दुनिया के इन गिने-चुने लोगों के द्वारा ऐसा करने पर पहले से ज्यादा खुशहाल हो गए हैं? कितने ऐसे घर हैं जिनमे इन्ही गिने-चुने लोगों के द्वारा ऐसा कुछ करने पर परिवार में एक दुसरे से शिकायत खत्म हो गयी हो?

इस मुद्दे पर इस तरीके से सोचने पर पता चलता हैं की जिसे हम हिमालयन टास्क मानते हैं क्या वो इतना छोटा है की उससे केवल किसी इन्सान को कुछ देर का सम्मान मिल जाए या किसी नौकरी में कोई पद मिल जाए या कोई मैडल या कुछ दिनों की पहचान मिल जाए? नासमझी या अहंकार की आँखों से देखने पर हो सकता हैं की खुद को कैसे भी करके कुछ देर के लिए नोटिस करवा देने को हम कोई हिमालयन या बड़ा टास्क मान ले पर समझ की आँखों से देखने पर चलता हैं की आज की दुनिया में हिमालयन टास्क खुद के लिए कुछ देर का सम्मान या पहचान बटोरना नहीं हैं बल्कि कुछ और हैं।

जब आप थोडा और समझ के साथ गहराई में सोचने की कोशिश करेंगे तो आप जान पाएंगे की आज ही नहीं दुनिया में कभी भी अगर कोई हिमालयन टास्क रहा हैं जिसकी कमी के कारण इन्सान ने खूब गलतियाँ की हे तो वो हैं एक ऐसा जीवन जीना जहाँ उत्सुकता, ख़ुशी, उमंग व उत्साह की निरंतरता हों। इस बात को आप ऐसे भी समझ सकते हैं की आप खुद में, खुद के आस-पास में या खुद के परिवार में कितने ऐसे लोगों को जानते हैं जो कई सालों से किसी नौकरी या व्यापार को लेकर, किसी रिश्ते को लेकर, किसी मनपसंद चीज़ को लेकर उतने ही उत्साह, खुश, उमंग से भरे हुए हैं जितने वो उस वक्त थे जब उन्होंने इसे शुरू किया था? क्योंकि जब एक इन्सान किसी चीज़ को हर दिन उत्सुकता, ख़ुशी, उमंग व उत्साह के साथ करता हैं तो सालों बाद उसकी उत्सुकता, ख़ुशी, उमंग व उत्साह इतना बढ़ जाना चाहिए की वो हमेशा प्रसन्नता से भरा रहें जबकि हमें हमारे आस-पास के ज्यादातर लोग वक्त बीतने से साथ नाराज, चिडचिडे व शिकायतों से भरें हुए दिखाई देते हैं और उनका चिडचिडापन व हर छोटी बात में परेशान हो जाने वाला स्वभाव ये बताता हैं की वो उत्सुकता, ख़ुशी, उमंग व उत्साह की निरंतरता नहीं रख पाए। आप एक ऐसे जीवन की कल्पना करें जिसमे सालों तक दिन रात एक करने के बावजूद भी आप मन से नाराज, चिडचिडे व शिकायतों से भरें हुए हैं और आप झूठ में इतने गहरे जा चुके हैं की आप में अब इस बात को स्वीकार करने कि भी हिम्मत नहीं की आपने जिस तृप्ति, संतोष, उत्सुकता, ख़ुशी, उमंग व उत्साह को पाने के लिए इतना सब किया था वो आपको नासमझियों के चलते आपको नहीं मिल पायी। कोई इंसान कितना भी भ्रमित क्यों न हो वो गहराई में यही चाहता हैं की उसमें हमेशा तृप्ति, संतोष, उत्सुकता, ख़ुशी, उमंग व उत्साह बना रहें पर जब वो जीवन को समझे बिना उसे जीने की असफल कोशिश करता हैं और सोचता हैं की जीते-जीते मुझे एक दिन अपने आप ही जीना आ जाएगा, यह उतना ही बड़ा भ्रम हैं जैसे किन्ही दो लोगों को अंग्रेजी बोलना नहीं आता हैं तो वो कितने साल तक एक दुसरे के साथ टूटी-फूटी अंग्रेजी बोलते रहे की उन्हें एक दिन खुद-ब-खुद ही सही अंग्रेजी बोलनी आ जाएगी? कभी नहीं, गलती की निरंतरता से सही नहीं मिलता, बस गलती करने के अलग-अलग तरीके पता चल जाते हैं और अलग-अलग तरीके से गलतियाँ करना सही नहीं हो जाता।

जीवन को समझे बिना जब जिन्दगी जी जाती हैं तो इंसान अपने जिन्दगी के खालीपन को या सख्त भाषा में कहें तो खोखलेपन को कुछ दिन कही घूमकर, उसकी फोटोज दुनिया को दिखाकर, किसी पार्टी में जाकर, किसी को पार्टी में बुलाकर, नयी कार खरीदकर और उसमें घूमकर, नए कपडे पहनकर जिन्दगी में न मिलने वाले तृप्ति, संतोष, उत्सुकता, ख़ुशी, उमंग व उत्साह को इन छोटी-छोटी चीजों से भरने की असफल कोशिश करता हैं पर उससे जिन्दगी और टुकड़ों में बंट जाती हैं और हमारी खुश, उत्साही, उमंग से भरे होने की सम्भावना को और कम कर देती हैं। हिमालयन टास्क खुद को दिखावा करके किसी और से ज्यादा नोटिस करवाना नहीं हैं, जिन्दगी में हिमालयन टास्क सालों तक रिश्तों में, काम में, परिवार में हर बीतते पल के साथ ज्यादा तृप्ति, ज्यादा संतोष, ज्यादा उत्सुकता, ज्यादा ख़ुशी, ज्यादा उमंग व ज्यादा उत्साह के साथ जी पाने में हैं। किसी ने ठीक ही कहा हैं स्वर्ग, नरक कही और नहीं वो आपके विचारों में हैं जब आप अपने विचारों में पल-पल मरते हैं आप नरक में हैं और जब आप अपने विचारों से हर पल तृप्ति, संतोष, उत्सुकता, ख़ुशी, उमंग को अनुभव करते हैं आप स्वर्ग में हैं।

जिन्दगी तब तक खुश नहीं होती जब तक आप उसे उन चीजों के लिए नहीं जीते जो आपके लिए उत्सुकता, ख़ुशी, उमंग व उत्साह की निरंतरता के रास्ते खोलती हैं, उससे कम में जिन्दगी संतुष्ट नहीं हो सकती। तो आइये जिन्दगी के असली हिमालयन टास्क को पहचाने और उसे जीने के लिए अपनी जिन्दगी का हर पल लगा दे ताकि जिन्दगी को चन्द पलों में खोजने की बजाय जिन्दगी के हर पल में हम जिन्दगी जी पायें।

आलेख

कैसे पता चलेगा कि स्मार्टफोन हैक हो चुका है

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. भावेश कुमावत
असि. प्रोफेसर
@jagrukjanta.net

आज हम अपने स्मार्टफोन पर अपने कंप्यूटर से अधिक काम कर रहे हैं। सारे काम- काज के ऑनलाइन हो जाने की सुविधा के कारण फोन से अधिकतर काम हो जाते हैं, लेकिन इन सबके बीच एक बड़ा खतरा हैकिंग और डाटा लीक को लेकर रहता है। कंप्यूटर और लैपटॉप के मुकाबले फोन को हैक करने हैकर्स के लिए आसान होता है। कई रिसर्च करने पर और एपल के दावे के मुताबिक एपल के आईओएस के साथ एंड्रॉयड के मुकाबले अधिक सिक्योरिटी मिलती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आईफोन हैक ही नहीं हो सकता। आज हम आपको कुछ संकेत बताएंगे जिनकी मदद से पता लगा सकेंगे कि आपका फोन हैक हुआ है या नहीं

अपने आप चलते-चलते सिस्टम का बंद होना और रीस्टार्ट होना

एक संकेत यह भी है कि अगर आपका सिस्टम लगातार चलते-चलते अपने-आप बंद हो रहा है या फिर री-स्टार्ट हो रहा है तो आपको समझ जाना चाहिए कि आपका सिस्टम हैक हो गया है। इसके अलावा अगर आपको लगता है कि आपके फोन और कंप्यूटर की सेटिंग्स अपने आप बदल गई है तो सावधान हो जाएं। इसका मतलब है कि हैकर्स आपके सिस्टम में पहुंच गए हैं। तुरंत डाउनलोड फाइल चेक करें या फोन को फॉर्मेट करें।

शॉपिंग या गिफ्ट कूपन के मैसेज

फोन के हैक होने का सबसे बड़ा संकेत यह है कि आपके पास ट्रांजेक्शन के मैसेज मिलने लगते हैं। कई बार ऐसा होता है कि उन प्रोडक्ट्स के मैसेज आपको मिलने लगते हैं जिन्हें आपने खरीदा ही नहीं है। इसका मतलब है कि आपके ₹ेडिट या डेबिट कार्ड का डिटेल किसी के हाथ लग गया है। पेमेंट डिटेल की जानकारी हैकर्स को आपकी शॉपिंग साइट से मिल सकती है या फिर आपके फोन और ईमेल से मिल सकती है।

फोन और कंप्यूटर सिस्टम का अचानक से स्लो हो जाना

अगर आपका स्मार्टफोन या कंप्यूटर हद से ज्यादा स्लो चल रहा है तो सावधान हो जाएं। कई बार हैकर्स आपके सिस्टम का इस्तेमाल बिट्क्रॉइन की माइनिंग के लिए करते हैं। इसके अलावा इंटरनेट स्पीड अच्छी होने के बाद भी फोन पर वीडियो स्लो चल रहा है तो सावधान हो जाने की जरूरत है।

एंटी वायरस का एकदम से बंद हो जाना

हैकर्स कई बार एंटी वायरस और सिक्योरिटी सॉफ्टवेयर को बंद कर देते हैं। अगर आपको जरा भी संदेह होता है कि आपका एंटी वायरस काम नहीं कर रहा है तो सतर्क हो जाने की जरुरत है। इसके अलावा अपना वेब ब्राउजर हमेशा चेक करते रहें, क्योंकि ऐसा भी हो सकता है कि आप आपके वेब ब्राउजर में कोई एक्सटेंशन पड़ा हो और वह आपकी जासूसी कर रहा हो। कई बार कुछ एक्सटेंशन या सॉफ्टवेयर किसी वेबसाइट के जरिए सिस्टम में आ जाते हैं और इनके जरिए हैकर्स आप तक पहुंच सकते हैं। पासवर्ड सेट करते समय यह ध्यान रखें कि अपनी सार्वजनिक की गई किसी भी इनफारमेंशन को पासवर्ड न बनाएं। जैसे कुछ लोग अपनी डेट ऑफ बर्थ, फोन नंबर और मोबाइल नंबर को पासवर्ड में यूज करते हैं। ऐसा करना बिल्कुल गलत है। आपके ऐसा करने से अकाउंट हैकिंग का खतरा बढ़ जाता है। अगर आपको कभी लगता है कि किसी विशेष व्यक्ति के कंप्यूटर पर कम करने से आपके अकाउंट की सुरक्षा को खतरा हो तो कभी भी उस कंप्यूटर पर काम नहीं करें। इसके अलावा तीसरा कारण होता है किसी बहुत आसन से शब्द को अपना पासवर्ड बना लेना। आज कई सॉफ्टवेर उपलब्ध हैं जो पासवर्ड क्रेकिंग के लिए प्रयोग मे लाये जाते हैं। अतः अपना पासवर्ड ऐसा रखे कि आसानी से कोई उसका अनुमान नही लगा सके। अकाउंट हैक होने का सबसे प्रमुख कारण साइबर कैफे मे ईमेल अकाउंट मे यूजर इन करते समय रिमेंबर-मी पर चेक कर देना। इससे दूसरा कोई उपभोक्ता भी उस कंप्यूटर पर आपके अकाउंट को खोल सकता है। इसलिए कभी भी इस विकल्प को चेक न करे। कई बार की-लॉगर सॉफ्टवेर का प्रयोग कर कंप्यूटर पर सभी दबाये जाने वाले कुंजी को रिकॉर्ड कर लिया जाता है। इससे बचने के लिए आम तौर पर आप कुछ नही कर सकते।

(लेखक आबूरोड से है, ये उनके अपने विचार है)

रक्तदान शिविर व अभिनंदन समारोह आयोजित

चौमूं @ जागरूक जनता। युवा कांग्रेस अध्यक्ष अनुज आत्रेय ने बताया की डॉ राजकुमार शर्मा के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर पूरे प्रदेश भर में रक्तदान शिविर आयोजित कर के मनाया जाता है जन्मदिन। चौमू के जयपुर सीकर हाईवे स्थित राधास्वामी बाघ तिराहे पर रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ शिविर में 106 यूनिट रक्तदान किया गया। इस अवसर पर पुर्वी ब्लाक अध्यक्ष लालाराम बलेसरा, ओबीसी कांग्रेस विभाग अध्यक्ष अभिषेक सैनी, कांग्रेस नेता शंकर चतुर्वेदी, कांग्रेस नेता राजकुमार नरेड़ा, नगरपालिका पूर्व नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र चौधरी, पार्षद उत्तम गोठवाल, पार्षद महेश मीणा, कन्हैयालाल थावरिया, संजय योगी, युवा नेता मुकेश चौपड़ा, डॉ हनुमान बराला, डॉ अवधेश शर्मा,राकेश शर्मा जयरामपुरा, डॉ दीपिका बराला, ओमी मीणा, राजपाल मीणा, मुकेश शर्मा, मुकुल हरितवाल, मनोज मीणा, मनीष शर्मा, शरद शर्मा, गोपाल प्रजापत, केशर गुर्जर, देवेंद्र शर्मा, समेत कई पदाधिकारी व बंधुजन उपस्थित रहे।

अमित शाह के आगामी दौरे को लेकर विधायक शर्मा ने कार्यकर्ताओं को सोंपी जिम्मेदारिया

चौमूँ @ जागरूक जनता। सुशील अग्रवाल गृहमंत्री अमित शाह के 5 दिसंबर को होने वाले प्रदेश दौरे को लेकर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा ने सुभाष सर्किल स्थित भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग का आयोजन किया। उन्होंने बताया कि अमित शाह के दौरे को लेकर कार्यकर्ताओं को प्रत्येक बूथ से 10-10 कार्यकर्ता लेकर जाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस दौरान 5 दिसंबर को जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा। जिसमें प्रधान, उपप्रधान, पंचायत समिति सदस्य, जिला प्रमुख, जिला उपप्रमुख, जिला परिषद सदस्य, नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद सहित जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया जाएगा। इस मौके पर भाजपा बांसा मण्डल अध्यक्ष श्रीराम शर्मा, नगर मंडल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, प्रधान रामस्वरूप यादव, पूर्व फल सब्जी मंडी अध्यक्ष दिनेश गोरा, फतेहपुरा सरपंच बाबूलाल गुर्जर, युवा मोर्चा अध्यक्ष नानूराम पिपलोदा, किसान मोर्चा अध्यक्ष सरदार जाट, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष महेश योगी, पार्षद मातादीन अग्रवाल, बाबूलाल बिसनालिया, संदीप शर्मा, राहुल शर्मा, गजेंद्र यादव, बाबूलाल यादव, नगर उपाध्यक्ष सी. एम. खटीक, रामदयाल, नरोत्तम शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि मांगीलाल शर्मा, मुरारी खांडल, राकेश बोहरा, रामकरण कुमावत, वासुदेव पंचोली, कैलाश चोपड़ा, राहुल शर्मा, प्रशांत यादव, सुरेश कुमावत, मुकेश जांगिड़ राजू गरेड, सुवालाल सैनी, मुकुल अग्रवाल, विनोद गोदारा सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लगातार चले 'शुद्ध के लिए युद्ध' अभियान-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि 'शुद्ध के लिए युद्ध' अभियान लगातार चलाया जाए ताकि मिलावटखोरों में भय पैदा हो। उन्होंने कहा कि शुद्ध खाद्य उत्पाद प्राप्त करना नागरिकों का अधिकार है और खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग इसमें सक्रिय भूमिका निभाएं। गहलोत मुख्यमंत्री निवास पर 'शुद्ध के लिए युद्ध' अभियान की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने मिलावटखोरों पर कार्रवाई करने वाले खाद्य एवं आपूर्ति विभाग तथा चिकित्सा विभाग के बेहतर समन्वय पर जोर दिया। साथ ही, अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में प्रयोगशालाएं स्थापित करने एवं मिलावट की रोकथाम के लिए स्थापित खाद्य निदेशालय में खाद्य सुरक्षा आयुक्त की शीघ्र नियुक्ति के निर्देश दिए। शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य वैभव गालरिया ने बताया कि नवंबर, 2020 में चलाए गए शुद्ध के लिए युद्ध अभियान को काफी सफलता मिली थी। 1 जनवरी 2022 से फिर से शुरू होने वाले इस अभियान को और प्रभावी तरीके से चलाया जाएगा। शासन सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति नवीन जैन बताया कि 1 जनवरी से चलने वाले इस अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। शासन सचिव डेयरी एवं पशुपालन आरूषी ए मलिक ने बताया कि नवंबर-2020 में चलाए गए अभियान के दौरान मिलावटखोरों पर नकेल कसने से आरसीडीएफ की आय में वृद्धि हुई है। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, मुख्य सचिव निरंजन आर्य, पुलिस महानिदेशक एम.एल. लाठर, प्रमुख शासन सचिव वित्त अखिल अरोरा, निदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क पुरूषोत्तम शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

चिकित्सा शिविर में 175 रोगी हुए लाभान्वित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमू। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में विशाल निशुल्क चिकित्सा एव परामर्श शिविर राजकीय लक्ष्मीनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय चीथवाड़ी में श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर बालमुकुंद आचार्य महाराज के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रदेश प्रवक्ता डॉ अविनाश वशिष्ट ने बताया कि शिविर में एलोपैथिक व आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ अनीता शर्मा, डॉ विजय यादव, डॉ सुधांशु पांडे, डॉ अजय शर्मा, डाँ आरके सैनी, डाँ आशुतोष कौशिक, डॉ रामप्रकाश शर्मा, डॉ बंशीधर शर्मा डॉ युगल प्रकाश यादव, सीएम सैनी आदि चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दी तथा निशुल्क दवा वितरित की गई शिविर में 175 रोगी लाभान्वित हुए कार्यक्रम समापन के दौरान प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने सभी चिकित्सकों एवं विद्यालय प्राचार्य कैलाश वर्मा एवं कर्मचारियों का माल्यार्पण कर अभिनंदन पत्र भेंट किया इसमें प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएम सैनी, प्रदेशाध्यक्ष (चिकित्सा प्रकोष्ठ) डॉ भारत राज शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष (आयुष प्रकोष्ठ) डॉ. राम प्रकाश शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता विष्णु कुमावत, प्रदेश प्रचार प्रसार मंत्री चंद्रप्रकाश शर्मा, चोमू नगर अध्यक्ष डॉ सीताराम कुमावत, पूर्व सरपंच शिल्पी जैन, सरपंच प्रतिनिधि मुकेश जाट, एडवोकेट पुष्यमित्र भारद्वाज, कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत, मदन लाल गौड़, राकेश शर्मा, सौरव शर्मा, सुनील शर्मा, विमल कुमार शर्मा, आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सुविवि का दीक्षांत समारोह अपने आप में अद्भुत और भव्य होगा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (सुविवि) का आगामी 22 दिसंबर को होने वाला 29 वां दीक्षांत समारोह अब तक का सबसे भव्य समारोह होगा जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के विभिन्न ख्याति प्राप्त वक्ताओं द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अमेरिका सिंह ने बताया कि इस समारोह में पीएचडी उपाधि धारियोंको को उपाधियों एवं स्वर्ण पदक धारकों को भी उपाधि एवं स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। यह दीक्षांत समारोह ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों मोड पर आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय बड़े स्तर पर अपनी तैयारियां शुरू कर चुका है।

उन्होंने बताया कि दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्वर्ण पदक धारियों एवं उपाधि धारियों को उपाधियां एवं स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे साथ ही विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक, अशैक्षणिक एवं शैक्षणैत्तर कर्मचारियों में से उनके श्रेष्ठ योगदान के लिए प्रोत्साहन स्वरूप सम्मान एवं पारितोषिक राशि से सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों के छात्रों एवं एल्यूमिनी जिन्होंने विश्वविद्यालय का विभिन्न क्षेत्रों में नाम रोशन किया है उन छात्रों को भी सम्मानित किया जाएगा और सम्मान स्वरूप उन्हें पदक और धन राशि प्रदान की जाएगी। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. पी एस राजपूत ने बताया कि दीक्षांत समारोह के संदर्भ में विश्वविद्यालय ने अधिसूचना जारी कर दी है जिसमें दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने वाले उपाधि धारियों एवं स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले छात्रों को वेशभूषा आदि के बारे में विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए है।

भाजपा अजा मोर्चा प्रदेश महामंत्री का पाली आगमन पर भव्य स्वागत

पाली @ जागरूक जनता। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश महामंत्री मुकेश गर्ग प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश किराड माउंट आबू से जयपुर जाते वक्त निजी यात्रा से पाली आगमन पर आना हुआ। भाजपा एससी मोर्चा कार्यकर्ता द्वारा माला व साफा मुंह मिठ्ठा करवाकर सर्किट हाऊस में जिलाध्यक्ष महेन्द्र मेघवंशी के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला प्रवक्ता मनीष जावा ने बताया की जिला महामंत्री मनोहर जाम के घर उनके पत्नी का कुछ दिन पहले देहान्त हो गया था। अतः श्रदाजंलि देने में सम्मिलित हुए, इस अवसर पर भाजपा एससी मोर्चा जिलाध्याक्ष महेन्द्र मेघवंशी प्रदेश कोषाध्यक्ष मेघाराम परमार, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य गणपत मेघवाल, जिला उपाध्यक्ष राकेश आदिवाल, पूर्व मण्ड़ल अध्यक्ष हीरालाल मेघवाल, जिला कार्यालय मंत्री मुकेश हल्दानिया, शिवाजी मण्ड़ल महामंत्री अशोक सोनी, महाराणा प्रताप मण्ड़ल महामंत्री राजेश ड़ांगी, महाराणा प्रताप मण्ड़ल अध्यक्ष गोविन्द तुंगरिया, शिवाजी मण्ड़ल अध्यक्ष चीकू सासी, पूर्व जिला प्रवक्ता रामलाल चौहान, भरत जूरियां, किशन बंजारा, रोहित रैगर, कई ब् मोर्चा के कार्याकर्ता सौक सभा में मौजूद रहे।

जोशी ने की तोमर एवं चौधरी से भेंट

बेमौसम अतिवृष्टि से किसानों को हुए नुकसान का मिले मुआवजा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। सांसद सी.पी.जोशी ने आज नई दिल्ली में लोकसभा में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर एवं राज्य मंत्री कैलाश चौधरी से भेंट की तथा संसदीय क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में विगत समय में हुई बेमौसम बरसात से फसलों के खराब होने की जानकारी दी।

सांसद जोशी ने केंद्रीय कृषि मंत्री एवं राज्यमंत्री को जानकारी देते हुए बताया कि विगत पखवाड़े में हुयी बेमौसम अतिवृष्टि से किसानों के खेतों में तैयार खरीफ की पकी फसल खराब हुयी है, इसके साथ ही किसानों के रबी की नवीन बोई फसल में भी इस बारीश के कारण काफी नुकसान हुआ है।

किसानों के लिए फसलें खराब होने के बावजूद राज्य सरकार की तरफ से फसलों के खराबे के आकलन के लिए फसलों की गिरदावरी का कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, जिस कारण से किसानों को फसल खराबे पर उसकी क्षतिपूर्ति का मुआवजा मिलने में कठिनाईया आ रही है। इस हेतु सांसद जोशी ने कृषि मंत्री से फसल खराबे की जानकारी प्रदान कि तथा आग्रह किया की किसानों की फसलों के नुकसान की गिरदावरी कि जायें जिससे किसानों को उनकी फसल के खराबे का मुआवजा जल्द प्रदान किया जा सके। इसके साथ ही सांसद जोशी ने क्षेत्र के लहसुन उत्पादकों के लिए लहसुन के आयात को नियंत्रित करने का भी आग्रह किया।

स्वरूपगंज पुलिस को मिली सफ़लता

पैसे लेकर तस्करों को छोड़ने के मामलें में अभियुक्त हेमाराम पुलिस की गिरफ्त में

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही @ तुषार पुरोहित। शराब तस्करी के बाद एक बाद फिर प्रदेशभर में सिरोही पुलिस की किरकिरी करवाने वाले मामलें में आखि़र स्वरूपगंज पुलिस ने सोमवार को थानाधिकारी हरिसिंह राजपुरोहित मय टीम ने जालोर ज़िले के करड़ा थाने से एनडीपीएस एक्ट में दर्ज प्रकरण में फरार आरोपी को दस्तयाब करके पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी अनुसार आरोपी ने हेमाराम ने प्राम्भिक पूछताछ में कई अहम राज भी उगले है।

विभाग ने संलिप्त पुलिसकर्मियों पर ऐसे कसी नकेल

सिरोही जिले के बरलूट थाना क्षेत्र में 14 नवम्बर को रूपये लेकर तस्कर को छोड़ने का मामला सामने आया था। जिस पर पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह यादव ने त्वरित काईवाई करते हुये, बरलूट थाने की तत्कालीन थानाधिकारी सीमा जाखड़ सहित तीन कॉस्टेबल को निलंबित कर दिया था। साथ ही सिरोही डीएसपी को पुलिस की मिलीभगत की जांच करने के लिये निर्देशित किया था। एसपी के निर्देश पर डीएसपी ने जांच करके रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक के समक्ष पेश की दी थी। उस रिपोर्ट के आधार पर एक बार फिर पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रसंज्ञान लेते है तीनों कॉस्टेबल को सेवा से ही बर्खास्ती के आदेश किया। वही आईजी नवज्योति गोगाई को पूरी जांच रिपोर्ट भेजने के बाद आईजी ने एसआई सीमा जाखड़ को भी बर्खास्त किया गया।

यह था पूरक मामला

जानकारी के अनुसार 14 नवम्बर को बरलूट थाना पुलिस ने डोडा पोस्ट से भरी भारी एक कार पकड़ी थी। कार्रवाई को बाद तस्कर को भगाने का संदेह होने पर एसपी धर्मेंद्र सिंह द्वारा मामले की जांच के मामले में आवश्यक सीसीटीवी फुटेज मिले। जिसमे थानाधिकारी व कांस्टेबल तस्कर के साथ एक होटल में और पैसे लेकर बस में बैठते हुए देखा गया बस में खुद कांस्टेबल ने तस्कर को बिठाया। मामले में एसपी द्वारा दो दिन बाद ही थानाधिकारी व तीन कांस्टेबल, ओमप्रकाश, सुरेश व हनुमान को निलंबित कर दिया था और मामले की जांच की जा रही थी। मामले में पैसे लेकर तस्कर को छोड़ना पाया जाने पर तीनो कांस्टेबल को एसपी धर्मेंद्र सिँह ने बर्खास्त कर दिया व मामले में लिप्त तत्कालीम थानाधिकारी सीमा जाखड़ की फ़ाइल जोधपुर रेंज आईजी को भेजी जिसपर आईजी नवज्योति गोगाई ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सीमा जाखड़ को बर्खास्त कर दिया।

ANCHOR | कोरोनाकाल में सरकारी स्कूलों में बढ़ गया नामांकन

पांच साल के इंतजार का मिलेगा सुफल

स्टाफिंग पैटर्न लागू करने से जैसलमेर-बाड़मेर जैसे जिलों की उम्मीदें बढ़ी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जैसलमेर। प्रदेश में नए शिक्षामंत्री के पदभार संभालने के बाद सरकार को करीब पांच साल बाद स्टाफिंग पैटर्न लागू करने की याद आई है। इससे जैसलमेर और बाड़मेर जैसे सीमावर्ती जिलों में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के नए पद सृजन की प्रक्रिया में तेजी से लाभ मिलने की संभावनाएं जगी है। गौरतलब है कि स्टाफिंग पैटर्न लागू किए जाने से विद्यार्थियों के नामांकन के आधार पर शिक्षकों के पद सृजित किए जाते हैं। कोरोना काल में लोगों को हुए अनुभवों के बाद जिले के सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ गया है। वर्तमान में करीब एक लाख चालीस हजार छात्र-छात्राएं जैसलमेर जिले के सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत हैं। गौरतलब है कि प्रदेश में पूर्ववर्ती वसुंधरा सरकार ने वर्ष 2014 में स्टाफिंग पैटर्न लागू किया था। जिसमें प्रति दो साल बाद समीक्षा करने का प्रावधान था। इसके चलते साल 2016 में इस पैटर्न की समीक्षा हुई, जिससे जैसलमेर जिले में भी सरकारी स्कूलों में प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक नए शिक्षक मिले। तब से पांच साल बीत जाने के बाद अब शिक्षा विभाग को स्टाफिंग पैटर्न की याद आई है। हालांकि सबसे कम घनत्व वाले जैसलमेर जिले में अपनी समस्याएं हैं। जिसका समाधान सरकार नियमों में शिथिलता देकर ही कर सकती है।

कम आबादी की समस्या

स्टाफिंग पैटर्न से सीमावर्ती जैसलमेर और बहुत हद तक बाड़मेर जैसे कम जन घनत्व वाले जिलों के साथ एक तरह से अन्याय भी होता रहा है। पहले स्कूलों में शिक्षकों के पद आवश्यकता के अनुसार स्थापित किए जाते थे। उस समय जैसलमेर-बाड़मेर जिलों में शिक्षकों की कमी थी। फिर सरकार को केवल इन पिछड़े जिलों की हालत को देखकर इन जिलों को डार्क जोन घोषित करना पड़ा। स्टाफिंग पैटर्न व्यवस्था लागू किए जाने से कक्षा एक से आठ तक को पढ़ाने वाले शिक्षकों को एल वन और एल टू में विभाजित किया गया। विद्यालय में नामांकन को आधार बनाकर अध्यापकों के पद सृजित किए गए। एल टू अध्यापक को भी तीन विषय वर्ग में बांट दिया गया। एल टू सामाजिक, एल टू गणित/विज्ञान और एल टू भाषा। इसमें एल टू भाषा को फिर अंग्रेजी, हिन्दी और तृतीय भाषा संस्कृत/उर्दू में विभक्त किया। कई शिक्षक संगठनों ने सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करवाया कि नामांकन के आधार पर पद सृजन से ग्रामीण इलाकों में बड़ी समस्याएं हो रही है। यह मापदंड बड़े भौगोलिक और कम जनसं या वाले जिलों जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर आदि के लिए समस्यामूलक है। सरकार ने इसे अनसुना किया।

तीन साल तक यथास्थितिवाद

2018 में नई सरकार बनने के तीन साल तक व्यावहारिक समस्याओं को ध्यान में रखकर बदलाव की प्रिं या नहीं अपनाई गई। अब जबकि प्रदेश में एक शिक्षक को शिक्षामंत्री का दायित्व दिया गया है तो जैसलमेर सहित अन्य वंचित जिलों की उ मीदें परवान पर चढ़ी हैं। पूर्व में शिक्षा विभाग ने जैसलमेर-बाड़मेर जिलों की जमीनी हकीकत को नजरअंदाज ही किया है। शैक्षणिक दृष्टिकोण से पिछड़े इन जिलों में आजादी के 75 साल बाद उपयोगिता के आधार पर कदम बढ़ाए जाने की जरूरत है। गौरतलब है कि कम जनाधिक्य वाले जैसलमेर जैसे जिलों में इसी सरकार ने नई पंचायतों के गठन मे शिथिलता दी थी। शिक्षा के क्षेत्र में स्टाफिंग पैटर्न वही रखा जा रहा है जो पांच सौ व्यक्ति प्रति किलोमीटर से ज्यादा या इसके आसपास वाले जिलों में है। स्टाफिंग पैटर्न में तृतीय भाषा के रूप में संस्कृत के साथ अन्याय होने के तथ्य भी सामने आए हैं।

फैक्ट फाइल

- 01 लाख 39 हजार 626 विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत
- 1290 कुल सरकारी स्कूल जिले में
- 1235 में सहशिक्षा, 58 बालिका स्कूल

जिले के हितों की करेंगे पहरेदारी

सीमावर्ती जिले के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों का नामांकन बढना यहां शिक्षा की गुणवत्ता को इंगित भी करता है। यह सिलसिला बना रहे इसके लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे। जिले के हितों की पहरेदारी करना हमारा कर्तव्य है। भौगोलिक परिस्थितियों के मद्देनजर जिले के विद्यालयों में पद सृजित करवाए जाएंगे।

-शाले मोहम्मद, केबिनेट मंत्री और पोकरण विधायक

कमी नहीं रहने देंगे

जैसलमेर जिला आकांक्षी जिला योजना में शामिल है। इस सीमावर्ती जिले में पदों के अनुपात में नियुक्ति करने की दिशा में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जा रही है। सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्तियां भी कम नामांकन के बावजूद करवाई गई है। भविष्य में भी इसका ख्याल रखा जाएगा।

- रूपाराम धनदेव, विधायक जैसलमेर

जागरूक ख़बरें

सेंट विल्फ्रेड्स कॉलेज ने खेल आयोजनों के लिए लॉन्च किया 'लोगो'

जयपुर @ जागरूक जनता। सेंट विल्फ्रेड्स कॉलेज ने ईएसआई स्पोर्ट्स के साथ साझेदारी में विल्फ्रेड रॉयल किंग्स का 'लोगो' का अनावरण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीनियर आईएएस मनोज चौधरी, विशिष्ट अतिथि आईपीएस अधिकारी अजयपाल लांबा और संस्था के मानद सचिव डॉ. केशव बड़ाया ने 'लोगो' का अनावरण किया। 'लोगो' अनावरण के बाद विल्फ्रेड रॉयल किंग्स अब कॉलेज की खेल टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए आधिकारिक बैनर बन गया। इस मौके पर संस्था के मानद सचिव डॉ. केशव बड़ाया ने कहा कि खेल और फिटनेस विद्यार्थियों के जीवन का एक एहम हिस्सा है, शारीरिक एवं मानसिक विकास का श्रोत है। यह मानव शरीर के रक्त परिसंचरण मे सहायक है, वही दूसरी ओर दिमागी विकास मे लाभकारी है। खेल व्यायाम का सबसे अच्छा साधन माना जाता है। खेल ही हमारे शरीर को हस्ट-पुस्ट, गतिशील एवं स्फूर्ति प्रदान करने मे सहायक होते है। भारत सरकार के युवा और खेल मामलों के तहत खेलो इंडिया कार्यक्रम की दृष्टि के अनुरूप सेंट विल्फ्रेड्स कॉलेज परिसर उत्कृष्ट खेल सुविधाओं की एक विस्तृत विविधता प्रदान करता है जो छात्रों को यहां रहने के दौरान फिट रहने में मदद करता है। ईएसआई स्पोर्टस के साथ सेंट विल्फ्रेड्स कॉलेज की साझेदारी का उद्देश्य कॉलेज में स्पोर्टस और एथलेटिक्स को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत और परिणाम आधारित उद्यम है। सेंट विल्फ्रेड्स कॉलेज मे खेल प्रतिभाओं को सलाह और प्रशिक्षण देने और उन्हें क्षेत्रीय और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में आगे बढ़ान के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा ईएसआई स्पोर्टस लाइव स्ट्रीमिंग और टेलीकास्टिंग के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल आयोजनों में कॉलेज के छात्रों को बढ़ावा देने के लिए मंच प्रदान करेगा और उन्हें इसके लिए तैयार करेगा और कॉलेज की टीम को तकनीकी जानकारी और प्रायोजन भी प्रदान करेगा। जिससे आगे होने वाली गतिविधियों के अंतर्गत खिलाड़ी जोनल और नेशनल स्तर जैसे बड़े आयोजनों में भाग ले सकते हैं। विल्फ्रेड रॉयल किंग्स का 'लोगो' का अनावरण खिलाड़ियों की मजबूत, निडर और तेज मानसिकता का चेहरा होगा। कार्यक्रम के दौरान ईएसआई स्पोर्टस के ऑपरेशनल वाईस प्रेजिडेंट मोहित सिंह राजावत, यूनिवर्सिटी संपर्क प्रबंधक रोहित सिंह और कॉलेज लीग संचालक एंड्रे बेंजामिन मौजूद रहे।

चोरो ने पुलिस की रात्रिगश्त की खोली पोल, तीन दुकानों को बनाया निशाना

चौमूं @ जागरूक जनता। कस्बे में चोरों ने पुलिस की रात्रि गश्त की पोल खोल कर रख दी है। बीती रात को मोरीजा रोड पर अज्ञात चोरों ने तीन दुकानों को निशाना बना कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। मोरीजा रोड पर स्टेशनरी और परचून की दुकान में छत का दरवाजा तोड़कर चोर अंदर घुस गए। दुकान में रखा सामान व नगदी चोरी कर ले गए। सुबह जब दुकानदार पहुंचे तो दुकान में सामान बिखरा हुआ मिला। मामले की सूचना पर चौमूं थाना पुलिस भी पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। इधर, चोरी की घटना के बाद व्यापारियों में आक्रोश है। सूचना मिलने के बाद भी पुलिस देरी से पहुंची। इस पर भी व्यापारियों ने नाराजगी जताई। पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू कर दी है। व्यापारियों ने चोरों की गिरफ्तारी करने की मांग की है।

झालावाड़ जिले में 171 किसान अपात्र

1736 किसानों को मिला काला सोना का परमिट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

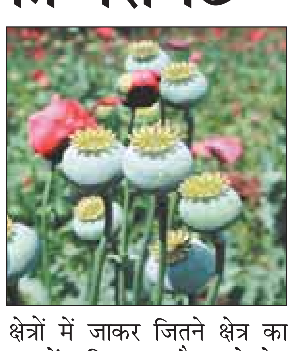

झालावाड़। झालावाड़. केन्द्र सरकार की ओर से जारी की गई नई अफीम नीति के अनुसार झालावाड़ जिले में 1736 किसानों को अफीम के पट्टे जारी किए है।

किसानों ने अपने खेतों को तैयार कर बुवाई भी कर दी है। अब चार माह बाद धरती काला सोना उगलेगी। लेकिन सरकार की ओर से कम दाम मिलने से किसानों का अफीम की खेती के प्रति रूझान कम होता जा रहा है। जिले में गत वर्ष 171 किसानों की मॉर्फिन कम होने सहित अन्य कारणों से पट्टे कट गए है। जिले में गत वर्ष 1926 पट्टे दिए गए थे। इस बारी जारी नीति के अनुसार प्रति हैक्टेयर 4.2 से अधिक और 5 किलोग्राम से कम मार्फिन देने वाले किसानों को छह आरी, 5 किलोग्राम से अधिक और 5.9 किलोग्राम से कम मॉर्फिन वाले किसानों को 10 आरी और 5.9 किलोग्राम से अधिक मार्फिन देने वाले को 12 आरी का पट्टा दिया गया है।

हालांकि जिले में 3.7 मार्फिन के हिसाब से पट्टे जारी किए गए है। हालांकि इस बार पिछले तीन वर्ष के दौरान लगातार जिन किसानों ने पूरी फसल हंकवाई हों, उन्हें भी पट्टा दिया गया है,झालावाड़ जिले में ऐसे किसान 4 सौ से अधिक है। सूत्रों ने बताया कि जिले में करीब 300 गांवों में किसानों ने अफीम के खेत तैयार कर बुवाई कर दी है, बुवाई किए हुए करीब 10 दिन हो चुके हैं।

अब एक माह बाद किसानों के खेतों में बोए गए क्षेत्र की माप की जाएगी। इस कार्य के लिए अफीम विभाग द्वारा टीमों का गठन किया जाएगा। जो अलग क्षेत्रों में जाकर जितने क्षेत्र का लाइसेंस दिया गया है, उतने क्षेत्र के लिए माप करेंगे, अधिक पाए जाने पर कानूनी कार्रवाईकी जाएगी।

जिले में गत वर्ष 1926 पट्टे दिए गए थे, लेकिन इस बार कई किसानों के अपात्र होने से पट्टे कट गए है। जिले में इस बार1736 किसानों को ही लाइसेंस जारी किया गया है। 171 किसानोंके पट्टे मॉर्फिन कम होने आदि वजह से अपात्र घोषित किए गए है। वहीं 470 किसानों ने गत वर्ष अपनी अफीम की फसल को हंकवा दिया था, उन में से भी ज्यादातर को पट्टे जारी हुए है।

सूत्रों का कहना है कि किसानों को सरकार द्वारा अफीम का भाव पर्याप्त नहीं दिया जाता है। जबकि बाजार भाव सरकारी दर से कई गुणा होता है। इसके चलते भी अफीम तस्करी होती है। किसान बालाराम, रामकरण आदि ने बताया कि सरकार को अफीम किसानों को अफीम का भाव बढ़ाकर राहत देना चाहिए, ताकि किसानों को इस और रूझान बढ़े। किसान राधाकिशन, मनोहलाल ने बताया कि अफीम उत्पादन में मेहनत बहुत होती है, लेकिन उतना दाम नहीं मिल पाता है, किसान चार माह तक परिवार के साथ जी जान से मेहनत करता है। ऐसे में सरकार किसानों को राहत दें तो परिवार को पूरी मजदूरी मिल सकें।

आरएमएसएसबी का बड़ा एक्शन

VDO भर्ती परीक्षा से पहले 919 अभ्यर्थियों के आवेदन फॉर्म निरस्त

27-28 दिसंबर को होगी परीक्षा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में 27 और 28 दिसंबर को होने जा रही ग्राम विकास अधिकारी भर्ती परीक्षा के 900 से अधिक अभ्यर्थियों के आवेदन निरस्त हो गए हैं। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित होने वाले इस परीक्षा में 919 अभ्यर्थियों ने एक से ज्यादा आवेदन किए थे। ऐसे में बोर्ड ने एक से ज्यादा आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के आवेदनों को निरस्त करके एक नई सूची जारी की है। जिसमें अभ्यर्थियों के एप्लीकेशन नंबर जारी किए गए हैं। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा ने कहा कि भर्ती परीक्षा के लिए सैकड़ों विद्यार्थियों ने एक से ज्यादा आवेदन किए थे। ऐसे में बोर्ड ने एक नाम वाले कई अभ्यर्थियों को चयनित कर उनकी जांच की। जिनमें 919 अभ्यर्थी ऐसे मिले, जिन्होंने एक से ज्यादा फॉर्म भरे थे। इसके बाद बोर्ड ने 919 अभ्यर्थियों की एक से ज्यादा भरे गए सभी फॉर्म को निरस्त करते हुए सिर्फ एक फॉर्म को स्वीकार किया है। जिसके आधार पर अभ्यार्थी भर्ती परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। बोर्ड अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि निरस्त हुए फॉर्म में भी अगर किसी अभ्यर्थी को कोई आपत्ति है। तो वह बोर्ड से संपर्क कर परीक्षा से पहले अपने नाम को फिर से जुड़वा सकता है। लेकिन अगर वह जल्द से जल्द इस प्रक्रिया को पूरी नहीं करता है। तो फॉर्म निरस्त होने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी।

परीक्षा के लिए 14 लाख फॉर्म भरे

सूत्रों के मुताबिक, अबकी बार ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा के लिए करीब 14 लाख फॉर्म भरे गए हैं। 2016 में ग्राम सेवक भर्ती परीक्षा में करीब 3600 पदों के लिए 4.65 लाख कैंडिडेट्स ने फॉर्म भरा था। पिछली परीक्षा में 1/3 नेगेटिव मार्किंग थी। इस बार अब तक बोर्ड ने नेगेटिव मार्किंग की जानकारी नहीं दी है। ग्राम सेवक भर्ती की पिछली परीक्षा में जनरल और ओबीसी कैटेगरी के लिए मिनिमम पासिंग मार्क्स 100 में से 40 और एससी-एसटी के लिए 36 रखे गए थे। शुरुआती कट ऑफ जनरल पुरुष के लिए 45, जनरल महिला के लिए 40 रही थी। ओबीसी में पुरुष और महिला दोनों कैटेगरी में कट ऑफ 44, एससी-एसटी में पुरुष की 36, महिला की 35 कट ऑफ रही थी। इसके बाद दो और वेटिंग लिस्ट निकाली गई। इससे पहले हो चुकी प्री परीक्षा में कुल पोस्ट से 15 गुणा ज्यादा तक कैंडिडेट को मेन परीक्षा के लिए सिलेक्ट किया जाता रहा है। इस बार 15 से 20 गुणा तक कैंडिडेट सिलेक्ट किए जा सकते हैं।

प्राइवेट अस्पतालों को ज्यादा फीस मिलेगी

रोगी के इलाज और जांच से जुड़े दो सौ पैकेज में प्राइवेट अस्पतालों को अब ज्यादा रुपए देगी राज्य सरकार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीकानेर। हेल्थ डिपार्टमेंट ने प्राइवेट अस्पतालों में फ्री इलाज के लिए पहले से अधिक राशि देने का निर्णय कर लिया है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में प्राइवेट अस्पतालों को कई बीमारियों के इलाज की राशि कम मिल रही है, ऐसे में अस्पताल प्रबंधन रोगियों से ही शेष राशि की वसूली करता है। अब ऐसी बीमारियों और उनके इलाज पर खर्च होने वाली राशि का नए सिरे से अध्ययन किया गया है। अगले कुछ दिनों में ही हेल्थ डिपार्टमेंट 198 बीमारियों के इलाज की राशि में बढ़ोतरी कर देगी।

दरअसल, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत प्रदेशभर में आम आदमी को फ्री इलाज की सुविधा प्राइवेट अस्पताल में मिल रही है। योजना में बीमारी का पैकेज बनाया गया है और उसी आधार पर प्राइवेट अस्पताल को भुगतान किया जाता है। अगर कोई डेंगू रोगी किसी प्राइवेट अस्पताल में इलाज करवाता है तो उस अस्पताल को सरकार महज दो हजार रुपए दे रही थी। ऐसे में या तो रोगी भर्ती नहीं होता या फिर शेष राशि रोगी से वसूली जाती। अब इस रोग के लिए अस्पताल को दो हजार के बजाय दस हजार रुपए दिए जाएंगे। ऐसे में प्राइवेट अस्पताल प्रबंधन को भी दिक्कत नहीं होगी। डेंगू की तरह ही 198 पैकेज की नए सिरे से लिस्टिंग की जा रही है। विभाग के सॉफ्टवेयर में अगले कुछ दिनों में बढ़ी हुई राशि दर्ज हो जाएगी।

योजना में है डेढ़ हजार पैकेज

वर्तमान में चिरंजीवी योजना में करीब डेढ़ हजार पैकेज हैं। इन सभी का रिव्यू करने के बाद 198 पैकेज में कम रुपए देना स्वीकार किया गया है। इनमें छोटे बड़े सभी तरह के रोग है। प्राइवेट अस्पताल में एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, बाइपास ऑपरेशन सहित कई महंगे इलाज भी है। आने वाले दिनों में इन सभी की कीमतों में बढ़ोतरी हो जाएगी।

नए पैकेज भी जुड़ेंगे

इसके साथ ही योजना में कई नए पैकेज भी जोड़े जाएंगे। रोगी जब प्राइवेट अस्पताल में इलाज के लिए जाता है तो उसे ये कहते हुए रवाना कर दिया जाता है कि उनकी बीमारी या जांच चिरंजीवी योजना में शामिल नहीं है। अब जो जांच व रोग के इलाज शामिल नहीं है, उन्हें भी जोड़ा जा रहा है।

योजना के आला अधिकारी बीकानेर में

इस योजना को प्राइवेट अस्पतालों में सही तरीके से लागू करवाने के लिए आला अधिकारी इन दिनों बीकानेर में है। जेसीईओ सौरभ स्वामी ने प्राइवेट अस्पताल में भर्ती रोगियों तक पहुंचकर हालात का जायजा लिया। सोमवार को एक अस्पताल में रोगी से वसूले गए आठ हजार रुपए भी उसे वापस दिलवाए। ऐसे अस्पतालों के बारे में जांच करने के भी आदेश दिए गए।

इन्वेस्ट राजस्थान के लिए समन्वित प्रयास करें-संभागीय आयुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर संभाग के संभागीय आयुक्त दिनेश कुमार यादव ने अधिकारियों का आव्हान किया है कि सभी मिलजुल कर 5 जनवरी को होने वाले इन्वेस्ट राजस्थान को सफल बनायें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रवासियों से सम्पर्क करें, उन्हें राज्य में निवेष करने के लिए प्रोत्साहित करें। संभागीय आयुक्त यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को यहा जयपुर जिला कलेक्ट्रेट से वीडियो कान्फ्रेन्स द्वारा संभाग के सभी जिलों की बैठक हुई। बैठक में जिलों के कलक्टर, विभागों के अधिकारीगण व उद्योगों से जुड़े संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे। संभागस्तरीय विवाद एवं शिकायत निवारण तंत्र की बैठक में संभाग व राज्य स्तर के विभिन्न विवादों पर चर्चा हुई। बैठक में जयपुर जिला कलक्टर अंतर सिंह नेहरा भी मौजूद थे।

कोकराझार लिटरेरी फेस्टिवल

भाषाओं को बचाने में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण-चारण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही @ तुषार पुरोहित। असम के बोडोलैंड टेरीटोरियल रीजन द्वारा आयोजित कोकराझार लिटरेरी फेस्टिवल ने विश्व की 123 भाषाओं और बोलियों को एक मंच पर लाकर एक अनूठी पहल करते हुए एक इतिहास रच दिया। 14 से 16 नवंबर तक आयोजित तीन दिन के इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन ने पूरी दुनिया को शांति और प्रेम का संदेश दिया। इस लिटरेरी फेस्टिवल की थीम थी कविता शांति और प्रेम के लिए। बीटीआर सरकार, बोडो साहित्यकार, बोडो स्टूडेंट यूनियन और बोडोलैंड की जनता ने अपनी धरती पर देश के कोने-कोने से आए अपनी भाषा का प्रतिनिधित्व करने वाले लेखकों का दिल खोलकर स्वागत और आवभगत की। यहां आये हुए लेखकों को सुनकर वह मिलकर लगा की भाषाओं को बचाने में ऐसे आयोजनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। बोडो साहित्य सभा और बोडोलैंड सरकार इसके लिए साधुवाद की पात्र है। इस आयोजन से दुनिया के दूसरे साहित्यिक आयोजनों को सीखना चाहिए की एक दो भाषाओं से साहित्य का विस्तार और भला नहीं होगा उसके लिए हर छोटी से छोटी बोली और भाषा को सम्मान देना चाहिए। अपनी सभ्यता, संस्कृति और लोक को बचाना है तो आपको अपनी भाषा को बचाना होगा। इस बात को बोडोलैंड के लोगों से बेहतर कौन जान सकता है। अपनी संस्कृति अपने लोक अपनी भाषा के लिए बोडोलैंड ने एक महत्वपूर्ण लड़ाई लडी और पूरी दुनिया को यह संदेश दिया की अपने लोक, संस्कृति और भाषा के लिए वे जागरूक है। आयोजन समिति के डॉ बिहुंग ब्रह्मा और प्रणब ज्योति नारजरी ने अपनी सुझबुझ से कार्यक्रम की संरचना की वह तारीफें काबिल हैं।भारत की अनेकता में एकता का संदेश देता यह आयोजन भाषाओं का कुंभ था ऐसा लग रहा था भारतीय संस्कृति का समागम कोकराझार में हो रहा है।इस आयोजन की सफलता के पीछे बोडोलैंड प्रत्येक नागरिक का हाथ रहा। इस आयोजन की खास बात यह थी बीटीआर सरकार के चीफ, मंत्री और सदस्य तीन दिन तक लगातार इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कोकराझार लिट्रेरी फेस्टिवल ने दुनिया को शांति और प्रेम का संदेश दिया।

आबूरोड़ महाविद्यालय के प्रोफेसर चारण ने शिरकत की

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय आबूरोड के हिंदी विषय के व्याख्याता दिनेश चारण ने शिरकत कर शानदार प्रस्तुत देते हुये सबको गदगद किया। साथ राजस्थान प्रदेश का अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्लेटफॉर्म पर गौरव बढ़ाया। जहां पर विभिन्न भाषाओं के ज्ञाता उक्त फेस्टिवल में शिरकत कर रहें थे। इस आयोजन की चहुंओर जमकर सराहना हुई। तो इस पहल के माध्यम से साहित्य जगत में कई नवाचार देखे गये।

मै लिये गौरव की बात है कि मुझे इस लिट्रेरी फेस्टिवल में जाने का अवसर मिला, जहां विश्व कि विभिन्न भाषाओं को एक मंच पर लाने की शानदार पहल हुई। अंतरराष्ट्रीय आयोजन ने पूरी दुनिया को शांति और प्रेम का संदेश दिया।

दिनेश चारण, व्याख्याता, राजकीय महाविद्यालय आबूरोड

29 जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए 8947.48 करोड़ स्वीकृत

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जल जीवन मिशन के अन्तर्गत 5 करोड़ रूपए से अधिक राशि की 27 जलापूर्ति परियोजनाओं की क्रियान्विति के लिए 8461.76 करोड़ रूपए तथा 2 जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए 485.72 करोड़ रूपए की संशोधित राशि यानि कुल 8947.48 करोड़ रूपए की वित्तीय स्वीकृति के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की है। इसमें 5234.84 करोड़ राज्यांश राशि के एवं 3712.64 करोड़ रूपए की केन्द्रांश राशि शामिल है। गहलोत की इस मंजूरी से जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन को गति मिलेगी। जिन 29 परियोजनाओं के लिए वित्तीय स्वीकृति दी गई है, उनमें 3 परियोजनाएं वर्ष 2020-21 की बजट घोषणाओं की, 14 परियोजनाएं वर्ष 2021-22 की बजट घोषणाओं की तथा शेष 12 अन्य परियोजनाएं हैं।

निगम का चालान काटने पर टोका, अधिकारी ने बच्चे को मारा थप्पड़

अधिकारी ने बदमाशों से परिवार को पीटवाया, जमीन पर पटक गालियां दी, लात-घूसों से पीटते रहे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भरतपुर। भरतपुर नगर निगम के अधिकारियों ने गुंडागर्दी दिखाते हुए एक परिवार को बदमाशों से पिटवा दिया। बदमाशों ने भी अधिकारियों के इशारे पर पूरे परिवार की जमकर पिटाई की। यहां तक कि एक नाबालिग को जमीन उस पर लात-घूसे बरसाते रहे। यहां तक की उसे थप्पड़ भी मारी। यहां भी उनका मन नहीं भरा तो उसे गाड़ी में पटक मथुरा थाने ले जाकर छोड़ दिया। मामला सामने आने के बाद अधिकारी उल्टा परिवार के लोगों पर ही आरोप लगा रहे हैं कि उन्होंने अतिक्रमण कर रखा था। बदमाशों को भी उन्हीं ने बुलाया। जबकि वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि जिन बदमाशों को बुलाया गया, उन्होंने परिवार के महिला, बच्चों और बुजुर्ग तक को नहीं छोड़ा। दरअसल, घटना शहर के जवाहर नगर नगर में भगत सिंह चौराहे की है। यहां कुंवर सिंह नाम के व्यक्ति का सब्जी और फल का ठेला है। मंगलवार सुबह निगम के अधिकारी ठेलों को चेक करने के लिए निकले थे। कुंवर सिंह का ठेला निगम की गाइड लाइन को पूरा नहीं कर रहा था। इस पर अधिकारियों ने 500 रुपए का चालान काट दिया। इस पर उसके लड़के ने अधिकारियों को टोक दिया और कहा कि दूसरी दुकानों के भी चालान काटो।

इस पर गुस्साए धर्मवीर, नरेंद्र बघेल और वेदराम ने थप्पड़ जड़ दिया। थप्पड़ मारने के उसके भाई अभिषेक ने अधिकारी का हाथ पकड़ लिया। इससे नाराज अधिकारियों ने पास के मोहल्ले से कुछ बदमाशों को बुलाया और पूरे परिवार की पिटाई करवा दी। बीच-बचाव में आए महिलाओं और बुजुर्ग के भी साथ मारपीट की। जिस नाबालिग ने अधिकारी का हाथ पकड़ा था उसे बदमाशों के साथ मिलकर बुरी पीटा। उसे जमीन पर पटका और लात-घूसों से मारते रहे।

बीच सड़क पर थप्पड़ जड़ते रहे, थाने ले गए

नाबालिग ठेला संचालक कुंवर सिंह का भांजा है। अधिकारियों को टोकना इतना बुरा लगा कि इस पिटाई के बाद बीच सड़क पर थप्पड़ बरसाते रहे। इससे भी मन नहीं भरा तो अभिषेक को अपनी गाड़ी में डालकर थाने ले गए। इसके साथ ही रुपए से भरा गल्ला भ्झी ले गए। फिलहाल पीड़ित परिवार की ओर से नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया जा रहा है।

आयुक्त बोले: ठेला संचालकों ने ड्राइवर के साथ मारपीट की, पिटाई करने वाले दूसरे लोग

नगर निगम आयुक्त कमलराम मीणा मामले में अधिकारियों का बचाव करते दिखे। उनका कहना था कि भगत सिंह चौराहे पर ATM के रास्ते अतिक्रमण की शिकायत थी। नगर निगम की टीम द्वारा अतिक्रमण कर ठेले वालों का चालान काटा गया था। कुछ ठेले वाले ऐसे थे जो की न तो अतिक्रमण हटा रहे थे और न ही चालान कटवा रहे थे। वे लोग निगम अधिकारियों से उलझ गए। जब ड्राइवर ने बीच बचाव किया तो ठेले वाले ने उसके साथ मारपीट की। तब दोनों पक्षों में हाथापाई हुई है। साथ ही नगर निगम की तरफ से अतिक्रमण करने और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में बाधा डालने की शिकायत मथुरा गेट थाने में कर दी गई है। आयुक्त का दावा है कि जो मारपीट कर रहे हैं वे ठेले वालों के ही लोग है। उन्होंने ही अतिक्रमियों के पक्ष में आकर अधिकारी व कर्मचारी के साथ मारपीट की थी।

ANCHOR | प्रधानमंत्री मोदी करेंगे ऐप लाँच

काशी विश्वनाथ धाम के साथ सजेगी मंदिर की मणिमाला, भक्त कर सकेंगे इसकी परिक्रमा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

वाराणसी। देवाधिदेव महादेव के भव्य दरबार में बनकर तैयार मणिमाला आने वाले दिनों में भक्तों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनकर उभरेगा। गंगा घाट से लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर के चारों तरफ फैली इस मणिमाला की भक्त परिक्रमा कर सकेंगे। 27 मंदिरों की इस परिक्रमा के जरिये बाबा के गण और विग्रहों के दर्शन प्राप्त होंगे। 13 दिसंबर को अपने प्रस्तावित दौरे में प्रधानमंत्री मोदी इन विग्रहों की जानकारी देने वाले ऐप लांच करेंगे।

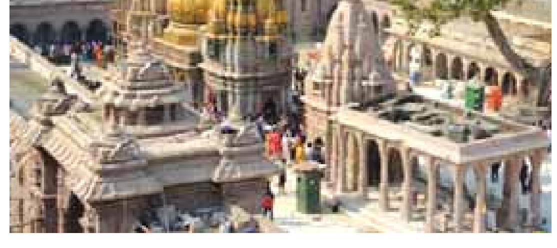

178 विग्रह के दर्शन का पुण्य लाभ

काशी विश्वनाथ धाम में 27 मंदिरों की एक खास मणिमाला तैयार की गई है। यह वो मंदिर है, जिनमें कुछ काशी विश्वनाथ के साथ ही स्थापित किए गए थे और बाकी समय-समय पर काशी पुराधिपति के विग्रहों के रूप में यहां बसाए गए थे। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की परिकल्पना के साथ ही अधिग्रहित भवनों से निकले इन मंदिरों को संरक्षित कर उन्हें विश्वनाथ धाम का हिस्सा बनाया गया है। बाबा के दरबार आने वाले श्रद्धालुओं को शिव कचहरी, देव गैलरी, काशी खण्डोक्त मंदिरों के साथ 178 विग्रह के दर्शन का पुण्य लाभ मिलेगा। धाम परिसर में निर्माण के दौरान 139 विग्रह, 39 काशी खण्डोक्त विग्रह और 27 प्राचीन देवालय मिले हैं।

मणिमाला का इतिहास जानेंगे भक्त

धाम में शामिल मंदिर मणिमाला का इतिहास देश और दुनिया के भक्तों तक पहुंचाने के लिए विशेष इंतजाम किया गया है। खास एप्लीकेशन की मदद से मंदिरों का महत्व भक्तों को बताया जाएगा. इसके लिए बीएचयू के डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री के साथ ही आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया का भी सहयोग लिया गया है। इसके माध्यम से कॉरिडोर में बने मंदिरों के नजदीक आते ही उस मंदिर का इतिहास ऑडियो-वॉइस के जरिए लोगों को सुनाई देगा, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेगा।

नए वैरिएंट ओमिक्रॉन पर राजस्थान अलर्ट

ऑक्सीजन सपोर्ट वाले 28 बेड तैयार किए, बच्चों के लिए तैयार होंगे 2600 बेड

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना के नये वैरिएंट ओमिक्रॉन ने पूरी दुनिया में दहशत फैला दी है। राजस्थान सरकार भी कोरोना के इस नए वैरिएंट से बचने के लिए अलर्ट पर आ गई है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हेल्थ डिपार्टमेंट के अधिकारियों को वैक्सीनेशन पर फोकस करने के लिए कहा है।ज्यादा से ज्यादा वैक्सीन लगाने और जिन लोगों को दूसरी डोज नहीं लगी है, उन्हें दूसरी डोज लगाने निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए ऑक्सीजन सपोर्ट वाले 28 हजार बेड तैयार कर लिए गए हैं और बच्चों के लिए 2600 आईसीयू बेड तैयार किए जा रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना का यह स्ट्रेन बहुत ज्यादा संक्रामक है। यह डेल्टा वैरिएंट के मुकाबले 5 गुना ज्यादा संक्रामक है। अगर ये वैरिएंट भारत में आता है तो तीसरी लहर का कारण बन सकता है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री के साथ हुई एक रिव्यू बैठक में एसएमएस मेडिकल कॉलेज से जुड़े विशेषज्ञों ने कहा था कि यह वैरिएंट वैक्सीन की दोनों डोज लगा चुके लोगों के लिए भी घातक साबित हो सकता है।

1070 मीट्रिक टन ऑक्सीजन जनरेशन की तैयारी

राजस्थान में कोरोना का अगर नया वैरिएंट आता है तो इसके लिए सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी है। सरकार इस बार रोज 1070 मीट्रिक टन ऑक्सीजन जनरेशन की योजना बना रही है। इसके लिए पूरे स्टेट में 550 ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाए जा रहे हैं। मौजूदा समय में 415 प्लांट लग चुके है और 15 दिसंबर तक 475 प्लांट शुरू हो जाएंगे। इसके अलावा 40 हजार ऑक्सीजन कंसंट्रेटर का बैकअप भी तैयार किया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव की मानें तो कोरोना की दूसरी लहर में राज्य में अधिकतम एक दिन में 450 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की खपत हुई थी।

मेडिकल कॉलेज से लेकर पीएचसी तक ऑक्सीजन बेड

हेल्थ डिपार्टमेंट के सचिव वैभव गालरिया की ओर से हाल ही में एक रिपोर्ट पेश की गई है, जिसमें पूरे प्रदेश में 28 हजार ऑक्सीजन सपोर्ट के बेड्स तैयार करने की बात कही है। ये बेड्स प्रदेश के प्रमुख मेडिकल कॉलेज से जुड़े हॉस्पिटल के अलावा जिला हॉस्पिटल, उपजिला हॉस्पिटल, सैटलाइट हॉस्पिटल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी) में है। पीएचसी में सेंट्रलाइज्ड ऑक्सीजन सपोर्ट वाले बेड के बजाए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर या सिलेंडर से ऑक्सीजन मरीज को देने की व्यवस्था की गई है।

3 हजार से ज्यादा आईसीयू, वेंटिलेटर सपोर्ट के बेड

हेल्थ डिपार्टमेंट के मुताबिक ऑक्सीजन सपोर्ट बेड्स के अलावा सभी हॉस्पिटल में कुल मिलाकर 3 हजार से ज्यादा आईसीयू और वेंटिलेटर सपोर्ट के बेड्स तैयार किए गए है। वहीं तीसरी लहर में इस बार बच्चों पर ज्यादा खतरा होने की आशंका को देखते हुए NICU, PICU बेड्स की संख्या को भी बढ़ाया गया है। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों की स्थिति देखें तो PICU 1109 और NICU 1460 बेड्स कैपेसिटी करने की तैयारी की जा रही है, यह आईसीयू दिसंबर में तैयार हो जाएंगे।

इन्वेस्ट समिट में जिला स्तर पर किये जाएंगे एमओयू जिला कलक्टर रखें पूरी तैयारी -मुख्य सचिव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने सभी जिला कलेक्टर को निर्देश दिए हैं कि जनवरी 2022 में होने वाले 'इन्वेस्ट राजस्थान' निवेश सम्मेलन के लिए जिला स्तर पर टीम बनाएं और तैयारियों की मॉनिटरिंग रखें। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का लक्ष्य अधिक से अधिक निवेशकों को आकर्षित कर प्रदेश में नई विकास परियोजनाएं शुरू करने का है। राज्य में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब जिला स्तर तक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा तथा सम्मेलन के दौरान ही विकास परियोजनाओं के शिलान्यास तथा उद्घाटन किये जाएंगे।

आर्य मंगलवार को शासन सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला कलक्टरों तथा सम्बंधित विभागीय अधिकारियों के साथ 'इन्वेस्ट राजस्थान' की तैयारियों, पर्यावरण विभाग से संबंधित मुद्दों,महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों तथा टेलिकॉम कम्पनियों के राइट ऑफ वे के मुद्दों के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनवरी माह में होने वाला यह निवेश सम्मेलन राज्य सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की मंशा है कि प्रदेश के विकास में इनवेस्ट राजस्थान एक मील का पत्थर साबित हो। सम्मेलन को व्यापक और प्रभावी बनाने की दृष्टि से ही इसे जिला स्तर तक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने जिला कलक्टरों से कहा कि सम्मेलन की सफलता में सबसे अहम भूमिका जिला कलक्टरों की रहेगी। मुख्य सचिव ने सभी जिला कलक्टर को निर्देश दिये कि वे आगामी दिनों में जिले से संबंधित अप्रवासी राजस्थानियों की सूची बनाएं और सम्मेलन के प्रचार- प्रसार पर फोकस करें, ताकि अधिकाधिक निवेशक इन योजनाओं का लाभ उठाकर राजस्थान में निवेश के लिए उत्सुक हों। साथ ही प्रत्येक जिले में रीको औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने, भूमि आवंटन तथा भू-उपयोग परिवर्तन सहित अन्य स्थानीय स्वीकृतियों के लिए तत्परता के साथ काम करें।

उद्योग विभाग के शासन सचिव आशुतोष पेडणेकर ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से निवेश सम्मेलन की तैयारियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निवेश के लिए मोटे तौर पर 10 क्षेत्र, कृषि तथा कृषि प्रसंस्करण, ऑटो एण्ड ऑटो कॉम्पोनेन्ट्स, ईवी, कैमिकल, एण्ड पैट्रोकैमिकल, ईएसडीएम, आईटी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, माइन, मिनरल्स तथा सिरेमिक्स, नवीकरणीय उर्जा, टैक्सटाइल तथा पर्यटन तय किये गए हैं। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में 3 हजार से अधिक सम्भावित निवेशक उपस्थित रहेंगे तथा 5 हजार से अधिक ऑनलाइन शामिल होंगे।

जिलों में बायोस्फियर रिजर्व करें चिह्नित

मुख्य सचिव ने जिला कलक्टरों को निर्देश दिये कि वे रामसर सूचि में शामिल करवाने की दृष्टि से अपने- अपने जिलों में निर्धारित नियमों के तहत नए वैटलैण्ड को चिह्नित करें। उन्होंने जिलों में बायो स्फियर रिजर्व भी चिह्नित करने के निर्देश दिये। आर्य ने सभी जिलों द्वारा बनाई गई जिला पर्यावरण योजना पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि सभी कलक्टर इन योजनाओं को तत्काल अमल में लाकर कार्य प्रारम्भ करें। उन्होंने राज्य के विभिन्न शहरों में प्रदूषण के स्तर के बारे में जानकारी ली तथा भिवाड़ी में बढ़ते हुए औद्योगिक प्रदूषण पर चिन्ता व्यक्त करते हुए तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये। वन एवं पर्यावरण विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रेया गुहा ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जिलों में एनजीटी से संबंधित विभिन्न मुद्दों के संबंध में जानकारी दी।

महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षकों की कमी नहीं रहे

मुख्य सचिव ने कहा कि महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजना है। पहली बार इन स्कूलों में प्री-प्राइमरी कक्षाएं भी संचालित की जा रही हैं। उन्होंने जिला कलक्टरों से इन स्कूलों के लिए अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों की आवश्यकता पूरी करने के लिए सुझाव भी मांगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दीर्घकालिक सोच के साथ इन स्कूलों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जो राज्य में शिक्षा के परिदृश्य के बदल देगा। उन्होंने कहा कि जिला कलक्टर इन स्कूलों के सफल संचालन के लिए अतिरिक्त संवेदनशीलता के साथ काम करें।

टेलिकॉम कम्पनियों के राइट ऑफ वे के लम्बित प्रकरणों का शीघ्र हो समाधान

आर्य ने जिला कलक्टरों को कहा कि टेलिकॉम कम्पनियों को राइट ऑफ वे के तहत स्वीकृति के लिए केवल ऑनलाइन ही आवेदन करने के लिए कहें। उन्होंने निर्देश दिये कि राजस्व, स्वायत्त शासन तथा नगरीय विकास एवं आवास विभाग से समन्वय कर स्वीकृति से संबंधित सभी मामले यथाशीघ्र निपटाने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने जिला स्तरीय टेलिकॉम कमेटी की बैठकें भी समयबद्धता से किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग आयुक्त संदेश नायक ने जिलों में टेलिकॉम कम्पनियों से संबंधित लम्बित मामलों के बारे में मुख्य सचिव को जानकारी दी।

राष्ट्रीय अत्याचार निवारण फोर्स जालौर के तत्वावधान में जालौर जिले के प्रत्येक तहसील स्तर पर जेल भरो आंदोलन सफल

भीनमाल @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय अत्याचार निवारण फोर्स एवं बहुजन ₹ ाति मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रव्यापी जेल भरो आंदोलन का आयोजन उपखंड मुख्यालय सांचौर के आगे किया गया जिसमें जालौर जिले के जिलाध्यक्ष मान्यवर दिनेश कुमार पांचाल ने जालौर जिले में बीते दिनों में हुए है एस सी एस टी पर अत्याचारों की चर्चा की जिसमें बहुजन क्रांति मोर्चा के संयोजक मान्यवर बेचरा राम पातलिया भारतीय विद्यार्थी मोर्चा के ब्लॉक अध्यक्ष चतरा राम एवं वकील यूनियन से मान्यवर लाडूराम पंचाल राजेंद्र हिंगड़ा रमेश जी बाजक ने भी अपने विचार व्यक्त किए जालौर जिले में दिन प्रतिदिन अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति पर अन्य और अत्याचारों की संख्या बढ़ रही है जिसको लेकर आज जालौर जिले में राष्ट्रव्यापी जेल भरो आंदोलन किया गया इस जेल भरो आंदोलन में 24 अगस्त 2021 को सांचौर तहसील के पमाना गांव में मुंगी देवी बागरी की हत्या के हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं करने पर मुंगी देवी के परिवार के सदस्यों ने जेल भरो आंदोलन में भाग लिया परिजनों ने बताया कि बीते 5 दिनों में यदि हत्या करने वाले हत्यारों को गिरफ्तार नहीं किया जाता है, तो हम आज से 5 दिन बाद जिला कलेक्टर के सामने आत्महत्या करेंगे। पीड़ित पक्ष का कहना है कि 3 महीने बीतने के बाद भी आज दिन तक हत्यारों का किसी भी प्रकार से पुलिस के हत्थे नहीं चढना अपने आप में हत्यारों का गिरफ्तार नहीं होना पुलिस की कमजोरी या पुलिस की साजिश है इसलिए हम दबे कुचले मज़लूम लोगों को न्याय के लिए 3 महीने से लगातार दर-दर को भटकने को मजबूर हैं। इस मौके पर हिन्दूराम वागरी, भीमाराम, प्रवीण कुमार, चतराराम, सुरजीत राणावत सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

भाजपा युवा मोर्चा की विस्तार के साथ जिला कार्यकारिणी गठित

दो उपाध्यक्ष, दो मंत्री, प्रवक्ता साहित तीन सदस्य बनाए

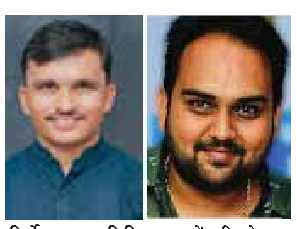

जोधपुर/ पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही भाजपा ने युवा मोर्चा के विभिन्न पदो पर जिला कार्यकारिणी की टीम गठित कर दी है। जिलाध्यक्ष जोधपुर देहात दक्षिण जगराम विशनोई के निर्देशानुसार विभिन्न नामों की घोषणा की गई, जिसमें युवा मोर्चा के दक्षिण देहात जिलाध्यक्ष अरविंद बर्रा ने पीपाड़ शहर के युवा कार्यकर्ता अजय सिंह टाक को भाजपा युवा मोर्चा देहात दक्षिण का जिला उपाध्यक्ष, और ठाकुर डालडा को उनकी पार्टी के प्रति सेवा, निष्ठा को देखते हुए मंत्री पद पर नियुक्त किया गया। बता दे कि पिछले साल जोधपुर नगर निगम चुनाव के समय अजय सिंह टाक ने गजेंद्र सिंह शेखावत एवं राज्य सभा सांसद राजेंद्र गहलोत, सासंद पी पी चौधरी, अविनाश गहलोत जैतारण विधायक के द्वारा पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई गई। उसके बाद कोविड-19 में भी लगातार जन सेवा करते रहे एवं संगठन से जुड़कर धरातल पर काम करते रहे शीर्ष नेतृत्व में अच्छी पकड़ होने के कारण अजय सिंह टाक को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। केंद्र सरकार की योजनाओं को आम किसानों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस मौके पर भाजपा नेता पीयूष शर्मा, पीपाड़ मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा सीपी मारोठिया, पीपाड़ देहांत मंडल अध्यक्ष बुधराम पूनिया, कल्याण राम पार्षद प्रतिनिधि एवं पूर्व भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र टाक, आदित्य सुरेंद्र, पवन, भवानी सिंह कच्छावाह, चेनाराम गहलोत, आदि कार्यकर्ताओं ने मुंह मीठा करा कर बधाई दी।

हजारों विदेशी मेहमान सर्दियों में भारत में आते हैं, तालाबों पर लगता है डेरा

जैसलमेर में कुरजा ने शुरू किया कलरव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जैसलमेर। सर्दियों के मौसम में हजारों किलोमीटर का सफर तय कर पश्चिमी राजस्थान में डेरा डालने वाली कुरजा इन दिनों जैसलमेर के तालाबों की रौनक बढ़ा रही है। जिले के वन्यजीव के सबसे बड़े एरिया लाठी इलाके में धीरे धीरे अब इनकी संख्या बढ़ने लगी है। वन्यजीव प्रेमियों के अनुसार इलाके में 5 हजार से भी ज्यादा विदेशी मेहमान कुरजा ने डेरा डाल रखा है।

जिले के ज़्यादातर बड़े तालाबों वाले एरिया में इन पक्षियों का कलरव सुना जा सकता है। जैसे जैसे तापमान में कमी आ रही है वैसे वैसे इन पक्षियों का आना लगातार जारी है। दरअसल चीन, कजाकिस्तान, मंगोलिया आदि देशों में सितंबर के महीने में ही बर्फबारी शुरू हो जाती है, ऐसे में कुरजा पक्षी के लिए सर्दियों का वो मौसम उनके अनुकूल नहीं होता। कड़ाके की ठंड में खुद को बचाए रखने की जद्दोजहद में हजारों किलोमीटर का सफर तय करके ये कुरजा पश्चिमी राजस्थान का रुख करती हैं।

कुरजा को पश्चिमी राजस्थान का मौसम भाता है

दरअसल भारत में खासकर पश्चिमी राजस्थान जैसे गरम इलाके में सितंबर और अक्टूबर महीने से फरवरी तक शीतलहर चलती है। इस लिहाज से इस पक्षी के लिए ये मौसम काफी अनुकूल रहता है। इस दौरान करीब 5 से 6 महीने के लिए कुरजा पश्चिमी राजस्थान में अलग-अलग जगहों पर अपना डेरा डालती है। जैसलमेर जिले के लाठी, खेतोलाई, डेलासर, धोलिया, लोहटा, चाचा, देगराय ओरण सहित अन्य जगहों पर कुरजा ही कुरजा नजर आ रही है। इन पक्षियों के आने से पर्यावरण प्रेमी और पक्षी प्रेमी काफी खुश है और वे इन इलाकों में घूम घूम कर शोध भी कर रहे हैं। गौरतलब है कि दक्षिण पूर्वी यूरोप एवं अफ्रीकी भू-भाग में डेमोसाइल क्रेन के नाम से विख्यात कुरजा पक्षी अपने शीतकालीन प्रवास के लिए हर साल हजारों मीलों उड़ान भरकर भारी तादाद में क्षेत्र के देगराय ओरण और लाठी इलाके के तालाबों तक आते हैं। मेहमान परिंदों का आगमन सितंबर महीने के पहले हफ्ते से शुरू हो जाता है और करीब 6 महीने तक प्रवास के बाद मार्च में वापसी की उड़ान भर जाते हैं।

एकांत में रहने वाला शर्मिला पक्षी

पक्षी प्रेमी राधेश्याम पेमानी ने बताया कि एकांत प्रिय मिजाज का यह पक्षी अपने मूल स्थानों पर इंसानी आबादी से काफी दूर रहता है। लेकिन जहां डेरा डालते हैं वहां इंसानी दखल को नापसंद नहीं करते हैं। ग्रामीण भी कुरजा को अपना मेहमान समझकर उनकी पूरी देखभाल एवं सुरक्षा करते हैं।

जिंक नगर में लीग मैचो से इंटर जिंक क्रिकेट चेम्पियनशिप टूर्नामेंट का आगाज

खेल में हार जीत नही खेल भावना महत्वपूर्ण-मिश्रा

टीम यशद से मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूण मिश्रा और सीएचआरओ अजय सिंगरोहा ने की पारी की शुरूआत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिंक नगर खेल मैदान पर दूधिया रोशनी में इंटर जिंक क्रिकेट चैम्पियनशिप टूर्नामेंट का शुभारम्भ हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि हिन्दुस्तान जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूण मिश्रा, सीएचआरओ अजय सिंगरोहा, विशिष्ट अतिथि हिन्दुस्तान जिंक के हेड एडमिन विनोद नायर,यूनियन के थे। टूर्नामेंट का शुभारंभ अरूण मिश्रा ने खेल मैदान पर मशाल प्रज्जवलित कर खिलाड़ियों को सौंप कर किया।

उद्घाटन मैच चंदेरिया लेड ज़िंक स्मेल्टर व ज़िंक स्मेल्टर देबारी एवं दरीबा स्मेलटिंग कॉम्प्लेक्स व टीम एचओ सीआरडीएल के बीच खेला गया। टीम यशद से मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूण मिश्रा और सीएचआरओ ने पारी की शुरूआत की। मैच के पहले ही ओवर में ओपनिंग जोडी ने दो चैके लगाकर टीम को मजबूत शुरूआत दी। पहले मैच में ज़िंक स्मेल्टर देबारी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 20 ओवर में 126 रनो का लक्ष्य दिया जिसे चंदेरिया ने 15 ओवर 3 गेंदो में चार विकेट पर हांसिल करते हुए जीत दर्ज की। देबारी की टीम से विक्रम सिंह देवडा ने 34 बॉल खेलकर 35 रन बनाएं, चंदेरिया की टीम से अभिषेक त्रिपाठी ने 27 गेंदा में 32 रन बनाएं। वहीं चार ओवर में 40 रन देकर देबारी के चिराग ने दो विकेट लिये, चंदेरिया की ओर से नरेन्द्र गहलोत ने 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट चटकाए। मैन ऑफ द मैच नरेन्द्र सिंह रहे। दूसरे मैच में टीम यशद से कुशल मेहता 47 बॉल में 41 रन , दरीबा की टीम के राहुल कुसुमकर ने 22 गेंदो में 25 रन बनाएं। दरीबा की टीम से पुष्पेंद्र मीणा 4 ओवर में 15 रन दो विकेट, टीम यशद से मोइन अली ने 3 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट लिये। इस मैच की विजेता टीम दरीबा की टीम रही, मैन ऑफ द मैच दरीबा के दीपक सोपोरी रहे। इस अवसर पर अरूण मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन हमें स्फुर्ति एवं दूगुने उत्साह से कार्य हेतु प्रेरित करते है। खिलाड़ियों का प्रोत्साहन करते हुए उन्होंने कहा कि खेल में हार जीत नहीं खिलाड़ी खेल भावना से खेल कर अपने उच्च खेल का प्रदर्शन करें। अजय कुमार सिंगरोहा ने कहा कि हमें टीम स्पीरीट का परिचय देते हुए खेल के श्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ ही सुरक्षा को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। खेल हमें कार्यक्षेत्र पर अनुशासन और एकाग्रता से कार्य के प्रति उत्साहित करते है। राणावत ने कहा कि हिन्दुस्तान जिंक के टीमों के बीच इस प्रकार के आयोजन कार्यक्षेत्र में प्रेरणा के लिये महत्वपूर्ण है। इस टूर्नामेंट में हिन्दुस्तान ज़िंक की चंदेरिया लेड ज़िंक स्मेल्टर, राजपुरा दरीबा कॉम्प्लेक्स, एचओ सीआरडीएल, रामपुरा आगुचा माइंस, जावर माइंस की टीमें भाग ले रही है। टीमों के बीच लीग मैच के विजेताओं में सेमीफाइनल व फाइनल मैच खेले जाएगें। उद्घाटन समारोह में उपमुख्य प्रचालन अधिकारी सी चंद्रु, आयोजन समिति के चेयरमैन कमोद सिंह, संयोजक अनागत आशीष, वरिष्ठ अधिकारी मानस त्यागी, सुब्रतो मण्डल, यूनियन पदाधिकारी रणजीत सिंह भाटी, हिंद ज़िंक विद्यालय की प्राचार्या बिन्दु नायर ,ज़िंक के वरिष्ठ अधिकारी, आयोजन समिति के सदस्य एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन आयोजन समिति सदस्य जीएनएस चैहान ने किया।

प्रशासन गांवों के संग अभियान-2021 - मंगलवार को 10 ग्राम पंचायतों में लगे शिविर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। 02 अक्टूबर से प्रारंभ हुए 'प्रशासन गांवों के संग अभियान 2021' के आयोजन के क्रम में मंगलवार को 10 ग्राम पंचायतों में शिविर लगाए गए। जिसके अंतर्गत मांचवा, मनोहरपुरा, महादेवपुरा, चन्दवाजी, नटाटा, अनन्तपुरा जै, भैसावा, किशोरपुरा, सांगटेडा और नयाबास ग्राम पंचायतों में 'प्रषासन गांवों के संग अभियान' के तहत शिविर लगाये गये। गौरतलब है कि 'प्रशासन गांवों के संग अभियान' के तहत ग्राम पंचायतों पर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग आयुर्वेद एवं सहकारिता विभाग सहित 22 विभागों से संबंधित मामलों का निस्तारण किया जा रहा है आमजन में भी इन शिविरों को लेकर खासा उत्साह है एवं संबंधित ग्राम पंचायत पर आयोजित हो रहे शिविर पर प्रार्थी आते हैं एवं अपनी समस्या का निस्तारण करवाते हैं। काम होने के पश्चात सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की सेल्फी पॉइंट पर 'आज मेरा काम हुआ आज मैं खुश हूँ' पर लाभान्वित सेल्फी भी लेते हैं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित साहित्य में भी लोग रुचि लेकर अपने साथ ले जाते हैं।

भीम आर्मी संगठन एवं पुलिस प्रशासन के सानिध्य में साल का खेड़ा आवरी माता में निकाली शांतिपूर्ण बिंदोली

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा। जिले के भदेसर उपखंड क्षेत्र में ग्राम साल का खेड़ा आवरी माता में भीम आर्मी भारत एकता मिशन टीम और पुलिस प्रशासन के सानिध्य में बिन्दौली निकाली गई। चित्तौड़गढ़ भीम आर्मी जिलाध्यक्ष प्रकाशचंद्र मेघवाल ने जानकारी देते हुए बताया की कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मेघवाल समाज में होने वाले विवाह समारोह के अवसर पर बिन्दोली नहीं निकालने की खुली धमकी दी जा रही थी। इस कारण भीम आर्मी संगठन के एवं पुलिस प्रशासन के मुख्य सानिध्य में दूल्हे प्रकाशचंद्र मेघवाल को घोड़ी पर बैठाकर शांतिपूर्ण बिंदौली निकाली गई। इस अवसर पर भीम आर्मी जिलाध्यक्ष प्रकाशचंद्र मेघवाल, जिला उपाध्यक्ष शंकरलाल पिराना, जिला महासचिव शंभूलाल सालवी, भदेसर तहसील प्रभारी प्रकाश सोलंकी, चित्तौड़गढ़ तहसील प्रभारी रोहित नायक, निम्बाहेड़ा तहसील अध्यक्ष कालूराम बेरवा, निम्बाहेड़ा तहसील महासचिव राजेश बडोली, तहसील उपाध्यक्ष सुरेश टाटर माला, चित्तौड़गढ़ महामंत्री मनोहर लाल मेघवाल, नानूराम सरपंच नपावली डूंगला, महासचिव कालू मेघवाल, मदन लाल बेरवा, प्रकाश बेरवा, राहुल बेरवा, प्रेम बेरवा, कैलाशचंद्र रेगर, जीत बेरवा, देवीलाल बेरवा, दीपक बैरवा, कन्हैयालाल मेघवाल एवं सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे व इस मौके पर पुलिस थाना मगलवाड़, डुंगला व बड़ी सादड़ी पुलिस जाप्ते का योगदान रहा।

हर लड़की की चाहत होती है कि अपनी शादी के दिन वह सबसे खूबसूरत नजर आए। इसमें ब्राइडल मेकअप का भी इंपॉर्टेंट रोल होता है। अगर सही ढंग से ब्राइडल मेकअप किया जाए तो दुल्हन की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। जरूरी नहीं कि इसके लिए आप मेकओवर सेंटर ही जाएं, आप घर पर ही परफेक्ट ब्राइडल मेकअप कर सकती हैं। आपकी हेल्प के लिए हम यहां ब्राइडल मेकअप के स्टेप्स के बारे में बता रहे हैं।

ऐसा हो साज-श्रृंगार चांद-सी नजर आए दुल्हन

मेकअप
शहनाज हुसैन
कॉस्मेटोलॉजिस्ट

आमतौर पर शादी वाले दिन दुल्हन अपना मेकअप, पार्लर से करवाती हैं। अगर आप किसी वजह से पार्लर नहीं जा पा रही हैं या फिर अपना मेकअप खुद करने की चाह रखती हैं, तो जरूरी है कि आप ब्राइडल मेकअप के हर स्टेप को बहुत बारीकी से फॉलो करें, तभी आपका ब्राइडल मेकअप खूबसूरत नजर आएगा।

मॉयश्चराइज करें फेस

मेकअप शुरू करने से पहले आपको अपनी स्किन को अच्छी तरह से मॉयश्चराइज करना चाहिए। इसके लिए ठंडे पानी से फेस वॉश करें, इसके बाद टोनर से स्किन क्लीन करें। ऐसा करने से ना सिर्फ आपका मेकअप लॉन्ग लास्टिंग होगा बल्कि आपके स्किन के पोर्स भी खुल जाएंगे, जिससे स्किन ग्लो करेगी। इसके बाद स्किन को मॉयश्चराइज करें। लेकिन ब्राइडल मेकअप के लिए एसपीएफ क्रीम ना लगाएं। इससे फेस में व्हाइट स्पॉट्स नजर आ सकते हैं, जिससे मेकअप खराब नजर आएगा।

यूज करें प्राइमर

फेस मॉयश्चराइज करने के बाद प्राइमर अप्लाई करें। प्राइमर की पतली लेयर लगाएं, इससे स्किन पोर्स फिल होते हैं और फेस की फाइन लाइंस उभरकर आती हैं। प्राइमर चेहरे पर किए गए फेशियल के साथ पूरी तरह ब्लेंड हो जाता है। प्राइमर को फेस के साथ नेक और हैंड पर भी अप्लाई करें।

अप्लाई करें फाउंडेशन

फाउंडेशन मेकअप बेस के लिए लगाया जाता है। आप मौसम और अपनी स्किन टाइप के अकॉर्डिंग ही फाउंडेशन चूज करें। इसके लिए आप फाउंडेशन खरीदते वक्त एक्सपर्ट की मदद ले सकती हैं। फाउंडेशन को स्किन में ब्लेंड करने के लिए ब्लेंडर का यूज करें। अगर आपके पास ब्लेंडर नहीं है तो अंगुलियों से थपथपाते हुए फाउंडेशन को ब्लेंड करें। इससे आपकी स्किन को नेचुरल लुक मिलता है, जो आपको खूबसूरत लुक देता है।

आइज हाईलाइट करें

ब्राइडल मेकअप में सबसे इंपॉर्टेंट पार्ट आइज मेकअप का होता है। इसके लिए आप नेचुरल कलर को इंपॉर्टेंस दे सकती हैं। इसके लिए सेरेमिक या स्किन कलर की आईशैडो लगाएं। वैसे आप चाहें तो अपनी पसंद का आईशैडो या फिर आउटफिट को कॉम्पलीमेंट करता हुआ आईशैडो लगा सकती हैं। इसी तरह आईब्रोज पर भी ध्यान दें। पहले से ही आईब्रोज ट्रिम करवा लें। मेकअप के दौरान आईब्रोज पर पेंसिल काजल अप्लाई करें। इससे आपकी आईब्रोज घनी नजर आएंगी, जो आपके ब्राइडल मेकअप में चार चांद लगा देंगी। अगर आप शादी के लिए स्पेशल आर्टिफिशियल लैशेज लगाने वाली हैं, तो इसे अच्छी तरह ग्लू से चिपका लें। अगर लैशेज का यूज नहीं करेंगी, तो आई लैशेज में रोल करते हुए वॉटरप्रूफ मस्कारा लगाएं। इसके बाद आईलाइनर अप्लाई करें। आईलाइनर के लिए आप अपनी पसंदीदा कलर चुन सकती हैं। वैसे ब्लैक कलर ब्राइडल मेकअप पर बहुत अच्छा लगता है।

ब्लशर अप्लाई करें

आई मेकअप कंप्लीट होने के बाद चेहरे पर ब्लशर भी अप्लाई करें। ब्लशर रेड या पिंक कलर का लगाएं। ब्राइडल मेकअप के लिए ब्लशर बहुत जरूरी है। ब्लशर अप्लाई ना करने की वजह से आपका फेस सिंपल और फ्लैट नजर आ सकता है। इसे ब्लेंड करने के लिए ब्रश का यूज करें।

लिप मेकअप

फेस मेकअप के एंड में लिप्स पर डार्क कलर की लिपस्टिक लगा सकती हैं। वैसे आजकल नेचुरल कलर ट्रेंड में हैं। आप पहले से ही कोई लिपस्टिक अप्लाई करके चेक कर सकती हैं कि आपके फेस और आउटफिट पर किस शेड की लिपस्टिक अच्छी लगेगी। शादी वाले दिन उसी शेड की लिपस्टिक को चूज करें, जो आप पर सबसे अच्छी लगती है।

इन्हें भी रखें याद

- ब्राइडल मेकअप करवाने से एक-दो दिन पहले इसका ट्रायल जरूर करें ताकि शादी वाले दिन आप प्रॉपर मेकअप कर सकें।
- मेकअप में वही प्रोडक्ट्स यूज करें, जो स्किन को सूट करते हैं।
- ब्राइडल मेकअप करने में जल्दबाजी ना करें, हर स्टेप को अच्छी तरह पूरा करें।
- अगर आप कॉन्फिडेंट ना फील करें तो ब्राइडल मेकअप करने के लिए किसी एक्सपर्ट की मदद ले सकती हैं।

तब शादी के दिन दमकेगा आपका रूप

शादी के दिन दुल्हन का रूप दमकता हुआ तभी नजर आता है, जब इसकी तैयारी वह कुछ दिन पहले से ही शुरू कर देती है। अगर आपने अब तक ऐसा नहीं किया है, तो यहां बताए जा रहे तरीकों को आजमा सकती हैं। इससे आपका रूप निखर उठेगा।

स्किन-हेयर केयर
भारती तनेजा
ब्यूटी एक्सपर्ट

यह सही है कि ब्राइडल मेकअप से आपकी खूबसूरती निखरती है। लेकिन ऐसा तभी होता है, जब इसके लिए कुछ दिन पहले से ही स्किन को तैयार करना शुरू कर दिया जाए। दरअसल, प्री-ब्राइडल ट्रीटमेंट आपकी स्किन-बालों को इंटरनली सुंदर बनाता है। इसके लिए प्री-ब्राइडल तैयारी को जरूर फॉलो करें।

फेस केयर

फेस पर अच्छे मेकअप रिजल्ट के लिए सॉफ्ट-शाइनी स्किन होनी जरूरी है। अगर स्किन पर दाग, धब्बे या ड्रायनेस होगी तो मेकअप की फिनिशिंग अच्छी नहीं आएगी।

सीटीएमः प्री-ब्राइडल तैयारी में सबसे इंपॉर्टेंट पार्ट है स्किन क्लीनिंग। इसके लिए फेस पर सीटीएम यानी क्लीनिंग, टोनिंग और मॉयश्चराइजिंग करें। टोनिंग करने से स्किन पोर्स खुलते हैं और एक्ने, स्कार्स जैसी प्रॉब्लम नहीं होती। रात में सोने से पहले अपनी स्किन पर एक्सपर्ट द्वारा बताया गया सीरम जैसे ए.एच.ए, विटामिन सी, कोलेजन भी लगाएं।

क्लिनिकल ट्रीटमेंटः अगर आपको कोई स्किन प्रॉब्लम है, जो काफी लंबे समय से चली आ रही है तो उसे इग्नोर ना करें क्योंकि उससे ब्राइडल मेकअप भी निखरकर नहीं आ पाएगा। उसके लिए किसी अच्छे ब्यूटी क्लीनिक से ट्रीटमेंट लें।

फेशियलः वैसे तो शादी के तीन माह पहले से ही अलग-अलग प्री-ब्राइडल सिटिंग्स शुरू हो जाती हैं और रेग्युलर फेशियल किया जाने लगता है। अगर आपके पास शादी के लिए कुछ ही दिन रह गए हैं, तब भी फेशियल जरूर करवाएं। आप अपनी स्किन को सूटेबल फेशियल करवाएं। इन दिनों ब्राइडल्स के लिए वैंपायर फेशियल और गोल्ड फेशियल खूब करवाया जा रहा है। इससे शादी के दिन आपकी स्किन बहुत ही ग्लोइंग नजर आती है। स्किन टोन को इंप्रूव करने के लिए फ्रूट बायोपील, गैल्वनिक फेशियल करवा सकती हैं। इसका रिजल्ट बहुत अच्छा होता है।

बॉडी केयर

शादी के समय फेस स्किन की तरह प्रॉपर बॉडी केयर की भी जरूरत है। इसलिए समय-समय पर बॉडी पॉलिशिंग, मेनिक्योर-पेडिक्योर करवाती रहें। इससे बॉडी से डेड स्किन रिमूव होगी और आपकी स्किन लंबे समय तक हेल्दी, सॉफ्ट-ग्लोइंग नजर आएगी।

हेयर केयर

बालों को हेल्दी-शाइनी बनाए रखने के लिए हेयर सीरम, टॉनिक्स, कैप्सूल्स या फिर हेयर ऑयल से ऑयलिंग करती रहें। यदि बाल किसी केमिकल ट्रीटमेंट की वजह से खराब हो गए हैं तो आप स्पा की मदद से उनकी खोई चमक वापस लौटा सकती हैं। डैंड्रफ-हेयर फॉल को कंट्रोल करने के लिए शादी के कुछ दिनों पहले बॉयोप्ट्रान ट्रीटमेंट ले सकती हैं।

इन्हें ना भूलें

- सनस्क्रीन लगाना ना भूलें।
- सीटीएम को इग्नोर ना करें।
- जंक फूड ना खाएं।
- देर रात तक ना जागें।

प्रस्तुति : निकिता सक्सेना

जब तक दुल्हन के हाथों में प्यारी-सी मेहंदी ना सजे, उसका श्रृंगार पूरा नहीं होता है। इसीलिए हम आपको यहां कुछ ऐसी खूबसूरत डिजाइंस के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें हाथों में सजाने से आपकी खूबसूरती में चार चांद लग जाएंगे।

दुल्हन के हाथों में सजे खूबसूरत मेहंदी

सजेशन
कीर्ति शर्मा

मेहंदी से सजे दुल्हन के हाथ बहुत ही खूबसूरत नजर आते हैं। मेहंदी को शगुन और सुहाग की निशानी भी माना जाता है। इसीलिए दुल्हन की मेहंदी का खास महत्व है। अगर आप अब तक डिसाइड नहीं कर पा रही हैं कि वेडिंग-डे पर किस तरह की मेहंदी डिजाइन हाथों पर लगाएंगी, तो यहां बताए जा रहे मेहंदी डिजाइंस में से अपने लिए कोई सेलेक्ट कर सकती हैं।

ट्रेडिशनल एंड क्लासिक स्टाइल : अगर आपको मेहंदी से भरे-भरे हाथ और घनी मेहंदी डिजाइन पसंद है तो यह डिजाइन आपको पसंद आएगी। यह मेहंदी का एक ऐसा डिजाइन है, जो ट्रेंड से कभी आउट नहीं होता। इस तरह की मेहंदी में एक से बढ़कर एक डिजाइंस आपको मिल जाएंगे। इस मेहंदी में ज्यादातर फ्लोरल पैटर्न, बोल्ड-लाइट स्ट्रोक्स, डायमंड पैटर्न, राधा-कृष्ण, सिंगल मोर, मोर जोड़ा, बेलबूटेदार डिजाइन पसंद किए जाते हैं। इसके साथ ही इन डिजाइंस को और भी ज्यादा निखारने के लिए ट्रेडिशनल-क्लासिक स्टाइल में थ्री डी इफेक्ट का यूज किया जाता है। इससे मेहंदी का हर एक डिजाइन उभर कर आता है।

ब्राइड-ग्रूम रिचअुल डिजाइन : दुल्हा-दुल्हन के रिचअुल यानी मैरिज से जुड़ी रस्मों वाली मेहंदी डिजाइन एवरग्रीन है। इसमें दुल्हा-दुल्हन की तस्वीरों के साथ वरमाला रस्म, फेरे, बारात, पालकी में बैठी दुल्हन, विदाई रस्म डिजाइन बनाए जाते हैं। इन डिजांइस के अलावा शादी के मौकों पर रखे जाने वाले कलश, ढोल-नगाड़े, शहनाई के मेहंदी डिजाइन भी खूबसूरत लगते हैं।

मेश स्टाइल डिजाइन : मेश या जालीदार मेहंदी डिजाइन इन दिनों काफी पॉपुलर हैं। इसकी खासियत यह है कि इसमें हाथ ज्यादा भरे नहीं लगते और ना ही खाली लगते हैं। छोटे-छोटे स्कवायर जैसे शेप मेश पैटर्न लुक को बहुत यूनीक बनाते हैं। लोटस और अन्य छोटे-छोटे फूलों जैसे एलिमेंट्स इस मेहंदी डिजाइन में चार-चांद लगाते हैं। अगर आपको सिंपल जाली वाली डिजाइन पसंद नहीं है, तो सेंटर में कमल का फूल बनवाकर उसको मेश पैटर्न के साथ अट्रैक्टिव दिखा सकती हैं। इसकी बॉर्डर पर बना चेन डिजाइन भी ब्राइड्स को खूब पसंद आता है।

(मेहंदी आर्टिस्ट ज्योति सकलेचा से बातचीत पर आधारित)

ब्राइडल गहने क्या कहने!

ज्वेलरी
निकिता चौहान

वेडिंग ऑकेजन के लिए अट्रैक्टिव आउटफिट, मेकअप के साथ ब्राइडल ज्वेलरी का सेलेक्शन भी ट्रेंड, लेटेस्ट डिजाइंस को ध्यान में रखते हुए करना चाहिए। यहां हम कुछ ऐसी ज्वेलरीज के बारे में बता रहे हैं, जो दुल्हन के श्रंगार में चार चांद लगा देंगे।

चोकर सेट : वेडिंग ऑकेजन के लिए आप चोकर ज्वेलरी सेट भी ट्राई कर सकती हैं। इन दिनों चोकर डायमंड्स में भी डिजाइन किए जाते हैं। शाही लुक के लिए जड़ाऊ चोकर सेट और मिक्स सिल्वर चोकर भी पहन सकती हैं। इसी तरह से सदाबहार ट्राइबल लुक के लिए मेटालिक चोकर सेलेक्ट कर सकती हैं। इस चोकर सेट के साथ इयररिंग्स और मांगटीका भी मिलता है।

वेस्ट बैंड : ओवरऑल लुक को हाईलाइट करने के लिए स्टाइलिश कमरबंद पहनने का आइडिया अच्छा हो सकता है। इसके लिए आप प्लेन गोल्ड वेस्ट बैंड या कुंदन, पर्ल और पोल्की वाले अलग-अलग वेस्ट बैंड चुन सकती हैं।

कड़ाः शादी के दिन दुल्हन की कलाई रंग-बिरंगी चूड़ियों से सजी होती है। इसको दोनों तरफ से कवर करने के लिए कड़े पहने जाते हैं। ये आउटफिट के साथ टीमअप करते हुए कैरी किए जा सकते हैं। आजकल स्टोन से जड़े हुए कड़े मार्केट में खूब मिल रहे हैं। इन्हें आप शादी के बाद भी अपने रेग्युलर आउटफिट्स के साथ पेयर कर सकती हैं।

रिंग्स : डिजाइनर रिंग्स आपके हाथों को स्टाइलिश और खूबसूरत लुक देती हैं। मौजूदा समय में लड़कियां अपनी शादी के लिए ओवर साइज रिंग पहनना पसंद कर रही हैं। यह आपके लुक को खूबसूरत बनाती है। आप अपने लिए कोई भी अच्छी-सी रिंग सेलेक्ट कर सकती हैं। कुंदन वर्क की ट्रेंडी रिंग भी पहन सकती हैं।

(ज्वेलरी एक्सपर्ट अर्चना अग्रवाल से बातचीत पर आधारित)

ड्रेसअप
प्रतिभा मिश्रा

शादी के दिन दुल्हन का लुक तभी कंप्लीट होता है, जब वह ब्राइडल लहंगे को कैरी करती है। वेडिंग सीजन को देखते हुए इन दिनों मार्केट में कई डिजाइंस के एक से बढ़कर एक खूबसूरत लहंगे मिल रहे हैं। आप अपनी पसंद और ट्रेंड के अनुसार इनमें से कोई भी लहंगा सेलेक्ट कर सकती हैं।

अट्रैक्टिव-डिजाइनर ब्राइडल लहंगे

शादी के दिन परफेक्ट मेकअप के साथ दुल्हन का ड्रेसअप भी ऐसा होना चाहिए कि उसकी खूबसूरती में और निखार आए। इसके लिए सबसे बड़ा रोल लहंगे का होता है। लेकिन लहंगा चुनते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि लहंगे के लेटेस्ट ट्रेंड, वैरायटी और पैटर्न के बारे में आप पहले से ही जान लें। आपकी हेल्प के लिए हम कुछ ट्रेंडी और डिजाइनर लहंगों के बारे में बता रहे हैं।

ऑरगेंजा लहंगा : बीते कुछ वर्षों से वेडिंग ऑकेजन पर ब्राइड्स, ऑरगेंजा लहंगे को भी कैरी करना पसंद कर रही हैं। इस लहंगे में कलर्स के कई ऑप्शंस मिल जाते हैं। इनकी एक खासियत यह है कि हैवी एंब्रॉयडरी वर्क के बावजूद ये लहंगे लाइट वेटेड होते हैं। इस वजह से ये कैरी करने में ईजी होते हैं। ऑरगेंजा लहंगे में बहुत ही खूबसूरत प्रिंट्स मिल जाएंगे, जो दुल्हन को बिल्कुल अलग लुक देते हैं।

लाइट गोल्ड लहंगा : अगर आप हैवी लहंगा कैरी नहीं करना चाहती हैं तो लाइट गोल्ड लहंगा ट्राई कर सकती हैं। इस वेडिंग सीजन में लाइट गोल्ड लहंगा फैशन में है। इसमें आपको कई वैरायटीज मिल जाएंगी। साथ ही हैवी से लाइट एंब्रॉयडरी वर्क वाले लहंगे भी आपको इसमें मिल जाएंगे। आप अपनी पसंद के अकॉर्डिंग कोई भी चूज कर सकती हैं।

मल्टीकलर एंब्रॉयडरी लहंगाः मल्टीकलर एंब्रॉयडरी लहंगा भी आजकल काफी पसंद किया जा रहा है। यह क्लासी लुक देता है। इसमें कलर्ड पर्ल्स, स्टोंस, ब्लू और पिंक कलर में एंब्रॉयडरी वर्क होता है, जो लहंगे को काफी अट्रैक्टिव बना देता है। इस लहंगे के साथ आप किसी भी तरह की ज्वेलरी वियर कर सकती हैं।

वेलवेट लहंगाः इस वेडिंग सीजन में ब्राइडल ड्रेसअप कलेक्शन में वेलवेट लहंगे भी मार्केट में मिल रहे हैं, जो काफी अट्रैक्टिव नजर आते हैं। इसमें ज्यादातर ब्राइट कलर्स होते हैं, जो ब्राइडल्स पर काफी फबते हैं। इनमें डार्क ब्लू, नेवी ब्लू, वाइन रेड, मैरून, ग्रीन कलर ज्यादा पसंद किए जाते हैं। इन पर ज्यादातर दबका (एक प्रकार का डिजाइनर एंब्रॉयडरी) वर्क किया जाता है। इसकी वजह से लहंगे बहुत खूबसूरत दिखने लगते हैं। आप इन्हें अपने अकॉर्डिंग भी डिजाइन करवा सकती हैं।

सिल्क और ब्रोकेड : सिल्क और ब्रोकेड लहंगे एवरग्रीन माने जाते हैं। ये दिखने में बहुत अच्छे लगते हैं। स्पेशली विंटर सीजन में इन्हें खासा पसंद किया जाता है। इस लहंगे में चौड़े बॉर्डर होते हैं, जो इसे दूसरे लहंगे से अलग बनाते हैं। इनमें हैवी दबका और स्टोन एंब्रॉयडरी वर्क किया जाता है।

(फैशन डिजाइनर ममता आनंद से बातचीत पर आधारित)

इस तरह कैरी करें लहंगा

आजकल लहंगे के साथ डबल दुपट्टा कैरी करने का ट्रेंड भी बढ़ गया है। यह दुल्हन को बिल्कुल अलग लुक देता है। इसमें एक दुपट्टा दुल्हन को शोल्डर पर प्लीट्स बनाकर रखना होता है तो दूसरा दुपट्टा, जो थोड़ा लाइट वेटेड होना चाहिए, उसे पूरा खोलकर सिर पर कवर करना होता है। इस तरह दुल्हन का डबल दुपट्टा लुक कंप्लीट होता है। लेकिन दुपट्टा खरीदते समय इसके कलर का ध्यान जरूर रखें। एक दुपट्टा लहंगे के कलर से मैच करता हुआ होना चाहिए, जबकि दूसरा इससे अलग होगा। इसमें एक दुपट्टा लाइट कलर और दूसरा दुपट्टा डार्क कलर का होना चाहिए। लहंगे को आप अपनी कलर और वर्क च्वॉइस के अकॉर्डिंग चूज कर सकती हैं।

ईशान, सिद्धांत व कैटरीना की हॉरर कॉमेडी फिल्म

मुंबई। कैटरीना कैफ, सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान खट्टर अभिनीत हॉरर-कॉमेडी 'फोन भूत' अगले साल 15 जुलाई को रिलीज होगी। गुरमीत सिंह द्वारा निर्देशित, रवि शंकरन और जसविंदर सिंह बाथ द्वारा लिखित, 'फोन भूत', 'गली बॉय' और 'तूफान' के बाद एक्सेल एंटरटेनमेंट की सबसे नई पेशकश है। दिलचस्प बात यह है कि 'फोन भूत' की रिलीज प्रतिष्ठित 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' के साथ मेल खाती है। हंसी मजाक की भरपूर खुराक फिल्म में हंसी-मजाक की बराबर खुराक से सराबोर 'फोन भूत' 15 जुलाई, 2022 को आपके आस-पास के सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

लाइफ Style

राखी

शादी से पहले एक डॉन को कर रही थीं डेट

हाल ही में बिग बॉस के घर में एंट्री करने वाली राखी सावंत के साथ 3 और लोगों ने वीआईपी के तौर पर घर में एंट्री ली है जिसमें राखी के पति रितेश भी शामिल हैं। पहली बार लोगों ने राखी के पति को नेशनल टीवी पर देखा है। राखी ने शो के दौरान एक चौंकाने वाला खुलासा किया है।

नई दिल्ली

राखी सावंत ने एक्ट्रेस शमिता शेट्टी के एक सवाल का जवाब देते हुए बताया है कि वो एक वक्त पर एक डॉन को डेट कर रही थीं, उस डॉन ने राखी को रिश्ता खत्म ना करने की धमकी दी थी। इसी के चलते राखी का लड़कों पर से भरोसा उठ गया था। आपको बता दें कि शमिता शेट्टी ने राखी से उनकी शादी के पीछे की कहानी के बारे में पूछा था। राखी ने शमिता शेट्टी को बताया कि जब उनकी शादी रितेश के साथ हुई तो उसके तुरंत बाद लॉकडाउन लग गया था और जैसे ही लॉकडाउन हटा तो वो बिग बॉस के पिछले सीजन में आईं थीं। जब रश्मि देसाई ने राखी से पूछा तो रितेश ने बताया कि उनके पापा ने राखी का नंबर किसी इवेंट के लिए शेयर किया था। कुछ दिन बाद रितेश ने राखी को हाय लिखकर एक मैसेज भेजा था लेकिन राखी ने उन्हें ब्लॉक कर दिया था। राखी ने बताया कि वो उस दौरान काफी तनावग्रस्त थी, इसलिए उन्होंने रितेश का नंबर ब्लॉक कर दिया था। हालांकि बाद में रितेश ने दूसरे नंबर से राखी को मैसेज किया तो तब जाकर दोनों के बीच बातचीत हुई। दोनों के बीच धीरे-धीरे बातचीत बढ़ती चली गई और आखिर दोनों ने शादी के बंधन में बंधने का फैसला कर लिया।

हॉलीवुड मसाला

एक्टर के साथ निर्देशक भी

लॉस एंजिल्स। कहा जाता है कि शराब जितनी पुरानी होती जाती है, उतना ही उसका स्वाद और असर बढ़ते जाता है। यह बात अभिनेत्री हैली बेरी पर सटीक तौर पर लागू होती है। हर साल उनकी कोई फिल्म रिलीज होती है जिसमें वो और जवान होती नजर आती हैं, और खूबसूरत दिखाई देती हैं या फिर अपनी बॉडी कुछ इस कदर मैंटेन कर के रखती हैं कि 20-21 साल की लड़कियां भी उनके सामने पानी भरते नजर आती हैं। मॉडलिंग से अपना करियर शुरू करने वाली हैली ने फिल्मों के बाद फिल्म "ब्रूस्ड" के साथ उन्होंने 55 साल की उम्र में निर्देशन के क्षेत्र में पदार्पण किया है।

'स्लमडॉग मिलेनियर' फेम फ्रीडा पिंटो बनीं मां

नई दिल्ली। हॉलीवुड फिल्म 'स्लमडॉग मिलेनियर' फेम एक्ट्रेस फ्रीडा पिंटो और उनके पति कॉरी ट्रान अपने पहले बच्चे के माता-पिता बन गए हैं। फ्रीडा ने बेटे को जन्म दिया है, जिसका नाम दोनों ने मिलकर रूमी-रे रखा है। अभिनेत्री ने ये गुड न्यूज सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ शेयर की है। इस दौरान फ्रीडा ने अपने राजकुमार की झलक भी दिखाई है। दरअसल, फ्रीडा ने अपने पति कॉरी ट्रान के जन्मदिन के मौके पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में एक्ट्रेस अपने बेटे के साथ नजर आ रही हैं। इस दौरान फ्रीडा अपने बेटे पर प्यार लुटाती दिखाई दे रही हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर फ्रीडा पिंटो के पति कॉरी ट्रान और उनके बेटे की है। इस दौरान कॉरी ट्रान अपने बेटे के साथ प्यार से सो रहे हैं।

बिना शादी किए बनने वाली हैं मां...

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने बिना शादी किए मां बनने का फैसला कर लिया है और इसके लिए उन्होंने प्रोसेस भी शुरू कर दिया है। स्वरा भास्कर तमाम दूसरी अभिनेत्रियों की तरह बच्चा गोद लेने का फैसला किया है। एक्ट्रेस ने एक संभावित दत्तक पैरंट के तौर पर साइन किए। वह फिलहाल बच्चे को गोद लेने की वेटिंग लिस्ट में है। स्वरा ने अपने एक इंटरव्यू में मां बनने की इच्छा जाहिर की है। इसके साथ उन्होंने बताया कि देश में कितने लाखों बच्चे हैं, जो अनाथालय में रहते हैं। स्वरा ने न सिर्फ गोद लेने की प्रक्रिया की शुरुआत की है बल्कि कई उन कपल्स से मिली हैं जो बच्चा गोद ले चुके हैं। स्वरा भास्कर ने बताया, मैंने हमेशा से फैमिली और बच्चे की इच्छा की है। मुझे लगता है कि अडॉप्शन एक ऐसा रास्ता है, जिससे मैं अपने इस सपने को पूरा कर सकती हूं।

एक साथ नजर आएंगे आमिर-रणबीर

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान इंडस्ट्री के राइजिंग सुपरस्टार रणबीर कपूर संग फिल्म करने जा रहे हैं। आमिर और रणबीर में एक बहुत ही कॉमन बात है। दोनों ही कम फिल्में करने के लिए जाने जाते हैं। साल या फिर 2 साल में इन एक्टर्स की फिल्में रिलीज होती हैं। फैंस भी दोनों की फिल्मों के रिलीज होने का इंतजार करते हैं। अब जरा सोचिए कि अगर दोनों कलाकार एक साथ एक ही फिल्म में काम करने लग जाएं तो ये दोनों ही फैंस के लिए सोने पर सुहागा होगा। रिपोर्ट्स की मानें तो- 'आमिर खान और रणबीर कपूर इस फिल्म पर काम साल 2022 में शुरू करेंगे। फिल्म को लेकर अभी कुछ ज्यादा डिटेल्स सामने नहीं आई हैं। सोर्स की मानें तो आमिर और रणबीर को स्क्रिप्ट पसंद आ गई है और दोनो ने साथ में काम करने के लिए हामी भी भर दी है।

टीवी मसाला

बा बापूजी की एनिवर्सरी पर होगा बड़ा ड्रामा, अनुपमा पर फिर गिरेगी गाज!

नई दिल्ली। टीवी शो 'अनुपमा' बीते एक साल में सफलता के कई आयाम पार कर चुका है। लगातार टॉप पर बने रहने के लिए शो के मेकर्स दर्शकों को लिए मसाला देते रहते हैं। इस फैमिली ड्रामा में एक बेबस महिला की कहानी से शुरुआत हुई थी और आज वही महिला शो में सबसे दमदार हो चुकी है। रुपाली गांगुली, सुधांशु पांडे, मदालसा शर्मा और गौरव खन्ना स्टारर इस शो में आने वाला सप्ताह मनोरंजन से भरपूर होने वाला है। लंबे समय बाद अब 'अनुपमा' में खुशी और सेलिब्रेशन का मौका आया है क्योंकि अब शाह फैमिली बा और बापूजी की शादी की 50वीं सालगिरह का कार्यक्रम करने वाली है। इसके लिए शाह हाउस में एक ग्रैंड सेलिब्रेशन होगा। इसमें परिवार के लोगों का डांस परफॉर्मेंस, फैमिली फोटोशूट, कव्वाली कॉम्पिटीशन भी मजेदार होगी। इस सेलीब्रेशन में जो सबसे खास होने वाला है वह है कव्वाली की रात। क्योंकि इसमें हमें अनुज और अनुपमा की मस्त जुगलबंदी देखने को मिलेगी। इस कव्वाली में अनुपमा और अनुज के सामने मुकाबला करेंगे वनराज और काव्या। यहां अनुज और अनुपमा जब एक के बाद एक अपनी धांसू कव्वाली से वनराज को मात देंगे तो वह दोनों की केमिस्ट्री देख जल उठेगा। वहीं काव्या खुद को फिर से अकेला पाएगी और मन ही मन एक खतरनाक फैसला करेगी।

वनराज की मदद करेगा अनुज कपाड़िया

इसके आगे हम देखेंगे कि इस उलझन में शाह हाउस को बचाने और वनराज को सपोर्ट करने का काम कोई और नहीं बल्कि अनुज कपाड़िया करेगा। वह काव्या के मंसूबों पर पानी फेरेगा और वनराज को अपनी लीगल टीम से मदद दिलाएगा। वह शाह हाउस को वापस वनराज को दिलाएगा। इस सबके बीच हम देखेंगे कि बा और काव्या के बीच ऐसे हालात हो जाएंगे कि बा घर के कामों के बोझ के तले दबी रहेगी। वहीं दूसरी ओर काव्या लगातार उनकी बेइज्जती करेगी। इसलिए बा को कार्डियक अरेस्ट आएगा लेकिन अपनी इस तबियत खराब होने के बहाने बा, अनुपमा से शाह हाउस में वापस आने का वादा लेगी। तो अब देखना ये होगा कि अपने अपमान को भुलाकर, अपने करियर को तांक पर रखकर अनुपमा घर में वापस आएगी या नहीं? वनराज को उसका घर मिलेगा या नहीं?

सुनील शेट्टी की धमाकेदार वापसी फैंस बोले- किंग इज बैक...

नई दिल्ली। बॉलीवुड के जबरदस्त एक्टर सुनील शेट्टी लंबे समय बाद एक बार फिर फिल्मों में धमाकेदार वापसी करने जा रहे हैं। इस बार सुनील शेट्टी किसी रोमांटिक हीरो के रोल में नहीं बल्कि एक योद्धा के किरदार में नजर आएंगे। सुनील शेट्टी जल्द ही इंडस्ट्री के जाने-माने डायरेक्टर प्रियदर्शन की फिल्म 'मरक्कड़- द लायन ऑफ द अरेबियन सी' में नजर आने वाले हैं। सोशल मीडिया पर सुनील शेट्टी का फर्स्ट लुक बाहर आ चुका है। फैंस कह रहे- किंग इज बैक। फिल्म में सुनील शेट्टी सोलहवीं शताब्दी के समुद्री योद्धा के किरदार में नजर आने वाले हैं। खुद इंस्टाग्राम पर सुनील शेट्टी ने अपनी अपकमिंग फिल्म के फर्स्ट लुक का वीडियो फैंस के साथ शेयर किया है।

कुंजलि मरक्कड़ की जीवन पर आधारित : दरअसल 2 दिसंबर को सुनील शेट्टी की फिल्म 'मरक्कड़- द लायन ऑफ द अरेबियन सी' रिलीज होने जा रही है। ये फिल्म नेवी चीफ मोहम्मद अली उर्फ कुंजलि मरक्कड़ की लाइफ पर आधारित है। खबरों की मानें तो सुनील शेट्टी का ये लुक हॉलीवुड फिल्म 'ट्रॉय' से इंस्पायर्ड है। फिल्म की पहली झलक देखकर ये समझा जा सकता है कि इस फ्रल्मि में सुनील शेट्टी के काफी सारे फाइट सींस देखने को मिलेंगे।

भारतीय क्रिकेट के ऐतिहासिक दिन पर बनी फिल्म
'83' का टीजर आउट, छा गए रणवीर सिंह...

नई दिल्ली। कबीर खान द्वारा निर्देशित और रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म '83' के पोस्टर और टीजर के बाद फैन्स इसके ट्रेलर का इंतजार कर रहे थे लेकिन इसी बीच निर्माताओं ने '83' का एक नया पोस्टर उनके साथ किया है। इस नए पोस्टर में रणवीर सिंह उनकी टीम के साथियों के साथ जर्सी पहने जबरदस्त मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे हैं। फिल्म आखिरकार 24 दिसंबर को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

कौन अभिनेता किस भूमिका में

फिल्म '83' में पंकज त्रिपाठी मैनेजर पीआर मान सिंह की भूमिका निभाते नजर आएंगे। वहीं साकिब सलीम मोहिंदर अमरनाथ की भूमिका निभाएंगे। साथ ही एमी विर्क को बलविंदर सिंह संधू के रूप में, साहिल खट्टर को सैयद किरमानी के रूप में और ताहिर भसीन को फिल्म में सुनील गावस्कर की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। पर्दे पर कपिल देव की पत्नी रोमी का किरदार निभाते हुए अभिनेत्री दीपिका पादुकोण नजर आएंगी।

टीजर में दिखाया था कपिल देव का कैच

पिछले हफ्ते ही इस फिल्म का टीजर सोशल मीडिया पर रिलीज किया गया था, जिसमें कपिल देव के प्रतिष्ठित कैच को दिखाया गया था। इस टीजर में लॉड्र्स स्टेडियम में 1983 क्रिकेट विश्व कप के दौरान वेस्टइंडीज के विव रिचड्र्स को आउट करने वाला दृश्य दिखाया गया था। वहीं ये पोस्टर रणवीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है 'जैसे लोग कहते हैं, एक बार सफलता का स्वाद चखें...जुबान को और क्या चाहिए'- कपिल देव, 1983 #83 ट्रेलर के लिए 2 दिन और'।

भरपूर खाने के साथ ही अपने वजन और फिटनेस का भी ध्यान रखें

सर्दियों में सोच समझकर खाएं इन चीजों से जल्दी बढ़ता है मोटापा

नई दिल्ली। ठंड के मौसम में रजाई में घुसकर गर्मागरम खाना सबसे अच्छा लगता है। सर्दियों में एक से एक शानदार डिश खाने को मिलती हैं। गरमा-गरम परांठे, क्रीमी सूप, गजक, पट्टी, लिक के लड्डू, गाजर का हलवा और गर्मागरम गुलाब जामुन खाने से खुद को रोक पाना मुश्किल हो जाता है, लेकिन क्या आपको पता है इन चीजों से स्वाद के साथ आपका वजन भी बहुत तेजी से बढ़ता है।

दरअसल, सर्दियों में मोटापा बढ़ने के तीन कारण है। सबसे पहला कि ठंड में हमारा मेटाबॉलिज्म काफी स्लो हो जाता है, जिससे खाना देरी से पचता है और फैट में बदल जाता है। दूसरा सर्दियों में फिजिकल एक्टिविटी काफी कम हो जाती है और तीसरा कारण है सर्दियों में हम ज्यादा खाते है। इसलिए आप जो भी खाएं उसे हेल्दी बनाने की कोशिश करें और सीमित मात्रा में ही खाएं।

क्रीमी सूप का सेवन नुकसानदायक

ठंड में गर्मागरम सूप मिल जाए तो मजा आ जाता है लेकिन अगर आप रोजना क्रीम से भरपूर सूप पीएंगे तो आपका वजन बढ़ सकता है। फिट रहने के लिए आप प्लेन और वेजिटेबल से भरपूर सूप पीएं। ये शरीर को गर्म, हेल्दी और फिट रखने में मदद करेगा।

सर्दियों में मन को भाता है मीठा

सर्दियों में गुलाब जामुन और गाजर का हलवा खाना सभी को पसंद होता है। इसके अलावा गुड़ पट्टी, तिल की गजक और लित के लड्डू भी लोग खाते हैं। इन चीजों से तेजी से वजन बढ़ता है। ऐसे में आप इनका स्वाद जरूर चखें, लेकिन मात्रा और कितनी बार खा रहे हैं इस बात का ध्यान भी रखें।

भरवां परांठे वजन बढ़ाने में सहायक

ठंड में परांठे बहुत खाए जाते हैं। हर घर में सर्दियों में मेथी, बथुआ, मूली, गोभी और गाजर के परांठे खाना लोगों को बहुत पसंद होता है. ये काफी हेल्दी भी होते हैं, लेकिन अगर आप परांठे में भरकर बटर या घी लगा रहे हैं तो इससे वजन बढ़ने में भी देरी नहीं लगेगी। इसलिए आप स्टफ रोटी खाएं और ऊपर से थोड़ा मक्खन लगा लें।

चाय या कॉफी का अधिक सेवन घातक

सर्दियों में अदरक वाली चाय या गर्मागरम कॉफी पीने का बहुत मन करता है। इससे शरीर में गर्माहट आती है लेकिन अगर आप जरूरत से ज्यादा चाय या कॉफी पी रहे हैं तो ये वजन बढ़ा सकती है। चाय या कॉफी से शरीर में शुगर जाती है जो मोटापा बढ़ाती है। ज्यादा चाय या कॉफी पीते हैं तो कोशिश करें बिना शुगर के पीएं।

सबसे बड़ी फैन से हुआ सामना, बोलीं रोना मत

नई दिल्ली। आलिया भट्ट एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने बहुत कम उम्र में ही वो उपलब्धि हासिल कर ली है जिसे सालों की मेहनत के बावजूद पाना आसान नहीं होता। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। ये किसी कॉन्सर्ट का वीडियो है जिसमें आलिया अपनी टीम के साथ स्टेज पर खड़े होकर चाय पी रही हैं। वही स्टेज से दूर उनकी एक फैन सुहावनी आहलूवालिया उन्हें देखकर जोर-जोर से एक्साइटमेंट में चिल्ला रही हैं। इतने शोर-शराबे के बीच फैन आई लव यू बोलती हैं तो आलिया उन्हें आई लव यू टू बोल कर ये भी कहती हैं कि उन्हें उसका चेहरा याद है। यह सुनकर फैन भावुक हो जाती है और रोने लग जाती है। अपनी फैन को रोते हुए देख आलिया उसे चुप रहने को कहती हैं और उससे आकर मिलने का इशारा भी करती हैं।